@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार 06 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 236 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

तेज बारिश के चलते मणिकर्णिका घाट डूबा, छत पर हो रहे अंतिम संस्कार

* हिमाचल में 69 मौतें, मध्यप्रदेश, राजस्थान में भारी बारिश

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। देश के उत्तर और मध्य भारत में मानसून ने तबाही मचाने वाली दस्तक देकर सभी को हैरान-परेशान कर दिया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और राजस्थान में भारी बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यहां काशी के पवित्र मणिकर्णिका घाट के प्लेटफॉर्म गंगा में डूब गए। अब लोगों को शवों का अंतिम संस्कार घाट की छतों पर करना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राज्य के मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया। टीकमगढ़ में 24 घंटे में 6 इंच बारिश दर्ज की गई। जबलपुर में एक गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पानी में डूब गया, जिससे गैस सिलेंडर नदी में बहते हुए देखे गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। मंडला जिले में कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति है।

उत्तर प्रदेश की बात करें तो गंगा का जलस्तर 15 फीट बढ़ गया जिससे, मणिकर्णिका घाट डूब गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। बीते चार दिनों में जलस्तर 15 फीट तक बढ़ चुका है। शुक्रवार रात 11 बजे तक जलस्तर 62.63 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान (71.262 मीटर) के करीब पहुंच रहा है। काशी का पवित्र मणिकर्णिका घाट पूरी तरह से जलमग्न हो गया। शवदाह के प्लेटफॉर्म पानी में डूब जाने से अंतिम संस्कार अब घाट की छत पर किया जा रहा है। इसके भी फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। रत्नेश्वर महादेव मंदिर भी आधा से अधिक डूब चुका है। वहीं, पंडा-पुरोहितों की 300 से अधिक चौकियां पानी में डूब गई हैं।

वहीं राजस्थान में मानसून ने सभी जिलों को भिगो दिया है, अब एक भी जिला सूखा नहीं है। 1 जून से अब तक राज्य में 167.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 137 प्रतिशत अधिक है। जबकि पिछले साल जुलाई के पहले सप्ताह तक 14 जिले सूखे की चपेट में थे।

हिमाचल प्रदेशद्ध लैंडस्लाइड और बाढ़ से 69 की मौत, 500 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में लगातार मूसलाधार बारिश से हालात बदतर हो चुके हैं। कांगड़ा, मंडी, शिमला और चंबा जिलों में बाढ़ और भूस्खलन से 69 लोगों की मौत हो चुकी है। मंडी में सबसे अधिक 17 मौतें दर्ज की गई हैं, जबकि 40 लोग लापता हैं। राज्य में 14 पुल बह चुके हैं और 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। धार्मिक, सामाजिक और परिवहन गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। मणिकर्णिका घाट पर छतों पर अंतिम संस्कार की स्थिति हो या हिमाचल की सड़कों का बंद होना—हर जगह संकट की तस्वीर साफ है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में और भारी बारिश की चेतावनी दी है।

मैं अभी 30-40 साल और जीवित रहूंगा, मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद

-दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर जारी अफवाहों पर लगाया विराम

धर्मशाला (एजेंसी)। दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर जारी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह लोगों की सेवा के लिए 30-40 साल और जीवित रहेंगे। मैकलोडगंज में मुख्य दलाई लामा मंदिर त्सुगलागखांग में रविवार को वर्तमान दलाई लामा के जन्मदिन माना जाना है। इससे पहले, दीर्घायु प्रार्थना समारोह में तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि उन्हें स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद उनके साथ है। तिब्बत के आध्यात्मिक नेता ने कहा कि कई भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जिंदा रहूंगा। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में रह रहे हैं। यहीं मैं जीवात्माओं को काफी लाभ पहुंचाने में सक्षम रहा हूं। मैं जितना संभव हो सके, जीवात्माओं को लाभ पहुंचाने और उनकी सेवा करने की इच्छा रखता हूं। वहीं विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि भारत सरकार आस्था और धर्म से जुड़े मामलों में कोई पक्ष नहीं लेती है। मंत्रालय ने यह टिप्पणी दलाई लामा के इस बयान के दो दिन बाद की है जिसमें उन्होंने कहा था कि तिब्बती बौद्धों के एक ट्रस्ट को ही उनके उत्तराधिकारी को तय करने का अधिकार होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार ने भारत में सभी के लिए धार्मिक स्वतंत्रता को हमेशा बरकरार रखा है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। जायसवाल ने कहा कि हमने दलाई लामा संस्था की निरंतरता के बारे में माननीय दलाई लामा की ओर से दिए गए बयान से संबंधित रिपोर्ट देखी है। भारत सरकार आस्था और धर्म से जुड़े मामलों में कोई पक्ष नहीं लेती है और न ही बोलती है।

नेशनल हेराल्ड केस में फंसे सोनिया और राहुल गांधी को बचाने मैदान में उतरे ये दिग्गज वकील

-अदालत के पास इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से जुड़े नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया और राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत में मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने अदालत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से सोनिया और राहुल गांधी पर लगाए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों को अजीब मामला बताया। उन्होंने कहा कि यह मनी लॉन्ड्रिंग का एक ऐसा केस है, इसमें कोई संपत्ति नहीं है, इतना ही नहीं संपत्ति का कोई इस्तेमाल या प्रदर्शन नहीं है।

दरअसल ईडी ने आरोप लगाया है कि गांधी परिवार की यंग इंडियन (वॉयआई) में 76 फीसदी हिस्सेदारी है। यंग इंडियन पर आरोप है कि उसने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्ति को 90 करोड़ के लोन के बदले हड़प लिया। वकील सिंघवी ने इन आरोपों का जवाब देकर कहा कि यह सब एजेएल को कर्ज मुक्त करने के लिए किया था। उन्होंने कहा कि अदालत के पास इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है। हर कंपनी को कानून के तहत यह अधिकार है कि वह अपने कर्ज को खत्म करे। कांग्रेस नेता और वकील सिंघवी ने कहा कि हर कंपनी ऐसा करती है। वे अपने कर्ज को एक यूनिट से दूसरी यूनिट को ट्रांसफर कर देते हैं। इससे कंपनी कर्ज मुक्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि यंग इंडियन एक गैर-लाभकारी कंपनी है। इसका मतलब है कि यह किसी को भी लाभांश, भत्ते, वेतन या बोनस नहीं दे सकती। ईडी ने अदालत में बताया कि यह मनी लॉन्ड्रिंग का एक क्लासिक मामला है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि यंग इंडियन का इस्तेमाल एजेएल की 2,000 करोड़ की संपत्ति को हड़पने के लिए हुआ था। एजेएल ही नेशनल हेराल्ड अखबार को प्रकाशित करती थी। ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, मेसर्स यंग इंडिया, मेसर्स डोटेक्स मर्चेंडाइज और सुनील भंडारी के खिलाफ 9 अप्रैल को एक स्थानीय अदालत में अभियोजन शिकायत (चार्जशीट के बराबर) दायर की थी। अब अदालत एजेंसी और आरोपियों की दलीलें सुनने के बाद ही चार्जशीट पर संज्ञान लेने का फैसला करेगी।

पीएम मोदी का अर्जेंटीना में जोरदार स्वागत, खनिजों को लेकर हो सकता है बड़ा ऐलान

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। ट्रिनिडाड और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर शुक्रवार रात अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के निमंत्रण पर पीएम मोदी वहां गए हैं। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने पर जोर दिया जाएगा। पीएम मोदी की अर्जेंटीना यात्रा के दौरान उनकी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई से द्विपक्षीय बातचीत होगी, जिसमें रक्षा, ऊर्जा, खनिज, कृषि, निवेश, व्यापार, आतंकवाद विरोध और डिजिटल सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। अर्जेंटीना के कैटामार्का प्रांत में भारत की खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड ने लिथियम की खुदाई अधिकार पहले ही हासिल कर लिए हैं। अब उम्मीद की जा रही है कि इस क्षेत्र में नई घोषणाएं हो सकती हैं।

अर्जेंटीना लिथियम ट्रायंगल (बोलीविया और चिली के साथ) का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन और स्वच्छ ऊर्जा रणनीति के लिए लिथियम अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, अर्जेंटीना के शेल गैस और एलएनजी भंडारों में भी भारत की गहरी दिलचस्पी है। खाड़ी देशों में अस्थिरता को देखते हुए भारत ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण की नीति पर काम कर रहा है और अर्जेंटीना इसका एक प्रमुख हिस्सा बन सकता है। 2024 में भारत और अर्जेंटीना के बीच द्विपक्षीय व्यापार 5.2 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच अब तक व्यापार मुख्यतः सोयाबीन तेल और कृषि उत्पादों पर केंद्रित रहा है, लेकिन अब भारत फार्मा, आईटी और हेल्थटेक जैसे क्षेत्रों में अपना निर्यात बढ़ाना चाहता है।दूसरी ओर, अर्जेंटीना भारतीय तेजस लड़ाकू विमान जैसे रक्षा उत्पादों में रुचि दिखा रहा है। संयुक्त प्रशिक्षण, को-प्रोडक्शन और तकनीक हस्तांतरण पर भी चर्चा हो सकती है।

डिजिटल गवर्नेंस, टेलीमेडिसिन और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने की योजना है। भारत के इसरो और अर्जेंटीना की एजेंसी के बीच पहले से सहयोग रहा है, जिसे अब और औपचारिक बनाया जा सकता है।

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना पहुंचने पर एक्स पर पोस्ट में कहा, द्विपक्षीय यात्रा के लिए ब्यूनस आयर्स पहुंचा हूं, जिसका फोकस अर्जेंटीना के साथ संबंधों को बढ़ाने पर होगा। मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मिलने और उनके साथ विस्तृत बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मिलेई के बीच होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, व्यापार और निवेश, साथ ही जनसंपर्क बढ़ाने जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को विस्तार देने के रास्ते तलाशे जाएंगे। इस यात्रा को भारत-अर्जेंटीना संबंधों में एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच 2019 में रणनीतिक साझेदारी स्थापित की गई थी, और अब यह यात्रा उस साझेदारी को व्यावहारिक और व्यापक रूप देने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे से वहां के भारतीय समुदाय में खुशी की लहर है और वे उनका स्वागत करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ब्यूनस आयर्स में भारतीय मूल के लोगों ने पीएम मोदी के अर्जेंटीना आने की खुशी जताई। अर्जेंटीना की राजधानी में अल्वेयर पैलेस होटल में प्रधानमंत्री का विशेष शास्त्रीय नृत्य के साथ स्वागत हुआ। पीएम मोदी के अर्जेंटीना दौरे पर मीनू खियानी ने कहा, 'हमें पीएम मोदी पर बहुत गर्व है, वे हमें गर्व महसूस कराते हैं। उनका यहां आना हमारे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने हमारे देश के लिए जो किया, उस पर हमें बहुत गर्व है।

ट्रिनिडाड और टोबैगो की यात्रा रही ऐतिहासिक

इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्रिनिडाड और टोबैगो की सफल यात्रा पूरी की और ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना के लिए रवाना हुए। पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ट्रिनिडाड और टोबैगो, धन्यवाद। यहां के पल कभी नहीं भूलेंगे। भारत-ट्रिनिडाड और टोबैगो की दोस्ती को नई गति मिली है। राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कांगालू, प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर और वहां की जनता का आभार। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान में भागीदारी के लिए प्रधानमंत्री बिसेसर का भी धन्यवाद किया और जलवायु परिवर्तन पर साझा प्रयासों की प्रतिबद्धता दोहराई।

देश में बढ़ रही है गरीबों की संख्या, ये नहीं होना चाहिए': केंद्रीय मंत्री गडकरी

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गरीबों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित हो रहा है,ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है, श्री गडकरी ने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) सहित कई मुद्दों पर बात की।

उन्होंने कहा, 'धीरे-धीरे गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है. ऐसा नहीं होना चाहिए. अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हो और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। ' उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार कर रहे हैं जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है और इस दिशा में कई बदलाव हुए हैं।' केंद्रीय मंत्री ने भारत की आर्थिक संरचना का किया उल्लेख - केंद्रीय मंत्री गडकरी ने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को भी श्रेय दिया, लेकिन उन्होंने अनियंत्रित केंद्रीकरण के खिलाफ चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, 'हमें इसके बारे में चिंतित होना चाहिए.' भारत की आर्थिक संरचना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सकल घरेलू उत्पाद (डीजीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, विनिर्माण क्षेत्र 22-24 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र 52-54 प्रतिशत योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65-70 प्रतिशत हिस्से को शामिल करने के बावजूद, केवल 12 प्रतिशत योगदान देती है।'

साथ आए हैं और अब हमेशा साथ ही रहेंगे

● राज ठाकरे को लेकर भाई उद्धव ठाकरे ने कर दिया बड़ा ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने शनिवार को मुंबई में बड़ी रैली की। इस दौरान मराठी भाषा को लेकर दोनों भाइयों ने एक सुर में अपनी बात रखी। इसके साथ ही दोनों ने एक अहम ऐलान भी कर डाला।

उद्धव ठाकरे ने मंच से कहाकि दोनों साथ आए हैं तो साथ ही रहेंगे। वहीं, मनसे चीफ राज ठाकरे ने कहाकि दोनों भाइयों को साथ खड़ा करके देवेंद्र फडणवीस ने वह कर दिखाया, जो बालासाहेब ठाकरे भी नहीं कर पाए। इस तरह महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा बदलाव आता नजर आ रहा है। अगर राज ठाकरे की मनसे और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) का यह साथ चुनाव अभियान में भी बना रहा तो भाजपा के लिए खासी मुश्किल खड़ी हो सकती है। उद्धव ने उन्होंने यह भी कहा कि वह और राज मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता पर कब्जा करेंगे।

मेडिकल एजुकेशन में बड़ा घोटाला सीबीआई ने किया पर्दाफाश

एफआईआर में पूर्व यूजीसी चीफ समेत कई बड़े नाम हैं शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने एक बड़े मेडिकल एजुकेशन घोटाले का पर्दाफाश किया है। इस घोटाले में स्वास्थ्य मंत्रालय के कई बड़े अधिकारियों, यूजीसी के पूर्व चेयरमैन, धर्मगुरु के अलावा कई नाम शामिल हैं। सीबीआई की एफआईआर में कुल 34 लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। इनमें से आठ स्वासथ्य मंत्रालय, एक नेशनल हेल्थ अथॉरिटी, पांच डॉक्टर और एक स्वयंभू संत शामिल हैं। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक यूजीसी के पूर्व चेयरमैन डीपी सिंह का नाम भी भी इस घोटाले में शामिल है। फिलहाल वर टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के

चांसलर हैं। दूसरा नाम रावतपुरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च के चेयरमैन और स्वयंभू संत रविशंकर महाराज का है। इन्हें रावतपुरा सरकार के नाम से भी जाना जाता है। इसके अलावा इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर के चेयरमैन सुरेश सिंह भदौरिया के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। गीतांजलि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मयूर सरकार का नाम भी इस स्कैम से जुड़ा है। सीबीआई ने अब तक इस मामले में कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। तीन डॉक्टरों पर 55 लाख रुपये घूस लेकर मनमानी जांच रिपोर्ट लगाने का आरोप है। एफआईआर के मुताबिक रवि शंकर महाराज ने जांच को लेकर एडवांस जानकारी लेने की कोशिश की। इसके बाद रावतपुर इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर अतुल कुमार तिवारी ने मयूर रावल से संपर्क किया। रावल ने जानकारी देने के लिए 25 से 30 लाख रुपये की मांग की। इसके बाद उन्होंने इंस्पेक्शन की तारीक और अधिकारियों के नाम बता दिए। एजेंसियों का दावा है कि रविशंकर महाराज ने डीपी सिंह से भी अपने पसंद की रिपोर्ट बनवाने के लिए संपर्क किया था। वहीं डीपी सिंह ने यह काम सुरेश को सौंप दिया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में डीपी सिंह से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

कॉलेजियम में होगी पूरी पारदर्शिता, मेरिट से समझौता नहीं

न्यायालयों में जजों की नियुक्ति पर बोले सीजेआई गवई

मुंबई (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने गुरुवार को न्यायालयों में जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर कुछ अहम टिप्पणियां की हैं। सीजेआई गवई ने इस दौरान कॉलेजियम प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता लाने का आश्वासन देते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान योग्यता को लेकर कभी समझौता नहीं किया जाएगा। बता दें कि पिछले महीने देश के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर उनकी पदोन्नति के सम्मान में मुंबई बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान सीजेआई गवई ने कहा कि उनके पहले सीजेआई रहे जस्टिस संजीव खन्ना ने भी कॉलेजियम ने नियुक्तियों के मामलों में अधिक पारदर्शिता लाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, मैं सभी को आश्वस्त करता हूं कि हम पूर्ण पारदर्शिता की प्रक्रिया अपनाएंगे।

योग्यता से कभी समझौता नहीं किया जाएगा। हमारे पास समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधि होंगे। सीजेआई गवई ने आगे एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि जब 2019 में उच्चतम न्यायालय में पदोन्नति के लिए उनके नाम की सिफारिश की गई थी, तो कॉलेजियम में एक न्यायाधीश इसके पक्ष में नहीं थे। जस्टिस गवई ने नाम बताने से इनकार करते हुए कहा, ''पिछले छह सालों से मैंने इसे गुप्त रखा था। जब मेरा नाम सुप्रीम कोर्ट के लिए चर्चा में था तो कॉलेजियम के एक न्यायाधीश को कुछ आपत्तियां थीं।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें लगता था कि अगर मुझे पदोन्नत किया गया तो मुंबई के कुछ वरिष्ठ वकीलों में बेचैनी पैदा हो सकती है। हालांकि मुंबई बार एसोसिएशन के कई वरिष्ठ वकीलों ने दिल्ली में उन जजों से मुलाकात की और उन्हें बताया कि उनकी धारणा गलत है।'' जस्टिस गवई ने इस दौरान कहा है कि वे मुंबई बार एसोशिएशन के ऋणी हैं। उन्होंने कहा, ''मैं सदैव मुंबई बार एसोसिएशन का ऋणी रहूंगा। उनके बिना उच्चतम न्यायालय में मेरी पदोन्नति और उसके बाद सीजेआई के रूप में मेरी पदोन्नति कभी संभव नहीं होती।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके ही रहेगा भाजपा का बड़ा भाई

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी ने शनिवार को साफ कर दिया कि तमिलनाडु में भाजपा के साथ गठबंधन में एआईएडीएमके ही बड़ा भाई है। उन्होंने कहा कि कोई भी पार्टी चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो हम पर हावी नहीं हो सकती। एआईएडीएमके तमिलनाडु में 30 साल से ज्यादा समय तक सत्ता में रही है। अगर गठबंधन 2026 के विधानसभा चनाव जीतता है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरियाई युवक भारी सुरक्षा वाली सीमा पार कर दक्षिण कोरिया पहुंचा

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि एक अज्ञात उत्तर कोरियाई व्यक्ति दोनों कोरियाई देशों को अलग करने वाली भारी सुरक्षा वाली सीमा को पार कर गया। अब वह दक्षिण कोरिया की हिरासत में है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि सेना ने गुरुवार रात सैन्य सीमांकन रेखा के मध्य-पश्चिमी भाग के पास व्यक्ति की पहचान की और उसका पता लगाया। युवक को हिरासत में लिया गया है। अधिकारी सीमा पार करने की घटना की जांच कर रहे हैं।

मिसाइलों और हथियारों के लिए ट्रंप से चर्चा करेंगे यूक्रेनी राष्ट्रपति

कीव, एजेंसी। रूस के साथ तीन साल से जारी जंग के बीच अमेरिका द्वारा हथियारों की खेप पर रोक लगाए जाने से यूक्रेन की मुसीबत बढ़ गई है। इसे देखते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करेंगे। यह रोक जेलेंस्की के लिए बड़ा झटका है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने जिस तरह से हथियारों की एक बड़ी खेप को देने से रोका है, उसके बाद दोनों नेताओं के बीच आपूर्ति शुरू किए जाने को लेकर बड़ी चर्चा हो सकती है। बता दें, अमेरिका ने यह निर्णय तब लिया है, जब जून में रूस ने यूक्रेन पर रिकॉर्ड 5,337 ड्रोन दागे हैं। यह एक महीने में सबसे बड़ा हवाई हमला है। अमेरिका की इस स्टॉक चेक नीति के कारण यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल, स्टिंगर सिस्टम, हेलफायर मिसाइल, औरएफ-16 से छोड़ी जाने वाली एआईएम मिसाइलें नहीं मिलेंगी।

फिनलैंड में चाकूबाजी आतंकवाद-नस्लीय मामला नहीं

टैम्पेरे, एजेंसी। फिनलैंड के टैम्पेरे शहर में बृहस्पतिवार को एक मॉल के बाहर चाकू से हमला हुआ, जिसमें 4 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हमला आतंकवादी या नस्लभेद से जुड़ा नहीं है। पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और कहा है कि अब लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। हालांकि, हमलावर कौन था और उसने ऐसा क्यों किया, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। घायलों की हालत कैसी है, यह भी अभी साफ नहीं हो पाया है। फिनिश पब्लिक ब्रॉडकास्ट येल ने बताया कि मॉल के बाहर खून के धब्बे साफ करने के लिए कर्मचारियों ने प्रेशर वॉशर का इस्तेमाल किया। एक रेस्टोरेंट के बाहर खून का बड़ा धब्बा दिखाई दिया और मॉल से बहकर खून पास की सड़क तक पहुंच गया। घटना के बाद पुलिस ने शुरू में टैम्पेरे के रतिना शॉपिंग मॉल के सभी दरवाजे बंद कर दिए थे और किसी को अंदर या बाहर जाने नहीं दिया गया। लेकिन शाम को पुलिस ने बताया कि अब लॉकडाउन हटा दिया गया है और वे मौके से जा चुके हैं।

जर्मन ट्रेन में यात्री ने हथौड़े से चार लोगों को मारा

बर्लिन, एजेंसी। दक्षिणी जर्मनी में एक लंबी दूरी की ट्रेन में एक व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को यात्रियों पर हथौड़े से हमला कर दिया। घटना में चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान तीन सीरियाई- एक 15 वर्षीय लड़का, 24 और 51 वर्षीय दो पुरुषों के रूप में हुई है। इसके अलावा चौथा पीड़ित 38 वर्ष का है, जिसकी राष्ट्रीयता अभी तक ज्ञात नहीं है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। जिसकी पहचान 20 वर्षीय सीरियाई नागरिक के रूप में हुई है। स्ट्रॉबिंग में पुलिस ने बताया कि यह हमला उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रेन उत्तरी जर्मनी के शहर हैम्बर्ग से ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना जा रही थी। ट्रेन बवेरिया राज्य के स्ट्रॉबिंग और प्लैटलिंग के बीच थी। पुलिस ने बताया कि हमले के समय ट्रेन में करीब 500 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर करीब 150 पुलिस अधिकारी, अग्निशमन कर्मी और आपातकालीन कर्मचारी तैनात किए गए थे। रेलवे लाइन को बंद कर दिया गया है। हालांकि, पुलिस ने हमलावर के मकसद के बारे में जानकारी नहीं दी है।

वे नाराज हो सकते हैं... ट्रंप का फोन उठाने के लिए बीच कार्यक्रम से उठकर गए पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गुरुवार को एक अहम और लंबी टेलीफोनिक बातचीत हुई, जिसमें यूक्रेन युद्ध और ईरान समेत कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। लेकिन इस बातचीत से पहले कुछ ऐसा हुआ जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जब ट्रंप का फोन आया, तब पुतिन एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, लेकिन उन्होंने बातचीत को बीच में रोक दिया और ट्रंप से बात करने के लिए मंच से विदा ले ली। पुतिन ने मजाकिया लहजे में कहा कि ट्रंप को इंतजार कराना ठीक नहीं है। क्या पता अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज हो जाएं। पुतिन ने कार्यक्रम के बीच में कहा, कृपया नाराज मत होइए, हम और भी बात कर सकते थे। लेकिन उन्हें (ट्रंप को) इंतजार कराना थोड़ा अजीब लगता है, वे नाराज हो सकते हैं। इस टिप्पणी के बाद दर्शकों में हंसी की लहर दौड़ गई और तालियां बजीं। यह घटना मॉस्को में आयोजित स्ट्रॉन्ग आइडियाज फॉर न्यू टाइम फोरम के दौरान हुई, जहां पुतिन एक पैनल चर्चा में हिस्सा ले रहे थे।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी

ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश, तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है।

रूस बोला- मान्यता देने से द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा : रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा। चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान राजनयिकों को तैनात कर रखा है, लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी।

आधिकारिक मान्यता मिलने के मायने क्या? : जब एक देश दूसरे देश को आधिकारिक मान्यता देता है, तो वह उसे एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। यानी उस देश की अपनी सरकार है, अपनी सीमा है और वह दुनिया के दूसरे देशों से रिश्ते बना सकता है। यह मान्यता 1933 की मोंटेवीडियो संधि जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित होती है। इसके लिए चार शर्तें होती हैं, स्थायी आबादी, सीमा, सरकार और विदेशों से संबंध बनाने की क्षमता। मान्यता मिलने से किसी देश को वैधता, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में जगह और दूसरे देशों से व्यापार व रिश्ते बनाने का मौका मिलता है।

2021 में सत्ता पर काबिज हुआ था तालिबान : तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। अमेरिका और भारत समेत अब तक किसी भी देश में तालिबान को अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं।

रूस ने 2003 में आतंकवादी संगठन घोषित किया था : तालिबान की स्थापना 1994 में अफगानिस्तान के कंधार शहर में हुई थी। यह संगठन उन गुटों में शामिल था, जो 1989 में सोवियत सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में सत्ता के लिए चल रहे गृहयुद्ध में शामिल थे। तालिबान के ज्यादातर सदस्य वही मुजाहिद्दीन थे, जिन्होंने अमेरिका की मदद से नौ साल तक सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध लड़ा और उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस सहयोग की वजह से तालिबान को शुरुआत में अमेरिका का समर्थन भी मिला।

हालांकि, 1990 के दशक के अंत तक तालिबान की छवि बदलने लगी। 1999 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया कि तालिबान दुनियाभर के आतंकी संगठनों को शरण और प्रशिक्षण दे रहा है। इसी के कुछ महीनों बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूएन के इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए तालिबान पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

2003 में रूस की सुप्रीम कोर्ट ने तालिबान को आधिकारिक रूप से एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया। रूस ने आरोप लगाया कि तालिबान के चेचन्या में सक्रिय अवैध संगठनों से संबंध हैं और वह मध्य एशिया के देशों उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहा है। इसके बावजूद, 2017 में रूस ने कूटनीतिक पहल करते हुए अफगानिस्तान की तत्कालीन सरकार और तालिबान के बीच बातचीत की कोशिश की थी, ताकि देश में शांति स्थापित हो सके।

कैसे होगा समझौता? गाजा में दो दिन में 300 लोगों की मौत, इजरायल के 26 हमले

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका की ओर से इजरायल पर हमास के साथ समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है। हमास भी कह रहा है कि सीजफायर कर लिया जाए। इसके साथ ही जंग को भी पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। लेकिन यह कैसे हो पाएगा? यह सवाल अब भी खड़ा है। इसकी वजह यह है कि इजरायल लगातार गाजा पर हमले कर रहा है। बीते दिनों में इजरायल ने ताबड़तोड़ 26 हमले गाजा पर किए हैं, जिनमें 300 लोग मारे गए हैं। अल जजीरा का दावा है कि इनमें 48 लोग तो ऐसे हैं, जो राहत सामग्री के इंतजार में खड़े थे और इसी दौरान हुए हमले में मारे गए।

शुक्रवार सुबह से ही 73 लोग मारे जा चुके हैं। यही नहीं कुछ हमलों में गाजा ह्यूमनटैरियन फाउंडेशन को भी निशाना बनाया गया, जिसे अमेरिका का भी समर्थन है। एक स्कूल में इमारत में शरण लिए अहमद मंसूर ने इन हमलों को लेकर बताया, हम सुबह उठे तो इजरायल के तेज हमले जारी थे। ऐसा लगा कि जैसे भूकंप ही आ गया है। लोगों का कहना था कि यह शायद ड्रोन अटैक है और फिर दूसरा हमला कहीं ज्यादा तेज था। मिसाइलें बहुत खतरनाक थीं और जहां भी गिरीं वहां सब कुछ खाक हो गया। खतरनाक आग लग रही थी। ऐसे भी कई लोग थे, जो इन हमलों की आग में झुलस गए और घंटों तक तड़पते रहे।इसके अलावा एक टेंट में हुए हमले में 13 लोग मारे गए थे, जो दक्षिण गाजा के अल-मवासी में ठहरे हुए थे। यही नहीं मुस्तफा हाफिज स्कूल में भी 16 लोगों की मौत हो गई। यहां पर बड़ी संख्या में गाजा पश्चिम से आए शरणार्थी ठहरे हुए हैं। बता दें कि अमेरिका ने इजरायल को सलाह दी है कि वह 60 दिनों का सीजफायर हमास के साथ कर ले।

डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी जीत, 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' अमेरिकी संसद से हुआ पास

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चर्चित 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' गुरुवार देर रात पास हो गया. ट्रंप के इस महत्वाकांक्षी विधेयक को देश की संसद से अंतिम मंजूरी मिल गई है. 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से 218-214 के अंतर से पास हो गया है. 218 सांसदों ने बिल का समर्थन किया वहीं 214 सांसदों ने इस विधेयक के खिलाफ वोट डाले. सदन ने जैसे ही इस टैक्स विधेयक को अंतिम मंजूरी दी, बिल को हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास भेज दिया गया. इस बिल का पास होना ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.इस विधेयक को सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित होने के बाद अब राष्ट्रपति के साइन के लिए भेज दिया गया है. वहीं, विधेयक पर मतदान के दौरान दो रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेटिक पक्ष में मतदान किया. इस बिल के पास होने से ट्रंप की कई प्रमुख नीतियों को कानूनी ताकत मिल गई, जिनमें मास डिपोर्टेशन (बड़ी संख्या में प्रवासियों को वापस भेजना), सेना और बॉर्डर सिक्योरिटी पर ज्यादा खर्च, और पहले कार्यकाल की टैक्स छूट को आगे बढ़ाना शामिल हैं. विधेयक के पारित होने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार (4 जुलाई) शाम 5 बजे अपने बड़े कर छूट और व्यय कटौती विधेयक पर साइन करने की योजना बना रहे हैं.

भारतीय मूल के व्यक्ति ने प्लेन में यात्री का गला दबाया, अमेरिका में गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक व्यक्ति को फिलाडेल्फिया से मियामी की फ्लाइट के दौरान अपने साथ बैठ एक पैसेंजर पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. वायरल हो रहे एक वीडियो में नेवार्क निवासी 21 वर्षीय ईशान शर्मा और कीनू इवांस 30 जून को फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट के दौरान लड़ते दिख रहे हैं. वायरल क्लिप में दिख रहा है कि ईशान शर्मा और इवांस एक-दूसरे की गर्दन पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि साथी यात्री उन्हें रुकने के लिए कह रहे हैं.

इवांस ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि हमला बिना किसी कारण किया गया और तब हुआ जब ईशान शर्मा कथित तौर पर उनके पास आया और अपनी सीट पर लौटते समय उसकी गर्दन पकड़ ली.

इवांस ईशान शर्मा से एक सीट आगे बैठे थे. उन्होंने बताया, वह (ईशान) कुछ डार्क हंसी हंस रहा था, जैसे हा हा हा हा हा. और वह ऐसी बातें कह रहा था, अरे तुच्छ, नश्वर आदमी, यदि तुम मुझे चुनौती देते हो, तो इसका परिणाम तुम्हारी मृत्यु होगी.इवांस ने दावा किया कि इसके बाद उन्होंने वॉशरूम जाने के लिए अपनी सीट छोड़ दी और फ्लाइट अटेंडेंट को ईशान शर्मा के बारे में बताया. फ्लाइट अटेंडेंट ने उनसे कहा कि अगर ऐसा आगे भी जारी रहा तो सहायता बटन दबा दें.

इवांस ने कहा कि जब शर्मा उन्हें जान से मारने की धमकी देते रहे तो उन्होंने बटन दबाया.उन्होंने कहा कि इसके बाद स्थिति बिगड़ गई. आप जानते हैं, वह मुझे बहुत गुस्से से देख रहा था और हम एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर देख रहे थे, माथे से माथे टच थे, और फिर उसने मेरा गला पकड़ लिया और मेरा गला घोंटना शुरू कर दिया. उस पल में, आप जानते हैं, लड़ाई हो जाती है. मैं एक फ्लाइट में एक तंग, सीमित जगह में हूं, और मैं बस अपना बचाव कर सकता हूं.

ईशान शर्मा को फ्लाइट उतरने पर हिरासत में ले लिया गया और उन पर मारपीट की धारा लगी है. मंगलवार को अदालत में पेशी के दौरान, ईशान शर्मा के वकील ने कथित तौर पर दावा किया कि यह घटना इसलिए शुरू हुई क्योंकि वह ध्यान कर रहे थे. एक न्यूज आउटलेट के अनुसार उनके वकील ने कहा, मेरा मुवक्किल उस धर्म से है जहां वह ध्यान कर रहा था. दुर्भाग्य से, उसके पीछे वाले यात्री को यह पसंद नहीं आया.

पीड़ित का दावा-बिना किसी उकसावे के हमला : पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इवांस ने बताया कि यह हमला बिना किसी उकसावे की कार्रवाई के बावजूद हुआ। पीड़ित ने कहा कि शर्मा उनके पास अपनी सीट पर वापस लौटते हुए आए और अचानक उनका गला पकड़ लिया। इवांस ने 7ह्रद्म2ह्य को बताया, वह एक अजीब हंसी हा हा हा हा कर रहा था... और कह रहा था, तुम छोटे और नश्वर इंसान, अगर तुम मुझे चुनौती दोगे तो तुम्हारी मौत होगी। इवांस ने कहा कि वह शर्मा के ठीक सामने बैठे थे। अन्य यात्रियों द्वारा फिल्माए गए वीडियो में दोनों के बीच विमान के अंदर हुई मारपीट देखी जा सकती है।

झगड़े की वजह क्या थी? : इवांस ने कहा कि शर्मा के उदासीन व्यवहार को देखकर वे पहले से ही चिंतित थे और उन्होंने टॉयलेट का इस्तेमाल करते समय फ्लाइट अटेंडेंट्स को सूचना दी थी। उन्हें सलाह दी गई थी कि स्थिति बिगड़ने पर सहायता बटन दबाएं। जब शर्मा की धमकियां जारी रहीं, तो इवांस ने उस सलाह के अनुसार सहायता बटन दबाया, जिससे स्थिति बढ़ गई। इवांस ने कहा, वह गुस्से में मुझसे सामना कर रहा था, माथा से टक्कर मार रहा था और अचानक उसने मेरा गला पकड़ लिया और मुझे घुटन देने लगा। उस समय मेरी सहज प्रतिक्रिया हुई, लड़ो या भागो और मेरे पास उस संकरे स्थान में खुद की रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

कराची में जून महीने में 60 बार कांपी धरती, लोगों में दहशत, आपदा के साये में काट रहे रातें

कराची, एजेंसी। इन दिनों पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लोगों की रातें आपदा के साये में कट रही हैं। पाकिस्तान के प्रमुख शहरों में शुमार कराची में जून महीने में 60 बार धरती कांप चुकी है। यहां जून में आए भूकंप के झटके भले ही कम तीव्रता वाले रहे हों, लेकिन लोगों में दहशत बढ़ गई है। कराची के मेयर मुर्तजा वहाब का कहना है कि दो से 22 जून के बीच आए लगातार भूकंप के झटकों के बाद लोग बेचैन हैं। उनको आपदा का डर सता रहा है।

पाकिस्तान के मौसम विभाग का कहना है कि कराची में कम तीव्रता वाले भूकंप के 33 झटके मलीर के नजदीकी इलाकों में दर्ज किए गए। इसके अलावा कायदाबाद, लांधी, गदप, डीएचए सिटी और डीएचए कराची और कोरंगी में भी धरती कांपी। दो जून को कम से कम 10 बार भूकंप के झटके आए। जबकि इसके अगले दिन एक दर्जन झटके महसूस किए गए। वहीं तीन तीव्रता से अधिक वाले छह भूकंप 22 जून को दर्ज किए गए। लांधी में एक कपड़ा फैक्टरी में काम करने वाले जहीर उल हसन ने कहा कि हम जानते हैं कि हमें कैसा महसूस हुआ। हम जमीन को हिलता हुआ महसूस कर सकते थे और हमें कुछ बुरा होने की आशंका थी, लेकिन कुछ सेकंड के बाद झटके कम हो गए। जब इतने सारे झटके आते हैं तो जाहिर है कि आप तनाव बढ़ता है।

लांधी में रहने वाले फैजान कादरी कहते हैं कि दो से 22 जून के बीच उन्होंने कम से कम 40 भूकंप के झटके महसूस किए हैं। लगातार आ रहे भूकंप के झटकों ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। मलीर निवासी निगहत खान ने कहा कि हर बार जब भी भूकंप आता था, चाहे दिन हो या रात, हम अपने परिवार के साथ घरों से बाहर निकल आते थे और मदद के लिए प्रार्थना करते थे।

मुख्य मौसम विज्ञानी अमीर हैदर लेघारी और समुद्री भूविज्ञानी आसिफ इनाम ने पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और वित्तीय केंद्र कराची में बड़े भूकंप की संभावना को कम कर दिया है। लेघारी और इनाम ने माना कि इतनी लंबी अवधि तक कम तीव्रता वाले भूकंपों का आना असामान्य है। उन्होंने कहा कि तटीय शहर कराची कई सक्रिय और निष्क्रिय फॉल्ट लाइनों के करीब है। हाल की भूकंपीय घटनाएं क्षेत्र की प्राकृतिक टेक्टोनिक हलचलों से हुई हैं।

बांग्लादेश में लागू करेंगे शरीयत कानून, फैजुल करीम ने किया तालिबान जैसा शासन लाने का ऐलान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की कट्टरपंथी इस्लामी संगठन जमात-चर मोंई के प्रमुख पिर मुफ्ती सैयद मुहम्मद फैजुल करीम ने एक इंटरव्यू में स्पष्ट रूप से घोषणा की है कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह देश में तालिबान शासित अफगानिस्तान की तर्ज पर शरीयत कानून लागू करेंगे। अमेरिका स्थित बंग्ला मीडिया संस्था ठिकाना न्यूज के संपादक खालिद मुहीउद्दीन को दिए गए इंटरव्यू में फैजुल करीम ने कहा, अगर राष्ट्रीय चुनाव जीतकर सरकार बनी तो इस्लामिक मूवमेंट बांग्लादेश देश में शरीयत कानून लागू करेगा।

फैजुल करीम ने अफगानिस्तान के वर्तमान शासन प्रणाली की सराहना करते हुए कहा, हम अफगानिस्तान की शासन प्रणाली को अपनाएंगे। तालिबान सरकार ने जो अच्छा किया है, उसे लागू करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सत्ता में आए तो हिंदुओं समेत सभी अल्पसंख्यकों को शरीयत के तहत अधिकार दिए जाएंगे।

फैजुल करीम ने यह भी कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन और रूस जैसे देशों की कुछ अच्छी बातें होंगी तो उन्हें भी अपनाया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह कहा कि वे शरीयत के विरोध में नहीं हों।

जमात-चर मोंई जैसे संगठनों का खुलेआम चुनाव लड़ने और शरीयत लागू करने की बातें करना यह दर्शाता है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान इस्लामी कट्टरपंथी संगठन राजनीतिक रूप से सक्रिय हो रहे हैं। बांग्लादेश में हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को छात्रों के आंदोलन के बाद अपदस्थ किया गया था और नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनाई गई है।

हालांकि करीम ने आश्वासन दिया कि अल्पसंख्यकों को शरीयत के तहत अधिकार मिलेंगे, लेकिन तालिबान जैसे शासन मॉडल के उदाहरण को देखते हुए यह बयान अल्पसंख्यकों के अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि ऐसी विचारधारा देश की धर्मनिरपेक्षता, महिला अधिकारों और न्याय व्यवस्था को कमजोर कर सकती है।

विश्वसनीय गारंटी के बिना किसी वार्ता का कोई मतलब नही, ईरान ने ट्रंप के साथ वार्ता के लिए रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। परमाणु संवर्धन के मुद्दे पर अमेरिका और इस्राइल से टकराव और फिर संघर्ष विराम के बाद भले ही मध्य एशिया में कुछ तनाव कम हुआ हो लेकिन ईरान साफ कर दिया है कि वह बिना किसी विश्वसनीय गारंटी के किसी से भी कोई वार्ता नही करेगा। ईरान ने कहा है कि अमेरिका के साथ कोई भी वार्ता प्रक्रिया तब तक बेकार है जब तक कि वाशिंगटन इस्राइल और अमेरिका द्वारा भविष्य में आक्रामक कृत्यों को रोकने के लिए गारंटी नहीं देता है।

भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने अमेरिका के साथ फिर से वार्ता शुरू करने के लिए तेहरान की शर्तों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां तक अमेरिका के साथ वार्ता का सवाल है, ईरान पर अवैध हमले करने में उनके कूटनीतिक विश्वासघात और जायोनी शासन के साथ मिलीभगत को देखते हुए किसी भी वार्ता का तब तक कोई अर्थ नहीं है, जब तक कि वे भविष्य के लिए अमेरिका और इस्राइल द्वारा इस तरह के आक्रामक कृत्यों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए विश्वसनीय गारंटी नहीं देते हैं।

इलाही ने कहा कि इस्राइल के पास परमाणु हथियार हैं और उसने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, उसने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के बहाने हमारे देश पर हमला किया। उन्होंने आगे अमेरिका पर भी हमला किया। भारत में ईरानी राजदूत ने कहा कि अमेरिकी हमलों का कोई कानूनी औचित्य नहीं था। उन्होंने इसे आक्रामकता का अपराध बताया। इसके अलावा, उन्होंने यह भी दावा किया कि ऑपरेशन में साइबर और आतंकवादी तत्व शामिल थे। इलाही ने कहा कि इस्राइली और अमेरिकी हमले संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2, पैराग्राफ 4, परमाणु

अप्रसार व्यवस्था, आईएईए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के प्रस्तावों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2231 का घोर उल्लंघन है।

राजदूत ने अमेरिका और इस्राइल पर कूटनीति को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मिलीभगत के बाद इस्राइल ने हमले ठीक तब किए जब ईरान-अमेरिका के बीच छठे दौर की वार्ता को सिर्फ दो दिन बचे थे। यह कूटनीति के साथ विश्वासघात था। साथ ही इन हमलों ने दिखा दिया कि वार्ता के लिए अमेरिका बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। इस दौरान इस्राइल के आरोपों को लेकर कि इस्राइल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, पर कहा कि यह दावा पूरी तरह से निराधार है। अंतरराष्ट्रीय कानून में इसका कोई आधार नहीं है। ईरान ने अपने इतिहास में कभी किसी देश पर हमला नहीं किया है। भले ही हम इस्राइल को मान्यता नहीं देते हैं और इसे एक कब्जा करने वाले शासन के रूप में देखते हैं।

परमाणु मुद्दे पर ईरानी राजदूत ने कहा कि ईरान का कार्यक्रम शांतिपूर्ण बना हुआ है। आईएईए की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की परमाणु गतिविधियां शस्त्रीकरण का उद्देश्य नहीं दिखाती हैं। ऐसे में शांतिपूर्ण सुविधाओं पर हमला करने के लिए इजरायल और अमेरिका द्वारा दिया गया औचित्य अवैध और अतार्किक दोनों है।

हाल ही में अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इन हमलों का मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका देना था। हालांकि, अमेरिकी रक्षा एजेंसियों की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का मेटल कन्वर्जन प्लांट जरूर तबाह हुआ है, लेकिन बाकी ढांचे को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका।

ईरान में 935 लोग मारे गए : इस्राइल के साथ हाल में करीब दो हफ्तों तक चले संघर्ष में 900 से ज्यादा नागरिकों की मौत हो गई थी। इनमें सौ से ज्यादा महिलाएं भी शामिल थीं। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि मारे गए 935 लोगों में से 38 बच्चे और 132 महिलाएं थीं।

मेयर ने गुलाब नगर नाले का निरीक्षण कर पोकलेन से कराया साफ, लोगों ने जताया आभार

यमुनानगर। मेयर सुमन बहमनी ने बुधवार रात चांदपुर फ्लाईओवर के नीचे गुलाब नगर नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेयर ने पोकलेन के माध्यम से नाले की सफाई करवाई। नाले की सफाई होने से क्षेत्र से गंदे पानी की निकासी हुई। मेयर द्वारा रात के समय कराए इस कार्य से क्षेत्रवासियों में खुशी नजर आई। लोगों ने मेयर सुमन बहमनी का आभार जताया। इस दौरान मेयर ने लोगों की समस्याएं सुनी और उनका तुरंत समाधान कराने का आश्वासन दिया। बुधवार रात करीब आठ बजे गुलाब नगर से निकल रहे बड़े नाले से सही तरीके से पानी का बहाव नहीं हो रहा था। कॉलोनी के लोगों ने इस बारे मेयर सुमन बहमनी को फोन पर सूचना दी। जिसके बाद मेयर सुमन बहमनी, मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन, वार्ड 16 के पार्षद संदीप धीमान व वार्ड 17 के पार्षद दीक्षित धीमान के साथ रात को ही मौके पर पहुंची। उन्होंने नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाले में जहां गंदगी नजर आई, उसकी मुख्य सफाई निरीक्षक के माध्यम से पोकलेन बुलाकर सफाई कराई गई। नाले की सफाई होने से पानी निकासी की समस्या खत्म हुई। जिस पर लोगों ने मेयर का मौके पर ही आभार जताया। मेयर सुमन बहमनी ने लोगों को समझाया कि नाले में पॉलिथीन, कपड़े, बैग, बोरी व अन्य ठोस सामान न फेंके। यह सामान नाले में फंस जाता है। जिससे नाले से पानी की निकासी नहीं हो पाती। मेयर सुमन बहमनी ने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र के नालों का निरीक्षण करें। जहां नालों में गंदगी जमा है, उसे तुरंत साफ कराए। ताकि जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। इस दौरान मेयर ने लोगों की समस्या सुनी और उनका निवारण करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मेयर बहमनी ने शहरवासियों से अपील की कि यह शहर हम सबका है, इसकी स्वच्छता, सुंदरता व सफाई व्यवस्था बनाना हमारे हाथ में है। शहर सुंदर व स्वच्छ बने, इसके लिए सभी सहयोग करें। खुले में व नालों में गंदगी न डाले। कचरा केवल डोर टू डोर घर आने वाले निगम के वाहन को ही दें।

पिमसिप परियोजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की अतिरिक्त आयुक्त द्वारा समीक्षा

अमृतसर। आज नगर निगम कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख के दिशा-निर्देशों के अनुसार, पंजाब म्युनिसिपल सर्विसेज़ इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (क्कढ्ढस्ढ्डक्क) की समीक्षा के लिए अतिरिक्त आयुक्त सुरिंदर सिंह द्वारा एक बैठक की गई। यह परियोजना विश्व बैंक और एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (ञ्ढ्ढढ्ढक्च) के सहयोग से नगर निगम अमृतसर द्वारा चलाई जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत अमृतसर बल्क वाटर सप्लाई स्कीम पर कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत भविष्य में अपर बारी दोआब नहर का पानी साफ करके घर-घर पहुँचाया जाएगा। बैठक के दौरान अतिरिक्त आयुक्त को इस परियोजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट दी गई। इस बैठक में प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह सैनी, एस.ई. प्रोजेक्ट जतिन वासुदेव, नरिंदर पाल सिंह, सीनियर कंस्ट्रक्शन मैनेजर अश्वनी शर्मा, शिव कुमार सोनी, रंजीत सिंह, एस.डी.ओ जतिंदर वासल, सी.एफ.ओ विश्वजीत, मनमीत सिंह, मोनिका और एलएंडटी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर राहुल पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अतिरिक्त आयुक्त सुरिंदर सिंह ने बताया कि पंजाब म्युनिसिपल सर्विसेज़ इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत सभी विकास कार्य तेज़ी से पूरे किए जा रहे हैं। इसके अलावा एलएंडटी कंपनी को यह निर्देश दिए गए हैं कि वह कार्य को समय पर पूरा करने के लिए मज़दूरों की संख्या बढ़ाए और आवश्यक संसाधनों में वृद्धि करे। साथ ही, जहां-जहां पाइपलाइन डालने के लिए सड़कें तोड़ी गई हैं, उनकी मरम्मत का कार्य भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस परियोजना के तहत नगर निगम की सेवाओं को डिजिटाइज किया जा रहा है ताकि शहरवासियों को सुविधाएं आसानी से और समय पर मिल सकें। उन्होंने यह भी बताया कि निगम के रिकॉर्ड को डिजिटल करने के लिए निकाले गए टेंडर में 8 कंपनियों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनका मूल्यांकन अंतिम चरण में है।

यूपी में बड़े पैमाने पर मंदिरों का जीर्णोद्धार कराएगी योगी सरकार

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 5 जुलाई। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए मंदिरों के बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और पर्यटन विकास की एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इस योजना के तहत भृगु और दुर्वासा ऋषि के आश्रमों सहित

जैन मंदिर का कायाकल्प किया जाएगा। विशेष रूप से पूर्वांचल के मंदिरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पर्यटन विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसमें बलिया में भृगु आश्रम स्थित चित्रगुप्त मंदिर का सौंदर्यीकरण, तेंदुआ पट्टी फरसातर मौजा होलपुर में हनुमान मंदिर परिसर का पर्यटन विकास, बसंतपुर गांव में उदासीन मठ का विकास, अजमगढ़ के महाराजगंज में भैरोबाबा स्थल का पर्यटन विकास, फूलपुर पवई में दुर्वासा ऋषि आश्रम का विकास, मऊ के दुआरी गांव में श्री वीरा बाबा ब्रह्म स्थान का पर्यटन विकास, अजमगढ़ के मिश्रापुर में राम जानकी मंदिर का विकास, कन्नौज के सदर में फूलमती देवी मंदिर का सौंदर्यीकरण होगा इसके साथ ही अजमगढ़ के धन्नीपुर, सिंगपुर बांसगांव में स्वर्गीय संत परमहंस बाबा के स्थल का भी पर्यटन विकास इस योजना में शामिल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अयोध्या, काशी, और मथुरा जैसे प्रमुख धार्मिक केंद्रों के साथ-साथ राज्य के अन्य प्राचीन मंदिरों और तीर्थ स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं। 2024 में 65 करोड़ पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थलों का दौरा किया, जो इन पहलों की सफलता को दर्शाता है। इसके साथ ही योगी सरकार की होमस्टे नीति-2025, जिसमें धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर स्थानीय लोगों को अपने घरों को होमस्टे में बदलने के लिए प्रोत्साहन और सब्सिडी दी जा रही है, ने पर्यटकों के लिए ठहरने की सुविधाओं को बेहतर बनाया है। इसके अलावा, पुराने मंदिरों और तीर्थ स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए नई नीति और पुजारियों के कल्याण के लिए विशेष बोर्ड के गठन की योजना भी सराहनीय है। योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण को सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। इन प्रयासों से न केवल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित किया जा रहा है, बल्कि स्थानीय रोजगार, व्यापार और पर्यटन सेवा उद्योग को भी बढ़ावा मिल रहा है। यह पहल उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भृगु और दुर्वासा ऋषि के आश्रमों से लेकर जैन मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों के कायाकल्प से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और राज्य की सांस्कृतिक धरोहर विश्व पटल पर चमकेगी।

सीएम धामी ने खटीमा में की धान रोपाई, किसानों के श्रम को किया नमन

कौमी पत्रिका

देहरादून। खटीमा के नगरा तराई क्षेत्र में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को अपने खेत में धान की रोपाई कर किसानों के परिश्रम, त्याग और समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि खेतों में उतरकर पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता न केवल हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति और परंपराओं के संवाहक भी हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत हुड़किया बौल के माध्यम से भूमि के देवता भूमियां, जल के देवता इंद्र और छाया के देवता मेघ की वंदना भी की। मुख्यमंत्री के इस सांस्कृतिक जुड़ाव और कृषकों के साथ आत्मीय सहभाग ने क्षेत्रीय जनता को गहरे स्तर पर प्रेरित किया। मुख्यमंत्री धामी की यह पहल उत्तराखंड की ग्रामीण संस्कृति, कृषकों की अहमियत और पारंपरिक लोककलाओं के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने अधिकारी पर की कार्रवाई

चंडीगढ़। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने विवाह पंजीकरण में अनावश्यक देरी के कारण चरखी दादरी निवासी शिकायतकर्ता को 5 हजार रुपए का मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता द्वारा विवाह पंजीकरण के लिए 17 दिसंबर 2024 को आवेदन किया गया था, जिसे 18 दिसंबर 2024 को स्वीकृति के लिए चिह्नित किया गया। लेकिन प्रमाण पत्र 10 मार्च 2025 को जारी किया गया, जो स्पष्ट करता है कि आवेदन न तो अस्वीकृत किया गया और न ही लौटाया गया, बल्कि बिना किसी उचित कारण के लंबी अवधि तक लंबित रखा गया। तहसीलदार द्वारा देरी का कारण फोटो में त्रुटि बताया गया, किंतु अंतिम प्रमाण पत्र में भी वही फोटो मौजूद है, जिससे यह तर्क असंगत सिद्ध होता है। इसके अतिरिक्त, अधिकारी ने ऑनलाइन प्रणाली से अपरिचित होने का हवाला दिया, जिसे आयोग ने अस्वीकार्य माना। आयोग ने पाया कि नामित अधिकारी की लापरवाही से शिकायतकर्ता को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ी। अतः आयोग ने हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 की धारा 17(1)(ह) के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपए का मुआवजा शिकायतकर्ता को प्रदान करने का आदेश दिया है। उपायुक्त, चरखी दादरी को निर्देश दिए गए हैं कि वे तहसीलदार एवं नामित अधिकारी के जुलाई 2025 के वेतन से 5 हजार रुपए की कटौती कर अगस्त 2025 में शिकायतकर्ता को मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित करें तथा चालान इत्यादि की प्रति के साथ आयोग को ईमेल पर अनुपालन रिपोर्ट भेजें।

सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को दी जाएगी मुफ्त कोचिंग-शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 2 जुलाई। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में और अधिक सुधार लाना व विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। इसी कड़ी में सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग दी जाएगी, ताकि वे आईआईटी, एनडीए व अन्य परीक्षाओं में सफल हो सकें। इसको लेकर शिक्षा विभाग द्वारा पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत पहले कुछ ब्लाकों में सरकारी स्कूलों के बेहतरीन शिक्षकों द्वारा स्कूल टाइम के बाद मेधावी विद्यार्थियों को कोचिंग दी जाएगी। ये प्रोजेक्ट सफल रहा तो इसे प्रदेश भर में लागू किया जाएगा। शिक्षा मंत्री आज पंचकूला स्थित शिक्षा सदन में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर सरकारी स्कूलों में अभिभावकों-शिक्षकों की बैठक करने की योजना है। ताकि अभिभावकों को अपने बच्चों के शिक्षा के स्तर की जानकारी हो और वे बच्चों की शिक्षा में और गुणवत्ता लाने में सहयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों का विश्व भर में खेलों में डंका बजा हुआ है। हमारे खिलाड़ी ही ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स व कामनवेल्थ खेलों में सबसे ज्यादा पदक जीत रहे हैं। खिलाड़ियों की स्कूल टाइम से ही खेल की नींव मजबूत होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में न सिर्फ खिलाड़ियों को अच्छी ट्रेनिंग दी जाएगी, बल्कि खेलों का ज्यादा से ज्यादा सामान भी मुहैया करवाया जाएगा। जो खेल का सामान स्कूलों को पहले दिया गया है, शिक्षक उसे खिलाड़ियों को अभ्यास करने के लिए दें। वे इसकी स्वयं समय-समय पर समीक्षा भी करेंगे। लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है। हरियाणा प्रदेश भी हिंदी भाषी है। शिक्षा विभाग के कार्यालयों में हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाए। इसमें कोई कोताही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बड़े ही गर्व की बात है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को दिए जाने वाले मिड-डे मिल की योजना में हरियाणा देश में प्रथम स्थान पर है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की सेहत पर भी ध्यान दिया जा रहा है और उन्हें पौष्टिक आहार दिया जा रहा है।

स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों ने किया नई और पुरानी संसद का भ्रमण

कौमी पत्रिका

चंडीगढ। देश भर से आए नगर पालिका, नगर परिषद के पार्षद और अध्यक्षों के 30 से अधिक प्रतिनिधियों ने आज नई दिल्ली में पुरानी और नई संसद का भ्रमण किया और म्यूजियम भी देखा। इस अवसर पर उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से सीधा संवाद किया और उनके विचार सुने। अधिकाश प्रतिनिधियों ने गुरुग्राम में हुए दो दिवसीय सम्मेलन जैसे सम्मलेन बार-बार करने और सबसे बड़ी पंचायत को देखने का अवसर दिलाने का भी अनुरोध किया। देश में पहली बार ऐसा नगरीय सम्मेलन करवाने पर उन्होंने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष का भी विशेष रूप से आभार जताया और सम्मेलन में ग्रहण किए गए अनुभव साझा किए। कई पदाधिकारियों ने नगरीय परिषदों में भी अध्यक्ष की तर्ज पर पद बनाने और अलग से बजट जारी करने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने उक्त प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे यहां से अपने क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद करने और उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प लेकर जाएं। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण एवं उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा भी मौजूद रहे। लोक सभा अध्यक्ष ने सभी प्रतिनिधियों का ऐतिहासिक संविधान सदन में पहुंचने पर आभार जताते हुए कहा कि यह सदन आजादी के स्वतन्त्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के बलिदान से हस्तांतरण हुआ। इसके बाद बाबा साहेब के नेतृत्व में विश्व के सबसे ब?े लोकतंत्र का संविधान बनाने की प्रक्रिया का भी यह सदन साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि यह सदन देश को आगे बढाने और संविधान में मिले अधिकारों और दायित्वों को निभाने का भी साक्षी बना है। उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण के साथ-साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप देने की प्रेरणा भी क्रांतिकारियों से ही मिली है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश भर के नगरीय प्रतिनिधियों का यह सम्मेलन स्थानीय शासन को और अधिक बल देगा। लोकतंत्र की सबसे मजबूत क?ी शहरी निकाय के प्रहरी होते हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे इस सम्मेलन से नई प्रेरणा और ऊर्जा लेकर जाएंगे। इसके साथ ही सम्मेलन में लिया गया अनुभव, प्रशिक्षण, नवाचार, विचार और किया गया मंथन, अनुभव का लाभ अपने क्षेत्र की जनता को देंगे। सभी प्रतिनिधियों ने दो दिवसीय सम्मेलन को लेकर हरियाणा सरकार की मेजबानी की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने देश के पहले राष्ट्रीय निकाय सम्मेलन को लेकर कसी कमर, दिए दिशा निर्देश

चंडीगढ़ 2 जुलाई। देश के पहले राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन की तैयारियों के अंतिम रूप को लेकर बुधवार को हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने मानेसर स्थित आईकैट में अधिकारियों को दिशा निर्देश देकर राष्ट्रीय सम्मेलन को यादगार बनाने की बात कही । इस अवसर पर श्री कल्याण ने कहा कि विधायिका केवल कानून बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। स्थानीय निकायों को और ज्यादा उत्तरदायी बनाने से लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होंगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि वे सम्मेलन की तैयारियों को सिर्फ तकनीकी या व्यवस्थागत पहलू न मानें, बल्कि इस आयोजन की लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय महत्वता को समझें। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि यह सम्मेलन देशभर की विधायी संस्थाओं, नगर निकायों और प्रशासनिक इकाइयों के बीच संवाद, समन्वय और सहयोग को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल नीति पर चर्चा करना नहीं, बल्कि लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक ले जाकर उसमें जन-भागीदारी सुनिश्चित करना है। यह तभी संभव है जब विधायिका जागरूक और सक्रिय हो। विधान सभा अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों के साथ हर पहलू का निरीक्षण कर राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन की पूर्व संध्या पर अधिकारियों से कहा कि आंगुतकों की मेहमानवाजी इतनी शानदार होनी चाहिए कि उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मेलन बरसों तक याद रहे। राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन में आने वाले मेहमानों को पूरा सत्कार हो और वे बेहतरीन लम्हें अपने साथ संजो कर जाएं । ये हम सबका दायित्व है । दो दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में अलग-अलग विषयों पर शहरी विकास की रूपरेखा पर व्यापक चर्चा होगी। गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईकैट में दो दिवसीय 3 व 4 जुलाई को होने वाले देश के पहले राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन में देश भर के विभिन्न राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों से 500 से अधिक डेलीगेटस भाग ले रहे हैं । लोकसभा व हरियाणा विधान सभा के संयुक्त प्रयासों से हो रहे इस राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला होंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी । हरियाणा के राज्यपाल माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय, राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह भी राष्ट्रीय सम्मेलन की शोभा बढ़ाएंगे । इस राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन की मेजबानी हरियाणा विधान सभा कर रही है देश में पहली बार होने वाले इस राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन की खूबसूरत बात यह है कि इस सम्मेलन में देश की छोटी विधायी संस्थाओं को सीखने समझने व जानने का बडा मौका मिलेगा । राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन को लेकर उत्साह देखते ही बनता है । इस संदर्भ में डीसी श्री अजय कुमार ने बताया कि सत्र के पहले दिन के कार्यक्रम में देश के प्रमुख नगरों भुवनेश्वर, कोयंबटूर, इन्दौर, पुणे, सूरत और विशाखापटनम के कलाकार शानदार प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा संबंधित प्रदेशों द्वारा शहरी निकाय में किए गए उल्लेखनीय कार्यों पर भी चर्चा की जाएगी।

जन जागरूकता और जन भागीदारी से दो साल में लखनऊ नगर निगम बना देशभर में अव्वल

कौमी पत्रिका

चंडीगढ। लखनऊ, पुणे और इंदौर नगर निगम का नाम सर्वोत्तम शहरी निकायों की सूची में शामिल है। मानेसर में आयोजित प्रथम शहरी निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में इन निकायों के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने अन्य राज्यों के साथ सर्वोत्तम अभ्यास (बेस्ट प्रेक्टिस) साझा किए। इसमें लखनऊ ने डीजल पट्रोल की जगह कूड़ा एकत्रित करने के लिए ई-व्हीकल का उपयोग, विस्तृत क्षमता के कूड़ा निस्तारण प्लांट, डंपिंग प्वाईंट को राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल में परिवर्तित करने जैसी पहल साझा की। पुणे ने वेस्ट मैनेजमेंट कलेक्शन, वार्ड वाइज लगाए गए बायोगैस सेंटर से इलेक्ट्रिसिटी उत्पादन, इंदौर ने कूड़ा कलेक्शन गाडि?ों के जीपीएस सिस्टम, सफाई मित्र और स्वच्छता में जनभागीदारी के उदाहरण साझा किए। लखनऊ महापौर सुषमा खरकवाल ने बताया कि 2047 के विकसित भारत की नींव मजबूत और सुदृढ शहरी निकाय पर आधारित है इसमें नागरिक जागरूकता और सहभागिता के साथ सक्षम प्रतिनिधियों का मुख्य स्थान है। उन्होंने कहा कि लगभग 50 लाख की आबादी के बावजूद लखनऊ जीरो वेस्ट शहर बनकर उभरा है। यहां मियावाकी तकनीक से सिटी फॉरेस्ट बनाए गए है। सडक़ों की सफाई के लिए मैकेनिकल स्वीपर उतारे गए है। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मैंगों म्यूजियम पार्क जैसे नेचर ट्रेल विकसित किए जा रहे है। कुरेत नदी के किनारे 20 हजार से अधिक पेड़ लगाकर एक पेड़ मां के नाम राष्ट्रीय मुहिम में योगदान दिया है। पुणे में 2007 से अपनाई जा रही वेस्ट मैनेजमेंट रणनीति से स्थानीय लोगों की रोजमर्रा जिंदगी में लाभदायक परिणाम देखने को मिल रहे है। पुणे नगर निगम कमिश्नर पुनीत राज और वार्ड पार्षदों ने यहां के वेस्ट मैनेजमेंट कलेक्शन और वार्ड वाइज लगाए गए बायोगैस सेंटर से इलेक्ट्रिसिटी उत्पादन के उदाहरण मंच पर रखे। इसी के साथ वार्ड सभा में जरूरी संशोधन के बाद स्लम को घर में तब्दील करने के सफल उदाहरण गिनवाएं। इसी तरह लाइट हाउस मॉडल पीपीपी के जरिए सफल बनाने की इबारत भी इस मंच पर साझा की। सतत विकास का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए पुणे में शुरू की गई ट्री-एम्बुलेंस और कॉल सेंटर के अलावा स्मार्ट वॉटर मीटर और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए कॉपरेटिव के तहत अपनाई स्वच्छ पहल सभी के साथ साझा की। इसी तरह 26 ट्रिपल आर सेंटर बनाए गए है। यहां अनुपयोगी वस्तुओं को जरूरतमंद लोगों के लिए रखा जाता है। इसी तरह सिबरी और गहला नामक स्थान पर बीते 20 सालों में एकत्रित कूड़े के पहाड़ को मात्र दो साल में जनभागीदारी जागरूकता और कूड़ा निस्तारण की सही कार्यशैली से निस्तारित किया गया है। कूड़ा डंपिंग प्वाइंट को टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने का प्रयास राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के रूप में उभरा है। यहां राष्ट्रीय जनप्रतिनिधियों की मूर्तियां लगाई गई है। उन्होंने बताया कि निगम और प्रशासनिक सहयोग से शहर की सूरत बदली है। दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र में इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव व आयुक्त शिवम वर्मा की टीम ने शहर के स्वच्छता में नंबर एक का खिताब बरकरार रखने का मूल मंत्र देशभर से आए नगर निकायों के सदस्यों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि 85 वार्डों के शहर इंदौर में हर व्यक्ति सफाई के प्रति जागरूक है। सभी लोग अपने घरों की सफाई की तरह अपने मोहल्लों, गली और आस-पास के क्षेत्र में भी सफाई व्यवस्था की पूरी तरह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। शहर की पूरी सफाई की जिम्मेदारी का दायित्व सफाई मित्र बखूबी रूप से निभा रहे हैं। भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को मूर्त रूप देने के लिए हर दिन सुबह 6 बजे से सफाई मित्र अपने दायित्व को निर्वहन करने में लग जाते हैं। वहीं स्थानीय प्रशासन की ओर से स्वच्छता कार्य की पूर्ण रूप से मॉनिटरिंग भी की जाती है। प्रत्येक गाड़ी में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है। कोई भी कचरा गाड़ी 10 मिनट भी लेट होने पर संबंधित ड्राइवर से जवाब-तलब किया जाता है। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ रखने के लिए प्रशासन की ओर से सख्ती की जाती है, जिसके परिणाम स्वरूप मात्र एक वर्ष में नियमों की अवहेलना करने वालों पर डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अब इंदौर शहर क्लीन सिटी के साथ-साथ ग्रीन और डिजिटल सिटी बनने की ओर अग्रसर है। इंदौर शहर के नाम एक दिन में 12 लाख 40 हजार पौधे रोपित करने का रिकॉर्ड गिनीज बुक में दर्ज है और यह सभी पौधे आज भी हरे-भरे हैं और शहर के पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। शहर के डिजिटलाइजेशन के लिए यूनिक आईडी नंबर और क्यू आर कोड घरों पर लगाए जा रहे है, आमजन क्यू आर कोड स्कैन कर जानकारी प्राप्त कर सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। शहर में जाम की स्थिति से निपटने के लिए वालंटियर लोगों को जागरूकता का संदेश दे रहे हैं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **मोहम्मद शोजाब पुत्रः** मोहम्मद मुजाहिद **पताः** मकान नंबर 510 गली नंबर-2 आमना मस्जिद के पास रूप नगर लोनी, गाजियाबाद उ.प्र. ने **FIR No. 346/2018, U/s 380/411/34 थानाः जाफराबाद दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद शोजाब,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ललित मोहम्मद शोजाब,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 346/2018, U/s 380/411/34 थानाः जाफराबाद दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद शोजाब,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आयुषी सक्सेना
एल.डी. जेएमएफसी-05, कमरा नंबर 7
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8820/NE/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजय उर्फ संदीप, पुत्र श्री जीवन निवासी खसरा नंबर 41, मंदिर वाली गली, डिफेंस कॉलोनी, भोपुरो चौक के पास, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 05/2014 भा.द.सं. की धारा 420 के तहत, थाना मानसरोवर पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **संजय उर्फ संदीप** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **संजय उर्फ संदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 05/2014 भा.द.सं. की धारा 420 के तहत, थाना मानसरोवर पार्क, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **संजय उर्फ संदीप** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.09.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-06, कमरा नं.25, प्रथम तल
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8305/SHD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गणेश पुत्र राजेन्द्र शाह निवासी मकान नं. 82, खसरा नं. 383, अशोक विहार, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने केस **एफआईआर नं. 142/2016 अन्तर्गत धारा 288/338/34 आईपीसी थाना रूप नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गणेश** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गणेश** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 142/2016 अन्तर्गत धारा 288/338/34 आईपीसी थाना रूप नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गणेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
हिमांशी त्यागी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-13
(केन्द्रीय), कमरा नं. 33, भूतल
तीस हजारी न्यायालय, नई दिल्ली

DP/8797/N/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इमरान पुत्र** मोहम्मद इसरार, **निवासी** मकान नं. 358, अपरकोट मुख्य बाजार-2, खारी खान, देहात, लोनी, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 4/19, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन करोल बाग, सेंट्रल जिला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 4/19, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन करोल बाग, सेंट्रल जिला, नई दिल्ली,**के उक्त अभियुक्त **इमरान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.08.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शिप्रा धनखड़
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट-01
(सेंट्रल जिला), कमरा नं.-180,
प्रथम तल, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8588/CD/2025
(Court Matter)

70 मीटर तक ट्यूबवेल कनेक्शन शिफ्टिंग पर नहीं देना होगा शुल्क

चंडीगढ़। किसानों को अब नलकूप कनेक्शन शिफ्टिंग पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। इस बाबत उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। हालांकि यह राहत एक स्थान से दूसरे स्थान पर 70 मीटर तक ही ट्यूबवेल कनेक्शन शिफ्ट कराने वाले किसानों को दी जाएगी, जिन्हें यूएचबीवीएन को कोई शुल्क नहीं देना होगा।यूएचबीवीएन के चीफ इंजीनियर कमर्शियल की ओर से सभी एसई, एक्सईएन और एसडीओ को निर्देश जारी किए गए हैं कि किसान के ट्यूबवेल कनेक्शन को उसके मूल स्थान से 70 मीटर की दूरी के भीतर स्थानांतरित करने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। बशर्ते कि नया स्थान उसी किसान या उपभोक्ता के स्वामित्व में हो। इस लागत का दावा लाइसेंसधारी द्वारा वार्षिक राजस्व आवश्यकता के माध्यम से किया जाएगा। यूएचबीवीएन की ओर से जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि एक स्थान से दूसरे स्थान पर ट्यूबवेल कनेक्शन की अनुमति केवल उन्हीं किसानों या फिर कुछ निर्देशित कारणों के चलते दी जाएगी, इनमें सबमर्सिबल बोर खराब होना, पानी की लवणता, सरकार द्वारा अधिग्रहित की गई भूमि आदि शामिल हैं।

औद्योगिक नीति के तहत जिले में उद्योग हों स्थापित: डीसी

झज्जर। जिले में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्लीयरेंस कमेटी (डीएलसीसी) की बैठक हुई। हुई बैठक में निवेशकों के विभिन्न औद्योगिक और व्यावसायिक परियोजना प्रस्तावों पर उदारता के साथ विचार-विमर्श किया गया। डीसी ने कहा हरियाणा सरकार ने प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्यमी फ्रेंडली इज ऑफ डूइंग बिजनेस की नीति बनाकर लागू की है। जिला प्रशासन सरकार की नीति के तहत जिले में उद्योगों की स्थापना के लिए उद्यमियों को हर संभव सहयोग देने को तैयार है। डीसी पाटिल ने कहा कि औद्योगिक निवेश से युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होते है वहीं विकास के लिए राज्य को धन प्राप्त होता है। झज्जर जिला देश की राजधानी से सटा हुआ है इसलिए यहां पर औद्योगिक निवेश की स्वाभाविक रूप से संभावनाएं ज्यादा हैं। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई व औद्योगिक नीति के तहत तय मानदंडों के अनुरूप एजेडों को मंजूरी दी गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों द्वारा संबंधित प्रक्रियाएं पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए, ताकि जिले में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित हों और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें।

एनीमिया उन्मूलन के लिए 31 जुलाई तक जिलाभर में चलेगा अभियान: एडीसी

सिरसा। एनीमिया मुक्त भारत के तहत एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर लघुसचिवालय में अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान जिला में 31 जुलाई तक चलने वाले एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में एडीसी वीरेंद्र सहरावत ने कहा कि इस अभियान में सभी विभागों को तालमेल के साथ काम करना होगा और जागरूकता कार्यक्रम भी चलाना होगा। अभियान के तहत 6 आयु वर्ग 6-59 महीने के बच्चे, 5-9 साल के बच्चे, 10-19 साल के किशोर- किशोरी, महिलाएं, गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को शामिल किया गया है। सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र भादू ने बताया कि पर्याप्त मात्रा में पानी और फलों का सेवन करना भी आयरन की कमी से बचने में मदद कर सकता है। उन्होंने बताया कि किसी को आयरन की कमी से संबंधित समस्याएं है तो उन्हें तुरंत चिकित्सा सलाह लेनी चाहिए। वहीं उप सिविल सर्जन (एनएचएम) डॉ. राजेश चौधरी ने अधिकारियों से अपील की कि इस कार्यक्रम में सभी अधिकारी स्वास्थ्य विभाग का पूरा सहयोग दें, ताकि एनीमिया को जड़ से खत्म किया जा सके। एनीमिया मुक्त भारत की नोडल अधिकारी डॉ. आशा जिंदल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने एनीमिया मुक्त हरियाणा की शुरूआत की है जिसमें विभिन्न आयु समूह में एनीमिया की रोकथाम और उपचार पर ध्यान दिया जाएगा।

जन्मदिन मनाकर लौट रहे तीन दोस्तों की हादसे में मौत

सोनीपत। सोनीपत में रात नेशनल हाईवे-44 पर एक भीषण सड़क हादसे में जन्मदिन मनाकर लौट रहे चार दोस्तों की स्कॉर्पियो ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद वाहन में आग लग गई, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और एक युवक की हालत गंभीर है। यह हादसा सेक्टर-7 फ्लाईओवर के पास हुआ। चारों युवक उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के बिनौली क्षेत्र से मुरथल के प्रसिद्ध ढाबे पर पराठे खाने व जन्मदिन मनाने आए थे। लौटते समय स्कॉर्पियो बेकाबू होकर डिवाइडर पार करते हुए दिल्ली से पानीपत जा रहे ट्रक के कैबिन से भिड़ गई। टक्कर के बाद वाहन में आग लग गई। हादसे में प्रिंस धामा (28), सचिन तोमर (25) और आदित्य उर्फ शेखर (25) की मौत हो गई, जबकि विशाल नामक युवक गंभीर रूप से घायल है। वह निजी अस्पताल में भर्ती है। दुर्घटना में ट्रक चालक को भी चोटें आई हैं। हादसे की सूचना मिलते ही बहालगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाई गई। तीनों शवों को नागरिक अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

वेस्ट टू वेल्थ की नीति पर कार्य करते हुए तकनीक से बदलें शहरों की तस्वीर: राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

स्वच्छ भारत अभियान में समाज को व्यापक जन-जागरण के माध्यम से जोड़ें

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देशभर के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्ष और प्रतिनिधि कचरा प्रबंधन में उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए वेस्ट टू वेल्थ की नीति को अपनाएं। इससे न केवल स्वच्छता अभियान को नई दिशा मिलेगी, बल्कि शहरी स्थानीय निकायों के आर्थिक संसाधनों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। राज्यपाल मानेसर में शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि देशभर से आए प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में न केवल विचार-विमर्श किया, बल्कि शहरी विकास से जुड़ी सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को भी आपस में साझा किया। इसके साथ ही शहरी निकायों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक और उपयोगी चर्चा हुई, जो भविष्य की नीति निर्माण में मार्गदर्शक साबित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की, जिससे देशवासियों के मन में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच और जागरूकता आई है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे इस अभियान में समाज को व्यापक जन-जागरण के माध्यम से जोड़ें, ताकि शहरों को और स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। जितने अधिक लोग इस अभियान से जुड़ेंगे, उतने ही अधिक हमारे शहर खूबसूरत और स्वस्थ होंगे। विशेष रूप से, स्वच्छ भारत अभियान में स्लम इलाकों पर विशेष ध्यान देते हुए जन भागीदारी की जाये। साथ ही, उन्होंने निकायों में डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को तेजी से लागू करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवा रही है। इसके साथ ही, शहरी स्थानीय निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि रोजगार के अवसरों को और बढ़ावा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि जो शहर किसी क्षेत्र में रोल मॉडल के रूप में स्थापित हैं, उनकी बेहतरीन प्रथाओं का आदान-प्रदान करके सभी अपने-अपने क्षेत्र में नंबर एक बनने का प्रयास करें।

पानीपत पुलिस ने खोज निकले साढ़े नौ लाख रुपए के मोबाइल

एजेंसी

पानीपत। पानीपत पुलिस ने लोगों के गुम हुए साढ़े नौ लाख रुपए कीमत के 52 मोबाइल फोन ट्रेस किए हैं। डीएसपी सतीश वत्स ने उनके मालिकों को अपने कार्यालय में बुलाकर मोबाइल उनके उनके सुपुर्द कर दिए। गुम हुए अपने मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी के भाव अलग ही नजर आ रहे थे। उप पुलिस अधीक्षक सतीश वत्स ने बताया कि गुम हुए मोबाइल की शिकायत हर समय पोर्टल व साइबर सेल में गई थी। साइबर सेल टीम ने मोबाइल ट्रेस करने की लगातार कोशिश की। वारसान को भी पूरी उम्मीद थी कि पुलिस की साइबर सेल टीम उनके गुम हुए मोबाइल को जरूर खोज निकालेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेस कर बरामद किए 52 मोबाइल अलग-अलग कंपनी के थे। इसमें 8 हजार से लेकर 33 हजार रूपये कीमत तक के मोबाईल फोन शामिल थे। सभी मोबाइल कि कीमत जोड़ी जाए तो करीब साढे नौ रूपए बनती है। उप पुलिस अधीक्षक सतीश वत्स ने पुलिस सभागार में इनके मालिकों को बुलाकर मोबाइल सौंपे। अपने गुम हुए मोबाइल फोन को पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी छा गई और सभी ने पानीपत पुलिस का आभार व्यक्त किया

दूसरे नगर निकायों की बेस्ट प्रेक्टिस को अपने क्षेत्र में भी लागू करें: मनोहर लाल

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कैपिसिटी बिल्डिंग में इस तरह के सम्मेलन का अहम योगदान रहता है। यह पहला मौका है जब इतने बड़े स्तर पर शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। इस तरह के आयोजन निरंतर देशभर में आयोजित होने चाहिए। इसके लिए ऑनलाइन माध्यमों का भी सहारा लेना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें और अपने शहरों का स्वरूप बदल सकें। यह बात उन्होंने आईएमटी मानेसर में शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही।

उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं की तरह शहरी स्थानीय निकायों में भी हाउस के सेशन होने चाहिए, जिसे कोई लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की तरह चयनित कोई व्यक्ति चलाए। इससे निष्पक्ष तौर पर काम करने की कार्य पद्धति बनेगी। उन्होंने देशभर से आए जन प्रतिनिधियों को

शहरी स्थानीय निकायों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इसके साथ-साथ इस सम्मेलन में जिन नगर निकायों द्वारा अपने बेहतरीन कार्यों को बेस्ट प्रैक्टिसिस में दिखाया है, उन्हें अपने यहां भी लागू करें और शहरों को और बेहतर बनाएं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षित करते हुए शहरों को आगे बढ़ाना होगा। प्रगतिशील कार्य करते हुए यह ध्यान रखें कि हमें पर्यावरण को भी बचाना है। हमें ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारते हुए ई-मोबिलिटी के लिए प्लॉनिंग करनी चाहिए। वर्ष 2002 में भारत में मेट्रो की शुरूआत हुई थी, जबकि यूएसए में 150 साल पहले मेट्रो आई थी। लेकिन आज भारत के 21 शहरों में एक हजार किलोमीटर में मेट्रो चल रही है, जो यूएसए के बराबर है। इसे भविष्य में और आगे लेकर जाने की प्लानिंग है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि केंद्र सरकार के अर्बन चैलेंज फंड के माध्यम से शहरों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके तहत एक लाख करोड़ रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शहरों को और बेहतर बनाने के लिए दुनियाभर के बेहतरीन शहरों की बेस्ट प्रैक्टिसिस को लागू किया जा रहा है। पिछले दिनों स्पेन के साथ एक एमओयू किया गया है, जिससे दोनों देशों में हो रहे बेहतरीन कार्यों को आपस में सांझा किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में सरकारों, नगर निकायों को भी अपनी स्पीड बढ़ानी होगी। कार्यबल को प्रशिक्षित करना होगा और समय व साधनों का सहीं से इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि 1970 में 20 प्रतिशत शहरीकरण था, जो आज 36 प्रतिशत शहरीकरण हो चुका है। वर्ष 2047 तक यह 50 प्रतिशत हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमें स्किल पर ध्यान देना चाहिए। नगर निकायों में कर्मचारी हो या अधिकारी उन्हें आईगोट एप्लीकेशन के माध्यम से स्किल सीखने चाहिए।

अभी तक 21 राज्यों ने इसके लिए एमओयू किया है। इस एक एप्लीकेशन पर दो हजार से ज्यादा कोर्स मौजूद हैं। कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन इन्हें सीख सकता है और अपने स्किल में बढ़ोतरी कर सकता है। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरविंश, मध्यप्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कैलाश विजवर्गीय, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत, राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल पीसी मोदी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हविन्द्र कल्याण, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिढ़ा व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

पहचान पत्र साथ रखें कांवड़िए,पुलिस ने दी सलाह

झज्जर। आगामी 11 से 23 जुलाई तक चलने वाली कावड़ यात्रा को निर्बाध रूप से संपन्न करवाने के लिए पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने सभी थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों को दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी कांवरिया अपने साथ अपना पहचान पत्र अवश्य रखें और सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में बने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखें, इस दौरान कोई असामाजिक तत्व माहौल को खराब करने की कोशिश करता है तो उस पर तुरंत कार्रवाई करें। पुलिस आयुक्त राजश्री ने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए व्यापक इंतजाम किए जाएं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 जुलाई से श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लाकर पैदल अथवा वाहन के माध्यम से अपने-अपने निवास स्थान पर जलाभिषेक के लिए जाएंगे। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं के भी होने की पूरी संभावना है। इसलिए सुरक्षा के लिए महिला कर्मियों की भी तैनाती की जाए।

हरियाणा में महिला अनुबंधित कर्मचारियों को हर महीने दो आकस्मिक अवकाश

चंडीगढ। हरियाणा सरकार ने आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-2 तथा हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत महिला अनुबंधित कर्मचारियों को हर महीने दो आकस्मिक अवकाश देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया था। जिसे आज से लागू कर दिया गया है।

हरियाणा के 54 हजार पुलिसकर्मियों को मिली नए आपराधिक कानूनों की ट्रेनिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने अपने 54 हजार कर्मचारियों को नए आपराधिक कानूनों की ट्रेनिंग प्रदान कर दी है। एक जुलाई 2024 से लागू हुए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने के लिए हरियाणा पुलिस ने राज्य स्तर पर एक मिशन मोड में कार्य किया। इसमें व्यापक प्रशिक्षण, डिजिटल निगरानी प्रणाली, फॉरेंसिक क्षमताओं का उन्नयन और कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण प्रमुख केंद्र रहे। हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने एक बयान में

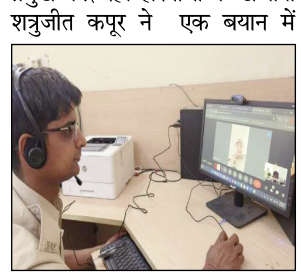

बताया कि टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग को न्याय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाकर पारदर्शिता, दक्षता और जन-केंद्रितता की नई दिशा तय की है। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस ने 54 हजार 329 पुलिसकर्मियों को नए आपराधिक कानूनों के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया है। इसके साथ ही 37 हजार 889 पुलिसकर्मियों को आई गोट कर्मयोगी प्लेटफ़ॉर्म पर जोड़ा गया है, जिससे वे स्व-अध्ययन के माध्यम से कानून की बेहतर समझ प्राप्त कर सकें। डीजीपी ने बताया कि प्रशिक्षण का प्रभाव पुलिस की कार्यप्रणाली पर देखने को मिल रहा है। अब पुलिसकर्मी मामलों की जांच अधिक संवेदनशीलता और दक्षता से कर रहे हैं।

तलाशी और जब्ती की 100 प्रतिशत रिकॉर्डिंग अब डिजिटल रूप से हो रही है, जिससे मामलों में पारदर्शिता और साक्ष्य की विश्वसनीयता में बढ़ोतरी हुई है। 91.37 प्रतिशत समन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजे जा रहे हैं, जिससे समय की बचत और प्रक्रिया में तेजी आई है। साथ ही 67.5 प्रतिशत गवाहों और शिकायतकर्ताओं के बयान ई-साक्ष्य एप पर रिकॉर्ड किए जा रहे हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया अधिक संरक्षित और भरोसेमंद बनी है। हर जिले में एक मोबाइल फॉरेंसिक वैन तैनात की गई है और बड़े जिलों में दो-दो वैन सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। राज्य सरकार ने 208 नई नियुक्तियों को मंजूरी दी है और 186 रिक्तियों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है। साइबर फॉरेंसिक के क्षेत्र में भी बड़ा निवेश हुआ है, जहां 68.70 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद को स्वीकृति दी गई है।

समाधान शिविर में मिल 9449 शिकायतें, केवल दो प्रतिशत लंबित

एजेंसी

जींद। जिले में आयोजित हो रहे समाधान शिविर अब केवल शिकायत निवारण का मंच नही बल्कि जनता और प्रशासन के बीच भरोसे की मजबूत कड़ी बनते जा रहे हैं। आमजन को राहत पहुंचाने वाले इन शिविरों की समीक्षा चंडीगढ़ से वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। अबतक जिले में कुल 9449 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनमें से लगभग 7937 मामलों का समाधान हो चुका है। केवल 160 प्रकरण शेष हैं, जिन पर संबंधित विभाग सक्रियता से कार्य कर रहे हैं।

बैठक में जींद उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने जानकारी देते हुए बताया कि उजनशिकायतों का समाधान केवल दायित्व नही बल्कि सुशासन की बुनियाद है। इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होने निर्देश देते हुए कहा कि जो शिकायतें अधिक पुरानी है, उन पर विशेष ध्यान देकर जल्द निपटाया जाए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी न हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लंबित

मामले की स्थिति रियल टाइम में अपडेट होनी चाहिए ताकि पारदर्शिता बनी रहे और आमजन को भरोसा मिल सके। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की। उपायुक्त ने यह भी कहा कि समाधान शिविर प्रशासन की जवाबदेही, संवेदनशीलता और सेवा भावना का जीवंत प्रमाण बन चुके हैं। शहरी ही नही ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग इन शिविरों में भाग ले रहे हैं। जिससे उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान हो रहा है और प्रशासन के प्रति विश्वास और गहराता जा रहा है। बैठक के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य, एसडीएम सत्यवान मान, सीईओ जिला परिषद अनिल दून, डीएमसी सुरेंद्र सिंह, सीटीएम डा. आशीष देशवाल, डीआरओ राजकुमार, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून के मौसम में मुख्यालय पर ही रहे अधिकारी: डॉ विवेक भारती

एजेंसी

नारनौल। मानसून के दौरान सभी अधिकारी अपने मुख्यालय पर ही मौजूद रहें। यह निर्देश उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने मानसून सीज़न को देखते हुए सभी सरकारी विभागों को जारी किए हैं। उन्होंने आदेश दिए हैं कि मानसून के दौरान सभी अधिकारी अपने मुख्यालय पर ही बने रहें। डॉ. भारती ने स्पष्ट किया है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही मुख्यालय छोड़ने की अनुमति ली जाए। बिना पूर्व अनुमति के कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। इस आदेश का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों से निपटना है। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे हालात में अधिकारियों का मुख्यालय पर मौजूद रहना बेहद ज़रूरी है, ताकि वे किसी भी स्थिति में तेजी से और तुरंत कार्रवाई कर लोगों को समय पर मदद मिल सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

अपने-अपने शहरों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का करें कार्य: हरविंद्र कल्याण

विस अध्यक्ष ने शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर कही यह बात

एजेंसी

गुरुग्राम। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अनूठी पहल के तहत इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन संभव हुआ है। उनकी यह सोच है कि संसद और विधानसभाओं की तरह नीचे की सभी स्थानीय संस्थाएं भी प्रभावी रूप से कार्य करें, और इसी दृष्टिकोण से यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। यह बात उन्होंने मानेसर में शहरी निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन समापन अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि देशभर से आए शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि हरियाणा की पावन धरा पर उपस्थित हुए हैं, जहां अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में जितनी अधिक चर्चा होती है, उतने ही बेहतर समाधान निकलते हैं, अधिक प्रभावी निर्णय लिए जाते हैं और लोकहित के कार्य

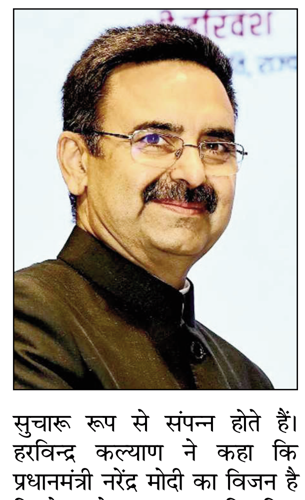

सुचारू रूप से संपन्न होते हैं। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाया जाए। यह कार्य मजबूत लोकतंत्र के बिना संभव नहीं है, और लोकतंत्र की मजबूती स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती से ही जुड़ी है। इसलिए, उन्होंने सभी अध्यक्षों और प्रतिनिधियों से अपील की कि वे आज यहाँ से संकल्प लेकर जाएं कि वे देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना अहम योगदान सुनिश्चित करेंगे और अपने-अपने शहरों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की बेहतर व्यवस्थाओं के कारण ही इस राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन संभव हो पाया है। इस अवसर पर विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण मिड्ढा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, राज्यसभा के महासचिव पीपी मोदी सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक में पहुंचे तीन सांसद

एजेंसी

जींद। डीआरडीए हाल में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा, हिसार से सांसद जय प्रकाश व सोनीपत से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी मौजूद रहे और केंद्रीय योजनाओं के विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में प्रशासन की तरफ से डीसी मोहम्मद इमरान रजा, एडीसी विवेक आर्य, सीईओ जिला परिषद अनिल दून सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक में रेलवे अंडरपास में साफ. सफाई नही होने और पानी भरने को लेकर चर्चा चली तो कुमारी शैलजा ने रेलवे के जेई को बुलाया। संबंधित जेई की जगह दूसरी महिला जेई खड़ी हुई तो उससे पूछा लेकिन वह जवाब नहीं दे पाई। महिला जेई ने बताया कि जिस जेई की अंडरपास को लेकर ड्यूटी है, वह मीटिंग में नहीं आया। उसका एक्सीडेंट हो गया है। कुमारी शैलजा इस पर नाराज हो गई और कहा कि इस संबंध में वह रेलवे को शिकायत करेंगी। उन्होंने साथ ही डीसी को भी उसका नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सांसद शैलजा ने कहा कि आपके अधिकारी मीटिंग को लेकर सीरियस नही हैं। बैठक में तीन-तीन सांसद आए हुए हैं। कुमारी शैलजा ने कहा कि रेलवे अंडरपास गंदगी से अटे पड़े हैं। इनमें साफ.-सफाई की व्यवस्था नही है। कुमारी शैलजा ने ये भी कहा कि स्वच्छ भारत मिशन 2012 में शुरू हुआ था। अब 2025 आ चुका है लेकिन स्वच्छता कहीं नजर नहीं आ रही। सारा रुपया कचरे में जा रहा है। इसके अलावा सांसदों ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी के कर्मचारियों को भी कहा कि फ्लाईओवर के साइड में ड्रेन तो बना देते हो लेकिन पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की जाती है। इससे पानी सर्विस लेन पर भर रहा है। इस पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने एनएचएआई कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप लोग मीटिंग में नहीं आते हैं। आपके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवानी पड़ेगी। रोड सेफ्टी से लेकर मासिक मीटिंग में एनएचएआई के कर्मचारी नहीं पहुंचते। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि पिंडारा तीर्थ के लिए एक करोड़ 10 लाख रुपये आए थे लेकिन अभी तक राशि को खर्च नहीं किया गया है।

भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा हैः पीयूष गोयल

सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कभी आयात पर निर्भर रहने वाला भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है।

हाल ही में 16वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और लोकल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को मजबूत करने के माध्यम से संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के कार्यान्वयन ने भारत को गुणवत्ता के प्रति जागरूक देश बनाने में मदद की है और घरेलू खिलौना निर्माताओं को वैश्विक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक विशाल कैप्टिव बाजार प्रदान करती है, जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ पैदा करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है।

उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए आधार का काम भी करता है। उन्होंने बताया कि सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है।

इस योजना का उद्देश्य भारतीय खिलौना निर्माताओं की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाकर, गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित कर, पैकेजिंग मजबूत कर और ब्रांड निर्माण को समर्थन देकर उन्हें विश्व स्तरीय बनने में मदद करना है।

केंद्र ने पुल, फ्लाईओवर, सुरंग वाले राजमार्गों के लिए टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कटौती की

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाहन चालकों को बड़ी राहत देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ हिस्सों पर टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कमी की है। इन हिस्सों में सुरंग, पुल, फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य यात्रा की लागत को कम करना और सड़क यात्रा को लोगों के लिए अधिक किफायती बनाना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में संशोधन किया है और टोल चार्ज की गणना के लिए एक नया फॉर्मूला अधिसूचित किया है। नए नियम के अनुसार, अब टोल की गणना इस तरह से की जाएगी कि राजमार्ग के उन हिस्सों पर शुल्क में कमी आएगी, जिनमें मुख्य रूप से महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार, अगर राष्ट्रीय राजमार्ग के किसी हिस्से में फ्लाईओवर या सुरंग जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं तो टोल की गणना या तो स्ट्रक्चर की लंबाई का दस गुना या राजमार्ग खंड की कुल लंबाई का पांच गुना दोनों में से कम मूल्य के आधार पर की जाएगी। मंत्रालय ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर राजमार्ग का 40 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह से पुल या फ्लाईओवर जैसे स्ट्रक्चर से बना है तो टोल की गणना स्ट्रक्चर की लंबाई का 10 गुना (400 किमी) या कुल लंबाई का 5 गुना (200 किमी) में से कम मूल्य आधार यानी 200 किमी के आधार पर की जाएगी, जिससे प्रभावी रूप से दर आधी हो जाएगी। इससे पहले, वाहन चालकों को ऐसे स्ट्रक्चर के प्रत्येक किलोमीटर के लिए नियमित टोल दर से दस गुना अधिक भुगतान करना पड़ता था, क्योंकि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और रखरखाव अधिक महंगा होता है। इस बीच, परेशानी मुक्त राजमार्ग यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले महीने निजी वाहनों के लिए एक नए फास्टैग-आधारित वार्षिक पास की घोषणा की। 3,000 रुपए की कीमत वाला यह पास इस साल 15 अगस्त से उपलब्ध होगा। विशेष रूप से गैर-वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया यह वार्षिक पास एक्टिवेशन की तारीख से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, तक वैलिड रहेगा।

भारत में हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी और हर 40 दिन में एक नया हवाई अड्डा बना - नागरिक उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि हर 40 दिन में एक नए हवाई अड्डे के साथ देश में मात्र 10 वर्षों में 88 नए हवाई अड्डे बने हैं और हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, आज भारत में उड़ान भरना अधिक सुलभ और किफायती हो चुका है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय आकाश अधिक जुड़ा हुआ, प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक है। उन्होंने समावेशी विमानन विकास को प्राप्त करने के लिए सहयोगात्मक, राज्य-विशिष्ट रणनीतियों के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता दोहराई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र नागरिक उड्डयन मंत्रियों का सम्मेलन 2025 में केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस रणनीतिक पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य क्षेत्रीय अवसरों की पहचान करना और टियर 2 और 3 श्रेणी के शहरों की अपार क्षमता को साकार करना है। कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र राज्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हो रही प्रगति की सराहना की और राज्य की पहाड़ी भू-भागों में हेलीकॉप्टर संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की महत्ता को रेखांकित किया, जिसके लिए राज्य सरकार और मंत्रालय दोनों प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय द्वारा विमानन क्षेत्र में राज्यों के लिए अवसरों पर कई प्रस्तुतियां दी गईं।

मद्रास हाई कोर्ट का फैसला, विदेशी आयुर्वेदिक दवाओं के आयात के लिए अनिवार्य होगा लाइसेंस

चेन्नई।

मद्रास हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि विदेशों से आयुर्वेदिक दवाएं या उत्पाद भारत में मंगवाने के लिए आयात लाइसेंस लेना अनिवार्य है। कोर्ट ने यह फैसला एक केस की सुनवाई के दौरान सुनाया जिसमें सिंगापुर से आयात की जा रही एक आयुर्वेदिक दवा को कस्टम विभाग द्वारा रोका गया था। यह मामला लेंग काई फूक मेडिकल कंपनी (सिंगापुर) द्वारा निर्मित एक आयुर्वेदिक तेल 'कोडलाई थाईलम' से जुड़ा है। इस तेल को भारत में एक्सेन मार्केटिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जो चेन्नई के मंडैवेली में स्थित है, आयात कर रही थी और यहां बेच रही थी। हाल ही में अरुंबक्कम स्थित राज्य प्राधिकरण ने एक्सेन कंपनी को एक नोटिस भेजा, जिसमें कहा गया कि कोडलई थैलम का आयात करने के लिए उनके पास वैध लाइसेंस होना चाहिए। इसके बाद, कस्टम अधिकारियों ने सिंगापुर से आई इस दवा की खेप को जब्त कर लिया। इस कार्रवाई के विरोध में एक्सेन कंपनी ने मद्रास हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की और मांग की कि उनकी जब्त की गई दवा की खेप छोड़ी जाए। इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि 'कोडलाई थाईलम' एक कस्टम टैरिफ कैटेगरी के अंतर्गत आता है और यह एक आयुर्वेदिक दवा है, जो निरीक्षण के अधीन है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुर्वेदिक उत्पादों पर भी औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम लागू होता है, और इसलिए सभी प्रकार की औषधियों के आयात के लिए लाइसेंस होना अनिवार्य है।

बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार ने दो हफ्ते की बढ़त गंवाई

सेंसेक्स 193 अंक बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद

निफ्टी 55 अंक बढ़कर 25,461 अंक पर बंद

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजार ने बीते सप्ताह दो हफ्ते की बढ़त गंवा दी। बाजार के जानकारों ने कहा` कि ` वित्तीय सेक्टर में बड़ी साप्ता हिक ` गिरावट से बाजार में दबाव रहा। वहीं टैरिफ डेडलाइन से पहले निवेशक बाजार में सतर्क बने रहे। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, थोड़ी देर में ही बाजार लाल निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 182.77 अंक गिरकर 83,876.13 पर खुला और 452.44 अंक गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 46.25 अंक गिरकर 25,591.55 पर खुला और 120.75 अंक गिरकर 25,517.05 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले दिन हुई गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को हरियाली लौटी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.79 अंक चढ़कर 83,784.25 पर खुला और 90.83 अंक उछलकर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 51.2 अंक चढ़कर 25,568.25 पर खुला और 24.75 अंक बढ़कर 25,541.80 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी हरियाली बरकरार रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 236.56 अंक चढ़कर 83,933.85 पर खुला और 287.60 अंक गिरकर 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 66.3 अंक चढ़कर 25,608.10 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 88.40 अंक गिरकर 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख को दर्शाते हुए गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242.83 अंक चढ़कर 83,652.52 अंक पर खुला और 170.22 अंक गिरकर 83,239.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 83.65 अंक चढ़कर 25,537.05 अंक पर खुला और 48.10 अंक गिरकर 25,405.30 अंक पर बंद हुआ।

लगातार मांग बढ़ने से तांबे की कीमतें 980-1,020 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंचने के लिए तैयार : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

तांबे की कीमत 10,000 डॉलर की सीमा के करीब पहुंचने के बाद, घरेलू मोर्चे पर 980-1,020 रुपए प्रति किलोग्राम और लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) पर 10,800-11,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन तक पहुंचने के लिए तैयार है। यह जानकारी शनिवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिशेष अनुमानों और लगातार मांग संबंधी चिंताओं के बीच नाजुक संतुलन बने हुए हैं। इस बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट, ट्रेजरी यील्ड में नरमी आने और ब्याज दरों में कटौती या कम वृद्धि की उम्मीदों सहित अनुकूल परिस्थितियां तांबे के लिए आगे की ओर बढ़ने की प्रवृत्ति का नेतृत्व कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अमेरिकी डॉलर इंडेक्स तीन वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर है, क्योंकि ट्रेजरी यील्ड में नरमी आई है और दरों में कटौती या कम वृद्धि की उम्मीदें हैं। डॉलर में नरमी और निवेशकों के बीच जोखिम उठाने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण कीमतों में और वृद्धि के लिए अनुकूल माहौल बन रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, तांबे के स्टॉक कम हो रहे हैं, जिससे वायदा कीमतों में भारी गिरावट आ रही है। एलएमई कैश-3एम स्प्रेड 100 डॉलर से ऊपर चला गया है, जो दर्शाता है कि तत्काल डिलीवरी के लिए तांबे की कमी है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के ग्रुप सीनियर वीपी-कमोडिटी रिसर्च, नवनीत दमानी ने कहा, कॉपर कॉम्प्लेक्स में सेंटीमेंट बदल रहा है और बाजार प्रतिभागी जो पहले सावधानी से पोजीशन ले रहे थे, वे धीरे-धीरे शॉर्ट कवर कर रहे हैं। कमोडिटी ट्रेडिंग सलाहकारों और सिस्टमैटिक फंड्स ने अपने दांव पलट दिए हैं क्योंकि मजबूत मांग और कम इन्वेंट्री ने उन्हें पोजीशन पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है।

उन्होंने कहा, सेंटीमेंट में यह बदलाव अक्सर लंबी रैलियों से पहले आता है, खासकर जब व्यापक अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा हो

रिपोर्ट के अनुसार, एलएमई गोदाम के स्टॉक 1,00,000 टन से नीचे गिर गए हैं, जो लगभग दो वर्षों में सबसे कम स्तर है, जबकि कॉमेक्स स्टॉक तेज़ गति से बढ़ रहे हैं। इस आपूर्ति की कमी का मुख्य कारण व्यापारी बन रहे हैं, जो इस साल की शुरुआत में शुरू हुई तांबे के आयात की जांच के परिणामस्वरूप संभावित आयात शुल्क की प्रत्याशा में अमेरिकी बाजार में अनुमानित 400 किलोटन तांबे को जल्द से जल्द लाने की कोशिश कर रहे हैं।

इंडसइंड बैंक को इंडिया रेटिंग्स से राहत, लेकिन निगेटिव आउटलुक बरकरार

ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की

नई दिल्ली।

इंडिया रेटिंग्स ने निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक को रेटिंग वॉच विद नेगेटिव इंप्लीकेशंस दर्जे से हटा दिया है व ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की है। रेटिंग एजेंसी ने इन इंस्ट्रूमेंट्स पर नकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है, जो वित्त वर्ष 2025 में बैंक द्वारा कुल 4,920 करोड़ रुपये की कई अकाउंटिंग विसंगतियों और कमजोर आंतरिक नियंत्रण की रिपोर्टिंग से उत्पन्न चिंताओं को दर्शाता है। इंडिया रेटिंग्स ने 20 मार्च, 2025 को डेट इंस्ट्रूमेंट्स को 'रेटिंग वॉच विथ नेगेटिव इंप्लीकेशंस' पर रखा था, क्योंकि बैंक ने अपने डेरिवेटिव खाते की बैलेंस पोर्टफोलियो में विसंगतियों और इसकी कुल संपत्ति पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के बारे में खुलासे किए थे। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के परिणाम घोषित करते हुए बैंक प्रबंधन ने कहा था कि उसने अनियमितताओं के लिए सक्रियता से वृद्धिशील प्रावधान किए हैं और कॉर्पोरेट बुक में रन-डाउन से 62,000 करोड़ रुपये नकदी का प्रावधान किया गया है। इससे तत्काल कोई कम अवधि के लिए नकदी की जरूरत नहीं होगी, लेकिन फ्रैंचाइज की स्थिरता को लेकर निकट से लेकर मध्यावधि तक चिंता जारी रहेगी।

यूपीआई से लेनदेन पर मिलेगा तीन फीसदी कैशबैक

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड

बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर, माफी मांगने व मुआवजा देने की मांग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है।

याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में

सप्लाई स्थिर होने और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में आ सकता है उछाल

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि आपूर्ति पक्ष से सकारात्मक संकेत मिलने और भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेत मिलने के कारण निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतों में सुधार देखने को मिल सकता है। हालांकि मांग संबंधी चिंताओं के कारण वैश्विक धारणा प्रभावित हो रही है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अगर प्रमुख तकनीकी स्तर कायम रहे तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल की कीमतें शुक्रवार को नरम रहीं, कम कारोबार और कमजोर वैश्विक मांग के बीच 65 डॉलर के मध्य रेंज के आसपास कारोबार कर रही थीं। हालांकि, विश्लेषक खासकर ओपेक प्लस बैठक और अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा जैसे प्रमुख आयोजनों के साथ संभावित बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। एंजेल वन लिमिटेड में कमोडिटीज और करेंसीज के मुख्य तकनीकी शोध विश्लेषक तेजस शिग्रेकर ने कहा कि क्रूड ऑयल आउटलुक मिश्रित बना हुआ है, लेकिन सतर्क आशावाद के कुछ कारण हैं। उन्होंने कहा कि खासकर चीन और यूरोजोन में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में स्लोडाउन के कारण मांग प्रभावित हुई है। साथ ही ओपेक प्ल, उत्पादन में कटौती के कारण ग्लोबल सप्लाई अभी भी कम है। उन्होंने बताया, मुख्य रूप से सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में की गई इन कटौतियों ने कीमतों में अधिक गिरावट को रोकने में मदद की है। शिग्रेकर ने कहा, ओईसीडी देशों से मांग के कम अनुमानों के बावजूद, कॉर्डिनेटेड उत्पादन प्रतिबंध कीमतों को एक आधार प्रदान कर रहे हैं और जब तक सप्लाई पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता, तब तक रणनीतिक खरीद द्वारा समर्थित क्रूड ऑयल फ्यूचर के व्यापक दायरे में बने रहने की संभावना है।

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड

बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर, माफी मांगने व मुआवजा देने की मांग

नई दिल्ली।

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है। याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में कहा गया है कि कोर्ट प्राडा द्वारा अनधिकृत जीआई उपयोग पर स्थायी रोक लगाने और कारीगरों के समुदाय को प्रतिष्ठा और आर्थिक नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने का आदेश दे। इसमें जीआई-पंजीकृत मालिकों और कारीगरों के समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए प्राडा के खिलाफ जांच का अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका में कहा गया है कि प्राडा ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि उसका यह संग्रह भारतीय कारीगरों से प्रेरित है, लेकिन उसने अभी तक मूल कारीगरों से माफी नहीं मांगी या उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। याचिका में कहा गया है कि निजी तौर पर स्वीकृति आलोचना से बचने का एक सतही प्रयास मात्र प्रतीत होता है। बता दें भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्राडा ने माना कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गई वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गई, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है।

आईआईटी मद्रास एलुमनी मीट में बोले पीयूष गोयल, देश 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर

बेंगलुरु।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शनिवार को आयोजित आईआईटी मद्रास एलुमनी मीट 'संगम' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने और पांच प्रणों को लेकर विस्तार से बात की।

पीयूष गोयल ने कहा कि देश अब एक निर्णायक दौर में है, जहां हम भविष्य के भारत की नींव रख रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत को दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। लेकिन बीते 10 साल में देश ने बहुत सारे मिशनों पर काम किया, जिसमें स्वच्छ भारत, स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने आम आदमी तक पहुंच बनाई और जमीनी बदलाव लाए। पीयूष गोयल ने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चुका है और अगर यही रफ्तार बनी रही, तो 2027 तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं।

उन्होंने कहा, आज जो भी नीतियां बनाई जा रही हैं, वे आने वाले भविष्य के भारत को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही हैं। तकनीक को लेकर उन्होंने कहा कि भारत अब नई तकनीकों से डरता नहीं है, बल्कि उन्हें अपनाकर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास हमें दुनिया के बेहतरीन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाता है। कोविड महामारी के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों को वैक्सीन भेजी।

उन्होंने कहा कि दुनिया ने इसके लिए भारत को धन्यवाद दिया, लेकिन अफसोस की बात है कि कुछ लोग, विशेषकर कुछ राज्यों के नेता, इसे ठीक से समझ नहीं पाए।

सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी रार

उमेश चतुर्वेदी

जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया।

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तवारीख का काला दौर ही है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में ह्यसेक्युलरह्ण और ह्यसमाजवादीह्ण शब्द जोड़े गए। ऐसे में इन शब्दों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को अक्सर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ह्यआपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।ह्व

जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं।

संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से ह्यसेक्युलरह्ण और ह्यसमाजवादीह्ण शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ।

संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को ह्यधर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघह्ण बनाने माँग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, ह्नराज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए।ह्व अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, ह्नइसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।ह्व नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है? एक और सवाल यह है कि जब आपातकाल ही नाजायज और अवैधानिक था तो फिर उस दौरान उठाए गए किसी कदम को जायज और संवैधानिक कैसे स्वीकार किया जा सकता है? सवाल यह भी है कि आपातकाल के दौरान इंदिरा ही कार्यपालिका हो गई थीं, जिनके सामने न्यायपालिका और विधायिका एक तरह से अधिकारहीन हो चुकी थीं, तो उनके द्वारा लिए गए निर्णय सही कैसे हो सकते हैं? संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों की एक सीमा यह भी है कि इनकी कोई व्याख्या नहीं है। इसलिए जिसकी जैसी सोच होती है, इनकी व्याख्या कर डालता है।

केशवानंद भारती केस में सर्वोच्च न्यायालय कह सकता है कि संविधान की बुनियादी आत्मा को नहीं बदला जा सकता। इस नजरिए से भी देखें तो प्रस्तावना में जोड़े गए ये दोनों ही शब्द सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के ठीक उलट हैं। इन दोनों शब्दों के जोड़े जाने के बाद ही संविधान का अलग ही रूप और चरित्र दिखने लगा है। जिसके आधार पर ज्यादातर कार्यपालिका और विधायिका फैसले लेने लगी है। कुछ जानकार तो मानते हैं कि कई सामाजिक समस्याओं की वजह ये दोनों शब्द ही हैं। जिनके चलते संवैधानिक संस्थाएं भारत के बुनियादी चरित्र के उलट कदम उठाती रहती हैं या फैसले लेती रहती हैं। अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा देने में इन दोनों शब्दों का योगदान सबसे ज्यादा है। इन्हीं शब्दों के चलते तुष्टिकरण की राजनीति को भी बढ़ावा मिला है। इन शब्दों से मिले कवच की वजह से बिखंडनकारी तत्व हावी हुए हैं, जो लगातार भारतीय समाज के बिखराव को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रस्तावना में आए बदलावों ने शासन के चरित्र को ही नहीं, प्रशासन की सोच को भी बदला है। लेकिन कभी इस नजरिए से इन शब्दों की सीमा को मापने और उनके असर को पहचानने की कोशिश नहीं हुई।

कुछ महीने बाद बिहार विधानसभा के चुनाव हैं। कांग्रेस संघ की इस अपील को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश जरूर करेगी। बिहार के प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का साथ जरूर दिया है, लेकिन कांग्रेस की तरह आक्रामक मुद्दा में नहीं है। इसकी वजह यह है कि बीजेपी और संघ आपातकाल के लिए लगातार कांग्रेस से माफी की मांग भी कर रहे हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव भी आपातकाल के पीड़ित हैं और उन दिनों वे बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ थे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में ही उन्होंने छपरा से लोकसभा का चुनाव जीता था। ऐसे में उनके लिए आपातकाल के मुद्दे पर देर तक कांग्रेस का साथ देना आसान नहीं होगा। लिहाजा उनकी कोशिश होगी कि इस मुद्दे को कांग्रेस उठाए और पीछे से उसका साथ वे देते रहें। इस रणनीति के जरिए उनकी कोशिश है कि बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन से सत्ता छीन लें। लेकिन संघ इस मांग से उस तरह पीछे हटता नहीं दिख रहा, जिस तरह 2015 के चुनावों के दौरान आरक्षण पर आए मोहन भागवत के बयान से उपजे विवाद के चलते पीछे हटता दिखा।

कांग्रेस ने अब तक आपातकाल को लेकर अपनी गलती नहीं मानी है। संघ की मांग के चलते यह मुद्दा उछल रहा है। जैसे-जैसे इस मुद्दे की तासीर बढ़ेगी, वैसे-वैसे कांग्रेस के लिए अपना बचाव कर पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि वह कैसे साबित कर पाएगी कि आपातकाल सही था? अगर वह आपातकाल को सही नहीं ठहरा पाएगी तो वह किस तरह साबित करेगी कि प्रस्तावना में किया गया बदलाव सही था। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यही है। चूंकि संघ के पास सीधे तौर पर कोई वैधानिक ताकत नहीं है। लेकिन विमर्श के बहाने वह इन शब्दों के औचित्य के साथ ही कांग्रेस की तब की करतूत की याद को जीवंत बनाए रखना चाहता है। इसके जरिए निश्चित तौर पर एक ऐसा लोकमानस बनेगा, जो इन शब्दों का विरोधी होगा।

संपादकीय

विकास की जवाबदेही

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद में होने वाले व्यवधानों में आई कमी, सार्थक बहसों और उत्पादकता में सुधार की चर्चा की। हरियाणा के मानेसर में राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुखों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नगर निकायों में प्रश्नकाल व शून्यकाल जैसी प्रक्रियाएं भी शामिल की जाएं जिससे जनप्रतिनिधि अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दे उठा सकें। बिरला ने कहा कि इससे जवाबदेही व पारदर्शिता बढ़ेगी। देश की प्राचीन परंपराओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को लंबे समय से लोकतंत्र की जननी के रूप में मान्यता दी गई थी। नगर निकाय के कामकाज , नियमबद्ध व नियमित होने पर बिरला ने जोर देते हुए कहा कि मैंने देखा है, नगर पालिकाओं, परिषदों व निगमों में पूरे साल बैठकें नहीं होतीं। इसे उन्होंने स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा नहीं कहा। सवाल नगर पालिकाओं, परिषदों या निगमों का ही नहीं है, दरअसल विधानसभाओं तक में देखने में आता है कि बहस के दरम्यान योजनाबद्ध व्यवधान होते हैं। बेशक, लोकतांत्रिक संवाद, स्वस्थ बहस, नीति निर्माण व सुशासन के लिए जरूरी है कि नियमित बैठकें होती रहें। देश में विभिन्न शहरी स्थानीय निकाय-नगर निगम, नगर परिषदें, पंचायतें, छावनी बोर्ड, टाउनशिप, पोर्ट-हैं जो जलापूर्ति, साफ-सफाई, सड़कों, प्रकाश, जन्म-मृत्यु, अग्निशमन के अतिरिक्त विकास कार्य भी करती हैं। मगर जैसा कि बिरला ने कहा, इनकी बैठकें नाममात्र होती हैं, जिनके नतीजे बहुधा शिफर होते हैं। भविष्य में, इस सम्मेलन में बेहतर कार्य करने वाले निकाय को प्रोत्साहित करने की व्यवस्था भी की जा सकती है ताकि अन्य संबंधित प्रभागों का उत्साहवर्धन हो। निकायों की बैठकों में कई दफा उग्र उपद्रव भी होता देखा जाता है जिस पर कड़ी कार्रवाई का नियम भी सख्ती से लागू किया जाए। देखने में आता है कि यह जिम्मेदारी निभाने में राज्य सरकारें लापरवाही करती हैं। परंतु यदि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलन में बेहतरीन व्यवस्था व भारी खर्च किया जा रहा है तो स्च्छता, नागरिक सुविधाओं, अपशिष्ट प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, लोकल परिवहन, शुद्ध पेयजल व हरित क्षेत्र के विस्तार जैसी जिम्मेदारियों के प्रति जबावदेही भी तय होनी चाहिए ताकि विकसित भारत 2047 के लिए समूचा देश एकजुट होकर अपने हिस्से की आहूति दे।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी: राष्ट्र के चरमोत्कर्ष की यज्ञवेदी पर प्राणोत्सर्ग

हेमेन्द्र क्षीरसागर

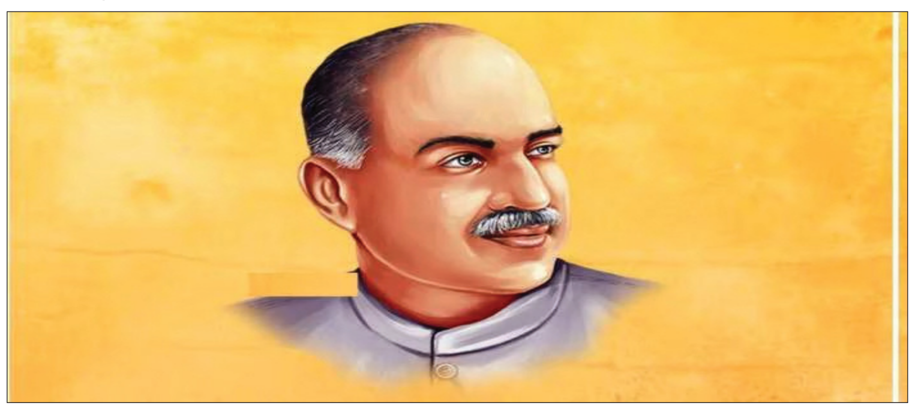

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऐसे महान देशभक्त थे जिन्होंने राष्ट्र के चरमोत्कर्ष, एकता और अखण्डता की यज्ञवेदी पर अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। वह एक साथ ही शिक्षाविद्, लेखक, सासंद, राजनीतिज्ञ और मानवतावादी कट्टर देशभक्त थे। इन्होंने विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और शीध्र ही एक प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित हो गए। उनकी इस उपलब्धि को मान्यता उस समय प्राप्त हुई जब 1934 में कलकत्ता विश्विद्यालय के कुलपति नियुक्त होने वालों में वह सबसे कम आयु के थे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के निमार्ताओं में से थे।

उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे उन नेताओं में से थे, जो खुद आगे आकर जोखिम झेलते हैं। उनके लिए भारत प्रथम था और भारत की अखण्डता और वैभव ही प्रमुख लक्ष्य। जान दे दी, पर कश्मीर जाने नहीं दिया। मंत्रीमंडल को ठोकर मार दी, लेकिन सिंद्धातों से समझौता नहीं किया। हॉ, मैं हिन्दू हूॅ इस देश का राष्ट्रत्व हिन्दू हैं। यह अटल सत्य हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि हिन्दू किसी दूसरे मजहब या उपासना पद्धति के विरूद्ध हैं। ऐसा होता तो इतिहास ही कुछ और होता। कश्मीर हर हिन्दुस्तानी का हैं। हर दिल में कश्मीर के लिए दर्द उठना चाहिए जो हनीफुद्दीन और अजय आहूजा के दिलों में उठा।

डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन और अपने बलिदान, दोनों से ही इस देश को प्राण दिए। उनके लिए भारतीय होने का अर्थ राजनीति के कपट जाल में फॅसना नहीं, वरन् उस कपट जाल को तोडना था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि आज जो पंजाब और बंगाल का हिस्सा भारत में दिखता हैं, उसके पीछे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखजी का जुझारूपन और आंदोलन मुख्य कारण रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के वह शब्द इतिहास में प्रसिद्ध हैं, जब उन्होंने कहा था, 'कांग्रेस ने हिन्दुस्तान का बॅटवारा किया और मैंने पाकिस्तान का।' इस देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्र, किन्तु खंडित भारत की कमान उस व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई, जिसे भारतीयता किवां हिन्दुत्व से चिढ थी और स्वयं को देश का अंतिम ब्रिटिश शासक कहलाने में गर्व का अनुभव करता था।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुॅच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हदतक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहॉ तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। अपना त्यागपत्र देते समय उन्होंने इसके पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया जो आज भी ऐतिहासिक तथा प्रेरणप्रद एक दस्तावेज के रूप में माना जाता हैं।

संकल्पित, मंत्रीमण्डल से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. मुखर्जी ने संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने का निश्चय किया। लेकिन वह जल्दी ही समझ गए कि प्रतिपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए संगठित पार्टी बनाना जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से वह प्रतिपक्ष के राजनीतिक मंच के गठन की संभावनाओं को तलाशने की ओर अग्रसर हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी किसी सशक्त व्यक्तित्व के नेतृत्व में राजनीतिक दल प्रारंभ किए जाने की जरूरत महसूस कर रहा था। डॉ. मुखर्जी और स्वयंसेवक संघ दोनों ही जिस बात की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वह समान थी और इसी में से अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ जिसके संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी थे। डॉ. मुखर्जी को अपने जीवन में बडी चुनौती का समना दो वर्ष बाद 1953 में करना पडा। जम्मू और कश्मीर में शेख अब्दुल्ला की पृथकतावादी राजनीतिक गतिविधियों से उभरी अलगाववादी प्रवृत्यिां 1952 तक बल पकडने लगी थीं, जिससे राष्ट्रीय मानस विक्षुब्ध हो उठा। डॉ. मुखर्जी ने प्रजा परिषद् के सत्याग्रह को पूर्ण दिया जिसका उद्देष्य जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना था। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा था, अलग संविधान था और वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था।

डॉ. मुखर्जी ने जोरदार नारा बुलन्द किया थाः 'एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान, नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त कियाः या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।' अपने संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने नई दिल्ली में नेहरू सरकार और श्रीनगर में शेख अब्दुला की सरकार को चुनौती देने का निश्चय किया और पं. नेहरू से कहा कि वे जम्मू जरूर जाएंगे और बिना 'परमिट' के जाएंगे।

बलिवेदी, 11 मई को रावी पर करते समय ही लखनपुर में डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल ले जाया गया। 40 दिन तक न उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और न अन्य बुनियादी सुविधाएं दी गई। भारत का यह शेर श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को चिरनिद्रा में सोया गया। श्रद्धांजलि स्वरूप नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35 ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। यह ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम था।

(पत्रकार, लेखक व स्तंभकार, बालाघाट, मप्र)

पुलिस स्टेशन : कबाड़ बनते वाहनों का समाधान

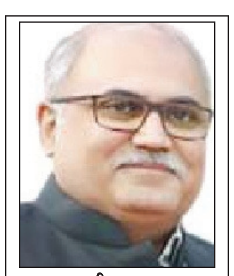
रजनीश कपूर

भारत में अपराधों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में वाहन अक्सर महत्त्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में उपयोग किए जाते हैं। चाहे हत्या, चोरी, डकैती, तस्करी या सड़क दुर्घटना का मामला हो, वाहन जैसे कार, मोटरसाइकिल, ट्रक या अन्य साधन अपराध के दृश्य का अभिन्न हिस्सा हो सकते हैं। पुलिस द्वारा इन वाहनों को जब्त कर लिया जाता है और इन्हें साक्ष्य के रूप में अदालत में पेश किया जाता है। हालांकि, जब्त वाहनों का प्रबंधन और रखरखाव ऐसी समस्या बन चुका है, जो न केवल पुलिस प्रशासन, बल्कि पर्यावरण, संसाधनों और सामाजिक दृष्टिकोण से भी गंभीर चुनौती बन गया है। पुलिस स्टेशनों और मालखानों में वाहन वर्षों तक सड़ते रहते हैं, जिससे जगह की कमी होती है, और व्यवस्था की नाकामी भी उजागर होती है।

भारत में अपराधों की जांच के दौरान वाहनों की जब्ती एक सामान्य प्रक्रिया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई वाहन किसी हिट-एंड-रन मामले में शामिल है, तो उसे फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त किया जाता है। तस्करी या डकैती जैसे मामलों में वाहनों को अपराध के साधन के रूप में देखा जाता है। भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 102 के तहत पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने का अधिकार है, जो अपराध से संबंधित हों। जब्ती के बाद वाहनों को मालखाने या पुलिस स्टेशन के परिसर में रखा जाता है, जब तक कि मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। हालांकि, इस प्रक्रिया में कई खामियां हैं। सबसे बड़ी तो यह है कि भारत में न्यायिक प्रक्रिया अक्सर लंबी चलती है। कई मामलों में सुनवाई में वर्षों लग जाते हैं। इस दौरान जब्त वाहन पुलिस स्टेशनों में खड़े रहते हैं। बारिश, धूप-धूल के संपर्क में रहने के कारण ये धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील हो जाते हैं। जब्त वाहनों के सड़ने का प्रभाव पुलिस प्रशासन तक सीमित नहीं है, इनका समाज पर भी गहरा असर पड़ता है। कई मामलों में ये वाहन उन लोगों के लिए महत्त्वपूर्ण संपत्ति होते हैं, जो शायद निर्दोष हों या जिनके खिलाफ कोई ठोस सबूत न मिले। उदाहरण के लिए, एक ऑटो-रिक्शा चालक या टैक्सी ड्राइवर के लिए उसका वाहन उसकी आजीविका का मुख्य साधन होता है। जब ऐसे वाहन लंबे समय तक पुलिस हिरासत में रहते हैं, तो मालिक की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। यह सामाजिक असमानता को और बढ़ाता है, क्योंकि अधिकांश प्रभावित लोग निम्न या मध्यम वर्ग से होते हैं। इसके अलावा, पुलिस स्टेशनों के बाहर खड़े वाहन आस-पास के निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। सड़कों को अवरुद्ध करते हैं, पार्किंग की समस्या पैदा करते हैं। वाहनों के महत्त्वपूर्ण हिस्से, जैसे बैटरी, टायर या इंजन के पुर्जे आदि गायब हो जाते हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए नीतिगत और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। पहला कदम यह हो सकता है कि वाहनों की जब्ती और छोड़ने की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए। प्रत्येक जब्त वाहन का रिकॉर्ड केंद्रीकृत डेटाबेस में दर्ज किया जाना चाहिए, जिसमें वाहन की स्थिति, जब्ती की तारीख और मामले की प्रगति की जानकारी हो। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि वाहन अनावश्यक रूप से लंबे समय तक हिरासत में न रहें। दूसरा, फॉरेंसिक जांच की प्रक्रिया को तेज करना होगा। कई पुलिस स्टेशनों में फॉरेंसिक सुविधाओं की कमी है, जिसके कारण वाहनों को लंबे समय तक रखना पड़ता है। डिजिटल साक्ष्य, जैसे वाहन की तस्वीरें और ३डी स्कैन, को अदालतों में स्वीकार करने की नीति बनानी चाहिए। इससे भौतिक वाहन को लंबे समय तक रखने की आवश्यकता कम होगी। जब वाहन साक्ष्य के रूप में उपयोग के लिए आवश्यक न हों, तो उनकी नीलामी या वैकल्पिक उपयोग की प्रक्रिया को तेज करना होगा। एक ऑनलाइन नीलामी पोर्टल, जहां वाहनों की स्थिति और नीलामी की प्रक्रिया सार्वजनिक हो, इस समस्या को हल कर सकता है। कुछ मामलों में, जब्त वाहनों को सरकारी उपयोग, जैसे पुलिस या आपातकालीन सेवाओं के लिए, पुनः उपयोग में लाया जा सकता है बशर्ते वे कार्यशील स्थिति में हों। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से सड़ते वाहनों को रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाना चाहिए।

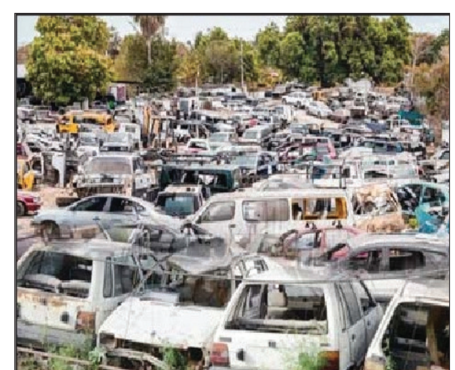

भारत में वाहन रीसाइक्लिंग उद्योग अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसे बढ़ावा देने से न केवल पर्यावरण को लाभ होगा, बल्कि यह आर्थिक अवसर भी पैदा करेगा। बहरहाल, इस समस्या का समाधान तभी संभव है, जब नीतिगत सुधार और तकनीकी नवाचार को एक साथ लागू किया जाए। वाहनों को साक्ष्य के रूप में उपयोग करने की प्रक्रिया को और अधिक कुशल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा। केवल समग्र दृष्टिकोण ही समस्या को जड़ से खत्म कर सकता है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि अपराध में शामिल वाहन न केवल न्याय प्रक्रिया में सहायक हों, बल्कि समाज और पर्यावरण पर भी बोझ न बनें।

बिहार में कारोबारी की हत्या, तेजस्वी का नीतीश पर तंज... जंगलराज नहीं कहा जा सकता

पटना (एजेंसी)। पटना में व्यवसायी और भाजपा नेता गोपाल खेमका की गांधी मैदान स्थित उनके आवास के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि एक बाइक सवार हमलावर खेमका का इंतजार कर रहा था, जो एक सुनियोजित हत्या को दिखाता है। इस घटना ने बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सियासी बहस छेड़ दी है। उधर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर दो टूक कहा हैं कि अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पोस्ट किया कि कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने आपराधिक घटनाओं की जांच में तेजी लाने और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी और कड़ाई से काम करने के लिए कह दिया है। हालांकि, हत्या को लेकर चुनावी साल में विपक्ष ने नीतीश सरकार पर हमला बोला है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने पोस्ट कर कहा कि थाना से चंद कदम दूर बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या हुई है और हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है, लेकिन इस जंगलराज नहीं कहा जा सकता। वहीं लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने लिखा कि नीतीश नीत राक्षसराज में बिहार में कानून-व्यवस्था की अंत्येष्टि हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस-प्रशासनिक महकमा अक्षम हो चुका है और मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री केवल औपचारिकताएं पूरी कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं।

कर्नाटक में मादा बाघिन और उसके चार शावक की मौत, दो अधिकारी निलंबित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की अप्राकृतिक मौत के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित किया है। वन-विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत मिले थे। मंत्री खांडरे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खांडरे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया। घटना की जांच के लिए समिति का गठन हुआ था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खांडरे के कार्यालय ने कहा, बाघों की अप्राकृतिक मौत मामले में अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्यों का पालन ना करने के स्पष्ट सबूत हैं जिनके आधार पर मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग से डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है।

कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से चार की मौत, अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ जिले में अवैध खनन के दौरान कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से चार व्यक्ति की मौत हुई और कुछ अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका जाहिर की गई है। पुलिस के अनुसार कर्मा इलाके में शनिवार सुबह 6 बजे हादसा हुआ। ग्रामीणों के अनुसार खदान के धंसने से चार लोगों की मौत हुई है, हालांकि पुलिस की ओर से अब तक एक शव बरामद होने की बात कही गई है। फिलहाल बचाव अभियान जारी है। खदान में कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है। जानकारी के अनुसार कर्म प्रोजेक्ट क्षेत्र में सीसीएल की ओर से कोयला उत्खनन का कार्य हो रहा था। शनिवार की सुबह ग्रामीण भी कोयला निकालने पहुंचे थे, जहां अचानक चाल धंसने से चार मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घायलों में दो ही हालत गंभीर है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कर्म प्रोजेक्ट कार्यालय के गेट के निकट सभी शवों को रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सीसीएल प्रबंधन से मुआवजा देने की मांग की है।

नाश्ता कर रहे अमरनाथ यात्रियों की बसों को दूसरी बस ने मारी टक्कर

-36 श्रद्धालु घायल, प्राथमिक उपचार के बाद बसों को किया गया रवाना

रामबन (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में अमरनाथ यात्रा कर रहे 36 श्रद्धालु घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब तीर्थयात्रियों के काफिले में शामिल एक बस ने चार बसों को पीछे से टक्कर मार दी। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि तीर्थयात्रियों का काफिला नाश्ते के लिए चंदरकोट में रुका था। उसी दौरान एक बस के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वह खड़ी बसों से जा टकराई, जिससे कई बसों को नुकसान पहुंचा है और यात्रियों को चोटें आई हैं। हादसे में करीब 36 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर को मामूली चोटें आई हैं।

पुलिस ने कहा है कि प्राथमिक उपचार के बाद ज्यादातर श्रद्धालु अपनी यात्रा जारी रखने के लिए तैयार हैं। हालांकि तीन से चार यात्रियों की चोटें गंभीर हैं उन्हें आगे यात्रा करने की इजाजत नहीं दी सकी है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया। प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य किया और स्थिति पर नियंत्रण पाया। घटना के बाद काफिले की आगे की यात्रा कुछ देर के लिए रोक दी गई, लेकिन स्थिति सामान्य होने के बाद श्रद्धालुओं को रवाना किया गया। बता दें इस साल अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन करने जम्मू-कश्मीर पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने यात्रा की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं।

देश के कई राज्यों में 10 जुलाई तक होगी जमकर बारिश, तेज हवा और बिजली गिरने का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश ने कहर बरपाया है। पिछले दो सप्ताह में हिमाचल प्रदेश में 43 लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 अन्य लोग लापता हैं। गुरुवार को उत्तराखंड के भीमताल में उफनती झील में भारतीय वायुसेना के 2 कर्मी डूब गए। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के निवासियों को शुक्रवार को भी कई निचले इलाकों में जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। जल निकासी व्यवस्था ठप होने के कारण भुवनेश्वर नगर निगम को बारिश का पानी निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भारी बरसात के चलते कुछ जगहों पर तबाही भी देखने को मिली है। बारिश और आंधी-तूफान का यह सिलसिला अभी जारी रहने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मॉनसून ट्रफ सामान्य स्थिति में है। पूर्वी मध्य प्रदेश में निचले स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। गंगीय पश्चिम बंगाल के उत्तरी भागों में भी निचले व मध्य स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र देखा गया है। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से पूर्वी, मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अगले 7 दिनों तक भारी से अत्यधिक भारी बारिश होगी। ऐसे में आपको पहले से सतर्क हो जाने की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने 20 जून को दस्तक दी। बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण राज्य को अब तक 5,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। राज्य में जान गंवाने वाले 43 लोगों में से 14 की मौत बादल फटने से, 8 की अचानक आई बाढ़ में और एक की मौत भूस्खलन में हुई, जबकि सात लोगों की डूबने मौत हुई। सबसे अधिक 17 मौतें मंडी जिले में हुईं, जहां मंगलवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले से लापता 31 लोगों की तलाश अब भी जारी है। स्थानीय मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्टजारी किया है, जिसमें शनिवार से मंगलवार तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। देश के पूर्वी हिस्से में ओडिशा के निचले इलाकों में जलभराव जारी है। भुवनेश्वर नगर निगम आयुक्त राजेश प्रभाकर पाटिल ने लक्ष्मीसागर और बडागड़ा सहित कुछ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और युद्धस्तर पर पानी निकालने का निर्देश दिया। नगर निकाय ने लोगों को बडागड़ा से रसूलगढ़ जाने वाले मार्ग पर नहीं जाने और वैकल्पिक सड़कों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और असम की बराक घाटी के लिए ट्रेन सेवाएं शुक्रवार को बहाल कर दी गईं। दीमा हसाओ जिले में भूस्खलन के कारण एक दिन पहले क्षेत्र में ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई थीं।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश

मध्य प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश से शुक्रवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। आईएमडी ने राज्य के पूर्वी हिस्से में मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 27 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। बारिश के कारण जबलपुर और मंडला जिलों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन होने के बाद यातायात अवरूद्ध हो गया। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मॉनसून की तेज बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 128 मिलीमीटर बारिश पोकरण में हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अनेक भागों में तेज बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। पिछले चौबीस घंटे की अवधि में राज्यभर, खासतौर पर पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश पोकरण में 128 मिलीमीटर हुई। आईएमडी के अनुसार, पूर्वी राजस्थान के कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी। कहीं-कहीं भारी/अतिभारी बारिश की संभावना है। वहीं जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दो-तीन दिन मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश हो सकती है।

राजनाथ, डोभाल के बाद अब जयशंकर जा रहे चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर 13 जुलाई से चीन के तीन दिवसीय दौरे पर जा रहे है। इस दौरान वे द्विपक्षीय और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठकों में भाग लेने वाले है। यह दौरा तब हो रहा है जब भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में गश्त के अधिकारों पर सहमति के बाद संबंधों को सामान्य करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में हुई थी। जयशंकर का यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गलवान झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को पटरी पर लाने की कोशिश का हिस्सा है। उम्मीद है कि इस दौरे से भारत और चीन के रिश्तों में सुधार आएगा। बात दें कि जयशंकर तियानजिन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने वाले है। यह बैठक 1 सितंबर को होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है, जिसके लिए चीन ने प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया है। जयशंकर बीजिंग में चीन के कई नेताओं से मुलाकात करने और आपसी सहयोग पर बातचीत करने वाले है। इस दौरे का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को सामान्य करना है। इसके तहत कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल के बाद फिर से शुरू हो गई है, और दोनों देश सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने पर भी बातचीत कर रहे हैं।

राहुल गांधी, उनके साथी और कांग्रेस पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत समय-सीमा के तहत बातचीत नहीं करता है, हम राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं। दुनिया भर में हमारे सभी कार्यों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि आज हम आत्मविश्वास से भरे हैं और दुनिया में किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं। राहुल गांधी पर तंज सकते हुए गोयल ने कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्रीय हित के बिना बातचीत के लिए भीख मांगता था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है, क्योंकि वे उनके साथी और उनकी पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है, जिन्होंने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया है। आज तक वे देश के विकास के लिए कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाए हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने उनके इस बयान को लेकर एक्स पर पोस्ट में लिखा- पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे। ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर दो अप्रैल को 26 फीसदी का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगा दिया था। हालांकि, कुछ दिन बाद ही इसे 90 दिन के लिए टाल दिया गया था जिसकी मियाद 9 जुलाई को पूरी हो रही है।

उद्धव और राज के साथ आने पर चिराग का तंज, दोनों भाई अपना वजूद बचाने के लिए साथ आए

पटना (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा विवाद पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि मैं हर भाषा का समर्थन और सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा कि यह भारत की खूबसूरती हैं कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं। हर कुछ किलोमीटर पर हमारी बोली बदल जाती है। मैं भाषाओं को दोस्त मानता हूं, वे एक साथ खुशी-खुशी बढ़ी हैं। लेकिन जिस तरह से कुछ स्वार्थी राजनीतिक दल भेदभाव की राजनीति को बढ़ावा देते हैं, चाहे वह जाति, धर्म, क्षेत्र और अब भाषा हो। मैं इसका बिल्कुल भी समर्थन नहीं करता।

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि भारत का संविधान हमें देश के किसी भी कोने में रहने और कोई भी भाषा बोलने की अनुमति देता है। उद्धव और राज ठाकरे के सालों बाद साथ आने पर चिराग ने कहा कि वे भाषा के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए साथ आ रहे हैं। वे अपना खोया हुआ आधार वापस पाने के लिए बेताव हैं। दोनों भाइयों ने देखा कि अलग रहने से न केवल उनकी ताकत कम हुई बल्कि खत्म भी हो गई।

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि मुझे यकीन नहीं है कि उन्होंने अपने मतभेद सुलझाए हैं...मेरा मानना है कि वे सिर्फ अपने राजनीतिक फ़ायदे के लिए साथ आए हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके दिल इतनी जल्दी जुड़ जाते और राजनीतिक मतभेद खत्म हो जाते। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ''एकसाथ रहने के लिए साथ आए हैं।'' उद्धव ने करीब 20 वर्ष बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख के साथ राजनीतिक मंच साझा किया।

उन्होंने कहा कि वह और राज मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता पर कब्जा करने वाले है। उद्धव ने कहा, ''हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं। दो दशकों के बाद उद्धव और राज ने सार्वजनिक मंच साझा किया और 'आवाज मराठीचा' नामक एक विजय सभा आयोजित की जो राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी के रूप में हिंदी को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाने के लिए की गई।

केरल में निपाह वायरस ने फिर दी दस्तक, दो संदिग्ध मिले, तीन जिलों में अलर्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल में निपाह वायरस के संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से मुस्तैद है। कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें मरीजों के हिस्ट्री और लक्षणों पर नजर रखेंगी। साथ ही लोगों को इस बारे में जानकारी भी देंगी। अधिकारियों को मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में कुछ संदिग्ध मामले मिले हैं। ये मामले कोझिकोड और मलप्पुरम के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में नियमित जांच के दौरान सामने आए। केरल में निपाह वायरस के संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। दो लोगों में इस बीमारी के लक्षण दिखने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। शुक्रवार को केरल के तीन उत्तरी जिलों- कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ में अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान में सैंपलों को जांच के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने स्थिति का जायजा लेने के लिए एक आपात बैठक की और निवारक उपायों को सख्त करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि सरकार इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। पुलिस से भी मदद मांगी गई है ताकि रोगियों के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा सके।

स्टालिन के खिलाफ पलानीस्वामी ने भरी हुंकार, नया लोगो और नारा जारी किया

-7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा राज्यव्यापी अभियान

चेन्नई (एजेंसी)। देश के दक्षिण राज्य तमिलनाडू में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। इस लेकर एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने राजधानी चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय 'एमजीआर मालिगई' से एक नया लोगो और नारा जारी करके अपने 2026 के विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने घोषणा की कि 'मक्कलाई कप्पोम, तमिजहागथाई मीटपोम' (आइए लोगों की रक्षा करें, आइए तमिलनाडु को मुक्ति दिलाएं) शीर्षक से उनका राज्यव्यापी अभियान 7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा, जो पहले चरण में आठ जिलों को कवर करेगा।

नए लांच किए गए अभियान के लोगो में एआईएडीएमके के झंडे के साथ दो पत्ते, क्रांति का प्रतीक एक उठी हुई मुट्ठी और 'पुरात्ची तमिजहरिन एझुची पयानम' और 'तमिलगाथई कप्पोम, मकलाई मीटपोम' के नारे शामिल हैं, जो तमिलनाडु के लोगों की रक्षा और उत्थान के पार्टी के मिशन को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि पेरारिगनार अन्ना के पदचिन्हों पर चलते हुए, हमारे नेता एमजीआर और अम्मा ने लोगों के लिए अपना पूरा जीवन खपा दिया है। एआईएडीएमके उसकी अनुसरण करते हुए लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर तीखा कटाक्ष कर पलानीस्वामी ने कहा, मुख्यमंत्री स्टालिन कहते हैं कि विपक्षी नेता अब केवल लोगों से मिल रहे हैं। लेकिन स्टालिन को लगता है कि वे मेरे बारे में बोल रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे अपने बारे में कह रहे हैं। मैं हमेशा लोगों के साथ रहता हूं। पलानीस्वामी ने स्पष्ट किया कि हालांकि यह एक अभियान यात्रा थी, लेकिन इसका राजनीतिक लक्ष्य कहीं अधिक बड़ा है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य इस दुष्ट सरकार को हटाना है। उन्होंने 2026 के राज्य चुनावों से पहले टकराव का स्वर भी दिखाया। उन्होंने कहा, डीएमके को हराने के लिए सभी समान विचारधारा वाली पार्टियों को एकजुट होना चाहिए। उन्हें हमारे अनुरोध को भी स्वीकार करना चाहिए, जो हमारी राय है।

दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होना खुशी की बात: रिजिजू

-दुनिया भर से भक्त और अनुयायी धर्मशाला पहुंचे, लंबी उम्र की प्रार्थना की

धर्मशाला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को धर्मशाला में तिब्बती आध्यात्मिक नेता और 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई, जबकि उनका 90वां जन्मदिन रविवार को मनाया जाएगा। रिजिजू ने कहा कि वह दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने यहां आए हैं। दुनिया भर से भक्त यहां आए हैं और मुझे खुशी है कि मैं भी इसमें शामिल हो रहा हूं।

किरेन रिजिजू के अलावा अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू और प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे भी दलाई लामा के जन्मदिन समारोह में शामिल होने पहुंचे हैं। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक दलाई लामा का जन्मदिन आधिकारिक तौर पर 6 जुलाई को मनाया जाता है। इस मौके को तिब्बती समुदाय और अनुयायी उत्सवी भावना और भक्ति के साथ मनाते हैं। 2 जुलाई को दलाई लामा ने कहा कि उनके द्वारा स्थापित संस्था गदेन फोडरंग ट्रस्ट केवल भावी पुनर्जन्मों को मान्यता दे सकती है और इस मामले पर फैसला लेने का अधिकार किसी और को नहीं है।

बता दें दलाई लामा ने बुधवार को कहा था कि भविष्य के दलाई लामा को मान्यता देने की प्रक्रिया 24 सितंबर 2011 के बयान में स्पष्ट रूप से की गई है, जिसमें कहा गया है कि ऐसा करने की जिम्मेदारी केवल गदेन फोडरंग ट्रस्ट, परम पावन दलाई लामा के कार्यालय के सदस्यों पर होगी। उन्हें तिब्बती बौद्ध परंपराओं के प्रमुखों और दलाई लामाओं की वंशावली से अविभाज्य रूप से जुड़े विश्वसनीय शपथबद्ध धर्म रक्षकों से परामर्श करना चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष बनने की रेस में आधा दर्जन दिग्गज, इसमें 3 महिला, 3 पुरुष शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के प्रदेशों में भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ती के बाद अब भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना है।दिलचस्प बात यह है कि इस बार चर्चा है कि पार्टी अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। हालांकि, अब तक दावेदारों में 6 नेताओं के नाम सामने आ चुके हैं। उनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। मौजूदा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन चुनावों को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यकाल को जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। अब, भाजपा नए अध्यक्ष की नियुक्ति की तरफ आगे बढ़ रही है।

पुरुष दिग्गजों की बात करें तो ओडिशा से आने वाले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भाजपा का कुशल रणनीतिकार माना जाता है। वे ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं और पार्टी के आंतरिक हलकों में गहरी पैठ रखते हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई चुनावी मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन किया है। मामा के नाम से लोकप्रिय शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अब केंद्र में मंत्री हैं। वे भाजपा के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में गिने जाते हैं। उनकी सहजता, सादगी और ग्रामीण भारत में पकड़ उन्हें पार्टी का एक जन-चेहरा बनाती है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर अब केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। उनकी प्रशासनिक साख और संघ से निकटता उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उपयुक्त बनाती है। वे पार्टी के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अनुशासन और कार्यसंस्कृति पर विशेष बल देता है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा अगला अध्यक्ष चुनते समय तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रख रही है। उनमें संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन और जातीय समीकरण। महिला नेतृत्व की संभावना इसलिए भी मजबूत मानी जा रही है क्योंकि भाजपा ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पास कराया था। इसके अलावा, हालिया चुनावों में महिला वोटर्स ने भाजपा को निर्णायक समर्थन दिया है। एक महिला अध्यक्ष पार्टी को सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा संदेश देने में मदद कर सकती है।

देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण न केवल भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत का मजबूत प्रतिनिधित्व करती रही हैं। वे तमिलनाडु से आती हैं, जहां भाजपा अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। उनकी प्रशासनिक दक्षता और पार्टी नेतृत्व से करीबी उनकी उम्मीदवारी को मजबूत बनाती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और एनटी रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी हाल ही में आंध्र प्रदेश भाजपा प्रमुख रही हैं। वे पार्टी के ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ जैसे कूटनीतिक मिशन का हिस्सा भी रह चुकी हैं। उनकी बहुभाषीयता और राजनीतिक विरासत उन्हें एक प्रभावशाली दक्षिण भारतीय चेहरा बनाती है।कोयंबटूर दक्षिण से विधायक वानाथी श्रीनिवासन भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं। 1993 से पार्टी से जुड़ी श्रीनिवासन को 2022 में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति में जगह मिली थी।

ऐसा करने वाली पहली तमिल महिला नेता बनीं। वे जमीनी कार्यकर्ता और संगठन की नब्ज समझने वाली नेता मानी जाती हैं।

जानकारी

क्यों आते हैं खर्राटे?

दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें इलाज, जानें क्यों आते हैं?

खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें समाधान

समय पर न सोने की वजह से भी आ सकते हैं खर्राटे। बढ़ता वजन भी खर्राटे की वजह बनता है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल से भी खर्राटे आते हैं दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। दिन भर की थकान या और भी कई दूसरे कारण खर्राटों की समस्या को पैदा कर देते हैं। क्या आपने भी अपने खर्राटों से दूसरों की नींद खराब कर रखी है या किसी के खर्राटों से रोजाना आपकी नींद खराब हो रही है, तो नीचे दिए गए इन टिप्स को अपनाएं, लेकिन उससे पहले जानें कि खर्राटों की इतनी अजीबो-गरीब आवाजें आती क्यों हैं? इसका कारण (Snoring Causes) है आपके शरीर को ऑक्सिजन पहुंचाने वालों रास्तो का संकरा होना। इसमें आपके गले का पिछला हिस्सा संकरा हो जाता है, इस वजह से ऑक्सिजन संकरी जगह से होती हुई शरीर में पहुंचती है, जिससे आसपास के टिशू वाइब्रेट होते हैं और इससे आवाजें निकलती हैं।

इन 5 तरीकों से जानें कैसे रोकें खर्राटे?

वजन कम करके

कभी-कभार गले में चर्बी के बढ़ने की वजह से भी खर्राटे आते हैं, क्योंकि इससे गले के जरिए शरीर में जाने वाली हवा गले के टिशू में कंपन पैदा करती है।

शराब न पीकर

कई लोगों को शराब की वजह से भी खर्राटे आते हैं। इसीलिए सोने के दो से तीन घंटों पहले शराब न पिएं।

समय पर नींद लेकर

बेवक्त सोने वाले लोगों में भी खर्राटे लेने की समस्या होती है, इसीलिए रोजाना सही वक्त और 7 से 8 घंटों की नींद लेनी चाहिए।

दमा और सर्दी ठीक करके

अस्थमा और सर्दी से परेशान लोगों को भी खर्राटे की परेशानी होती है, क्योंकि उनकी स्वास नली संकरी हो जाती है जिससे गले से आवाजें आती हैं।

स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाकर

खराब डेली लाइफ की वजह से भी खर्राटों की परेशानी होती है। बेवक्त खाना-पीना, ठीक से आराम न करना, सिगरेट आदि भी खर्राटों की वजह बनते हैं।

मेलेनोमा कैंसर के बड़े कारणों के पीछे जीन्स भी हैं जिम्मेदार

शोध में हुआ खुलासा

मेलेनोमा एक प्रकार का कैंसर है, जो बोन मेरो के प्लाज्मा सेल्स में विकसित होता है। मेलेनोमा को मैलीगनेंट (घातक) मेलेनोमा भी कहा जाता हैं। मेलेनोमा का प्राथमिक कारण सूर्य के किरणों के साथ आने वाले यूवी रेज हैं। पर शोधकर्ताओं की मानें तो, 22 प्रकार के अलग-अलग जीन हैं, जो यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि किसी व्यक्ति में मेलेनोमा होने के पीछे कितना यूवी रेज का हाथ है। दरअसल जब सूर्य से आने वाली परबैंगनी प्रकाश (यूवी रेंज) त्वचा के निम्न-स्तर वाले सेल्स पर पड़ती हैं, तो मेलेनोमा खतरा बढ़ जाता हैं। यूवी प्रकाश या तो सूर्य से या फिर अन्य टैनिंग स्त्रोतों से आ सकता हैं। इसी को लेकर शोध में कहा गया है कि मेलेनोमा किसी को सिर्फ यूवी रेज के कारण नहीं होता है, बल्कि इसके पीछे कुछ अनुवांशिक कारण भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इस शोध के बारे में।

क्या कहता है शोध?

ब्रिटिश जर्नल, जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित इस शोध की मानें, तो लोगों के जीन इस बात को तय करते हैं कि वे कितने यूवी सेंसिटिव हैं। शोध में कहा गया है कि जिन लोगों को मेलेनोमा कैंसर हुआ है, उसके एक कारणों में उनकी आनुवंशिकी यानी कि जीन फेक्टर भी शामिल हैं। मेलेनोमा के जोखिम वाले लोगों के लिए, बचपन से ही सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव होना एक मजबूत कारणों में से एक है। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया में त्वचा कैंसर की दर सबसे अधिक है। हर साल 12,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को आक्रामक मेलेनोमा का निदान किया जाता है, जो बीमारी का सबसे घातक रूप में होते हैं। क्यूआईएमआर बरगॉफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के कैंसर नियंत्रण समूह के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डेविड व्हिटमैन ने कहा कि अवधारणा को अच्छी तरह से समझने के लिए, अध्ययन में त्वचा कैंसर के सबसे बड़े अनुवांशिक अध्ययन क्यूस्किन के डेटा का उपयोग किया गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जीन और सूर्य के संपर्क ने एक व्यक्ति को कैसे प्रभावित किया। व्हिटमैन ने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि जीन से प्रभावित लोग त्वचा कैंसर के शिकार ज्यादा होते हैं, क्योंकि ऐसे लोग बचपन से ही ऑस्ट्रेलिया के धूप जलवायु के जोखिम को संभाल नहीं पाते, इसलिए मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ाने वाले अन्य कारकों में शामिल हैं

- **गोरी त्वचा-** अगर आपकी त्वजा गोरी है, तो आप मेलेनोमा को विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं, उनकी तुलना में जो ड्राक शेड्स के हैं। मेलेनोमा गहरे रंग के लोगों में भी विकसित हो सकता है, जिसमें हिस्पैनिक -लोग और काले लोग भी शामिल हैं।
- **सनबर्न का इतिहास-** एक या एक से अधिक गंभीर ब्लिस्टरिंग सनबर्न आपके मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- यूवी रेज का जोखिम
- भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई पर रहना
- मेलेनोमा का एक पारिवारिक इतिहास

गर्म जगहों पर पैदा होने वालों में 50 प्रतिशत बढ़ जाता है मेलानोमा का खतरा

शोधकर्ताओं की मानें, तो लोगों में आनुवांशिक कारण से मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है। ऐसे में ये लोग भले ही बहुत देर तक धूप में न रहते हों पर इनके जीन सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव है, इसलिए इन्हें मेलेनोमा कैंसर हो सकता है। शोध में कहा गया है कि कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जो लोग गर्म जगह में पैदा होते हैं और बड़े होते हैं, उनमें मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है, जबकि जो लोग वयस्कों के रूप में ऑस्ट्रेलिया में पलायन करते हैं, जिनके जीन समान होते हैं, उनमें घातक बीमारी विकसित होने की संभावना कम होती है। शोध में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि लगभग 20 साल की उम्र तक यूवी रेज के ज्यादा संपर्क में रहना उच्च आनुवांशिक जोखिम वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यह मेलानोमा को ट्रिगर करता है और ऐसे लोग एक उम्र में जाकर मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

सेहत

तेजी से लोकप्रिय हो रही घी कॉफी, जानिए इसके फायदे

प्राचीन काल से घी का उपयोग भारतीय व्यंजनों और आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है। कॉफी में घी डालने से इसके गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। जैसे - यह वजन घटाने में मदद करता हैं। बटर कॉफी की तुलना में घी कॉफी बहुत अधिक पौष्टिक और मीठी मानी जाती है।

जानिए घी कॉफी के फायदे

एसिडिटी से राहत: बहुत से लोगों को खाली पेट कॉफी पीना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि इससे एसिडिटी होती है, लेकिन इसमें थोड़ा-सा घी डालने से एसिडिटी और जलन से राहत मिलती है। घी मिलाने से कॉफी ब्यूटिरिक एसिड और ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर हो जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं और हेल्दी मेटाबॉलिज्म में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायक: अगर आप कीटो डाइट पर हैं तो सुबह घी कॉफी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। यदि आपका शरीर कीटोसिस में नहीं है और आप घी कॉफी पी रहे हैं, तो वजन बढ़ेगा। यानी जो लोग वजन बढ़ाना चाहते हैं, वो इस तरह लाभ ले सकते हैं। कॉफी संतुष्टि प्रदान करती है और घी में शून्य कार्बोहाइड्रेट होता है। साथ हीओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड वजन कम करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

मूड में सुधार: घी में मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड तंत्रिका ऊतक (नर्व टिश्यू) की वृद्धि और कार्य के लिए फायदेमंद होता है। यह हार्मोन उत्पादन में सुधार करती है, जिससे मूड स्थिर और खुश रहता है।

लैक्टोज का विकल्प: घी उन लोगों के लिए शानदार विकल्प है, जो लैक्टोज का सेवन नहीं कर पाते हैं, क्योंकि घी में दूध के ठोस पदार्थ और प्रोटीन होता है। यह मक्खन की तुलना में आसानी से पचता है।

अधिक ऊर्जा : वैसे भी कॉफी ऊर्जा बढ़ाती है और फोकस (ध्यान) में मदद मिलती है। घी के कारण इसकी ऊर्जा बढ़ाने वाले गुण दोगुना हो जाते हैं। कॉफी में कैफीन होता है, जो ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।

ऐसे बनती है घी कॉफी

घी कॉफी बनाना बहुत आसान है। आप जिस भी ब्रांड की और जैसे भी (लाइट या डार्क) कॉफी पीते हैं, उसमें एक या दो चम्मच शुद्ध घी मिलाएं। घी की यह मात्रा कॉफी की मात्रा पर निर्भर करती है। स्वस्थ आहार के साथ इसे पिएं।

एक चम्मच घी में क्या-क्या होता है

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रिकल्चर (यूएसडीए) के अनुसार एक चम्मच घी में निम्न न्यूट्रिशन होते हैं।

कैलोरी: 150
वसा: 17 ग्राम
संतृप्त वसा: 10 ग्राम
असंतृप्त वसा: 7 ग्राम
कार्बोहाइड्रेट: 0 ग्राम
सोडियम: 90 मिलीग्राम
चीनी: 0 ग्राम
फाइबर: 0 ग्राम
प्रोटीन: 0 ग्राम
कोलेस्ट्रॉल: 25 मिलीग्राम

डायटिशियन और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट कारा हर्बस्ट्रीन ने अपने एक लेख में लिखा है कि घी में अन्य खाद्य पदार्थों की तुलना में संतृप्त वसा अधिक होती है। इसलिए सुबह घी कॉफी का सेवन दिनभर की एनर्जी के लिए अच्छा होता है। इसके बाद यदि आप सुबह का नाश्ता नहीं ले पाते हैं तो भी एनर्जी बनी रहेगी। बटर की तुलना में घी सेहतमंद होता है। ध्यान रखने वाली बात यह है कि घी में कैलोरी ज्यादा होती हैं। सेवन करते समय इस लिहाज से भी ध्यान रखा जाना जरूरी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1768

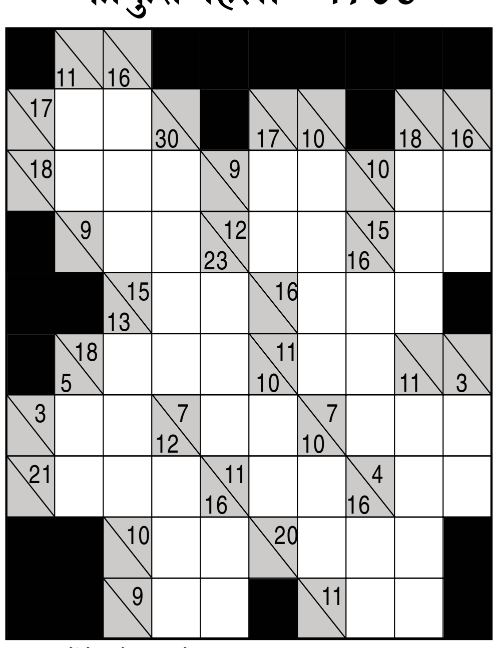

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5
7 ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1767 का हल

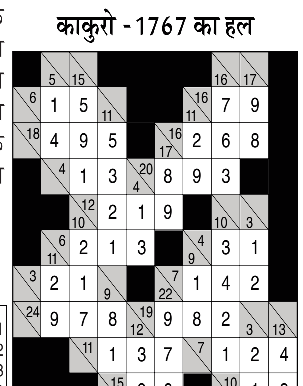

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।
अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।
रमन- ये भी मेरी नहीं है।
अंकल- तो फिर किसकी है?
रमन- लाँड्री वाले की..!

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

फिल्म वर्ग पहेली- 1768

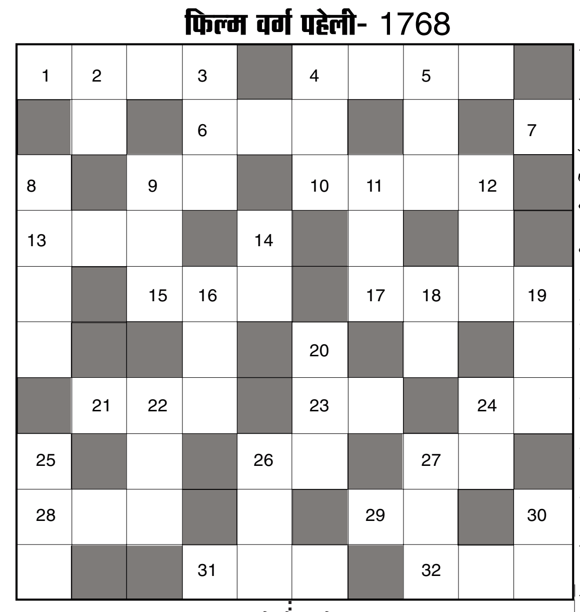

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1767

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		र्ड		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जीं		ग		र		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

सूडोकु -1768

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1767 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 1768

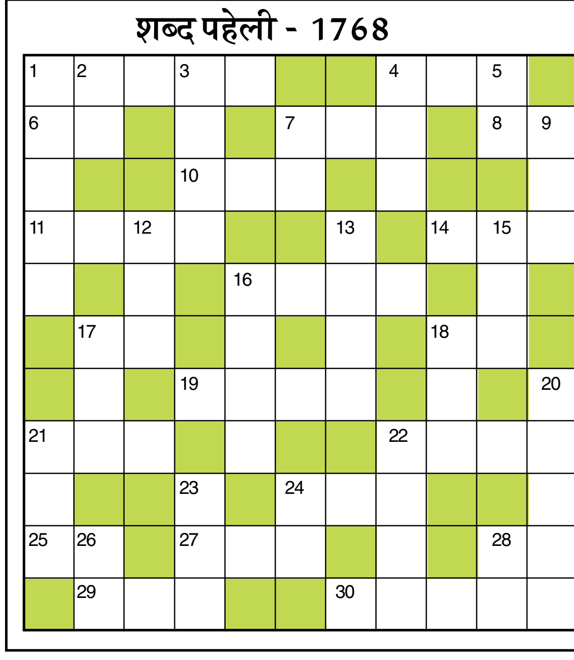

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली - 1767 का हल

	बं	दा	न	वा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
व		ज	म	ज	म		ब	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
व		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ		फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		रो		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	थ	प	थ		र	च	ना	का	र	

छत्तीसगढ़ में स्टॉप डैम धंसने से लापता बुजुर्ग का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं

एजेंसी

महासमुंद/रायपुर। महासमुंद जिले सिंघोडा थाना क्षेत्र के रक्सा गांव में तेज बारिश के बाद स्टॉप डैम धंसने से एक बुजुर्ग मुरूम में दब गया। जमीन में दबे बुजुर्ग शोभा राम का 24 घंटे बाद भी पता नहीं चल सका है। सराइपाली एसडीएम नम्रता चौबे ने बताया कि पानी का बहाव तेज है। घटना स्थल के आसपास पानी रोकने का प्रयास जारी है, 24 घंटे से लगातार हम बुजुर्ग को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। हर संभव कोशिश जारी है और उम्मीद है कि जल्द ही बुजुर्ग को बाहर निकाला जाएगा। एसडीएम ने बताया कि अधेड़ की 15 से 20 फीट नीचे दबे होने की आशंका है। पोकलेन मशीन की सहायता से मिट्टी हटाया जा रहा है। ब्लॉक स्तर के सभी अधिकारी कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं। ओडिशा से एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। गोताखोर नाले के अंदर जाकर भी अधेड़ को खोजने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक कोई सफलता नहीं मिली है, फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रक्सा गांव में तेज बारिश के बाद नाले में पानी के बहाव के कारण स्टॉप डैम अचानक धंस गया।उसी समय शोभाराम नामक बुजुर्ग स्टॉप डैम पर खड़ा था और मुरूम के साथ ही जमीन में समा गया।वहां मौजूद ग्रामीणों ने जैसे ही उसे देखा उन्होंने ढूंढने की कोशिश की लेकिन पता नहीं चला।।

मैत्री पुल पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। भारत-नेपाल सीमा पर रक्सौल स्थित मैत्री पुल पर एसएसबी 47वीं बटालियन ने एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बांग्लादेशी युवक के पास भारत में प्रवेश के लिए कोई वैध वीजा या दस्तावेज नहीं था। एसएसबी के जवानों ने उसे जांच के दौरान पकड़ा। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बांग्लादेश के चमोला निवासी सैयद सफीकुर रहमान के पुत्र 43 वर्षीय सैयद इकबाल के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान इकबाल ने बताया कि वह आठ दिन पहले बांग्लादेश की राजधानी ढाका से फ्लाइट द्वारा नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचा था। इसके बाद वह भारत-नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करना चाह रहा था। एसएसबी द्वारा जब उससे भारत में प्रवेश के उद्देश्य के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि वह इलाहाबाद (प्रयागराज) होते हुए अजमेर शरीफ जाने की योजना बना रहा था। एसएसबी ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए खुफिया एजेंसियों को जानकारी दी गई।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान, 203 हथियार, आईईडी और ग्रेनेड जब्त

इम्फाल। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने एक बड़े अभियान ते तहत भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह तलाशी अभियान 3 जुलाई की रात से 4 जुलाई की सुबह तक चला। सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर मणिपुर पुलिस, असम राइफल्सझ्सेना और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीमों ने टेंग्नौपाल, कांगपोकपी, चंदेल और चुराचांदपुर जिलों के पहाड़ी और सुदूर इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया।इस संयुक्त कार्रवाई में कुल 203 हथियार बरामद किए गए, जिनमें 21 इंसास राइफल, 11 एके-सीरीज राइफल, 26 एसएलआर, दो स्नाइपर राइफल, तीन कार्बाइन, 17 नग .303 राइफल, दो एमए असॉल्ट राइफल, दो मोर्टार (51 मिमी), तीन एम 79 ग्रेनेड लांचर, 38 %पॉम्पी% देसी हथियार और कई अन्य देसी हथियार, पिस्टल व बोल्ट-एक्शन राइफलें शामिल हैं। इन सबके अलावा, 30 आईडी, 10 हैंड ग्रेनेड, नौ पॉम्पी शेल, दो लाथोड ग्रेनेड और बड़ी संख्या में 5.56 मिमी और 7.62 मिमी के जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। अभियान में शामिल अधिकारियों का मानना है कि ये हथियार उग्रवादी समूहों या असामाजिक तत्वों द्वारा भविष्य की हिंसक गतिविधियों के लिए जमा किए गए थे। इस सफलता को मणिपुर में उग्रवाद के ढांचे को ध्वस्त करने और शांति बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सुरक्षा बल अब भी सतर्क है और आने वाले दिनों में और तलाशी अभियानों की संभावना जताई जा रही है।

अमृतसर में रिटायर्ड डीएसपी ने परिवार पर की फायरिंग, बेटे की मौत, पत्नी-बहू घायल

चंडीगढ़। अमृतसर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सेवानिवृत्त डीएसपी ने संपत्ति विवाद में पत्नी, बेटे और बहु पर फायरिंग कर दी। तीनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां बेटे की मौत हो गई। पत्नी और बहु का इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार सीआरपीएफ के रिटायर्ड डीएसपी तरसेम सिंह का परिवार के साथ प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा है। शुक्रवार को दोनों पक्षों में बहस हुई। इसके बाद दोनों पक्ष शिकायत लेकर मजीठा रोड स्थित थाना सदर पहुंचे। दोनों पक्ष बाहर ही थे। इसी दौरान दोनों में दोबारा से झगड़ा शुरू हो गया। इस बीच तरसेम सिंह ने अपनी रिवॉल्वर निकाली और पहले पत्नी जागीर कौर, फिर बेटे बचितर और पुत्रवधू परमजीत कौर को गोली मार दी। तीनों घायल हो गए। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां बेटे बचितर ने दम तोड़ दिया। एसीपी नॉर्थ ऋषभ भोला ने बताया कि आरोपित राजासांसी का रहने वाला है। फायरिंग के तुरंत बाद नाके पर खड़ी पुलिस ने तरसेम सिंह को पकड़ लिया। इसके बाद उसे मजीठा रोड थाने में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार तरसेम की 2 शादियां हुई हैं। पहली पत्नी और बेटे से प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा है। इसी झगड़े के दौरान तरसेम सिंह ने ये कदम उठाया।

स्वराज को बचाने के लिए फिर से लड़ेंगे : शाह

एजेंसी

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के सपनों का भारत बनाने की जिम्मेदारी 140 करोड़ भारतीयों पर है और कभी-कभी 'स्वराज' की रक्षा के लिए लड़ना भी पड़ता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को इसका उदाहरण बताया। अमित शाह ने नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) परिसर में मराठा गौरव के प्रतीक और महान देशभक्त श्रीमंत बाजीराव पेशवा की प्रतिमा का अनावरण किया। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, जब स्वराज के लिए लड़ने की जरूरत थी, तो हमने लड़ाई लड़ी। स्वराज को बचाने के लिए लड़ने की जरूरत है, तो हम फिर लड़ेंगे। ऑपरेशन सिंदूर इसका उदाहरण है। लेकिन स्वराज के साथ-साथ महान भारत के विचार में शिवाजी महाराज की अवधारणा भी शामिल है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल और केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर

मोहोल समेत अन्य बड़े नेता भी मौजूद थे। गृह मंत्री ने कहा, ÷हमारा लक्ष्य ऐसा भारत बनाना होना चाहिए, जो पूरी दुनिया में नंबर वन हो। यदि कोई व्यक्तित्व इस लक्ष्य के लिए परिश्रम, समर्पण और बलिदान की प्रेरणा देता है तो वह श्रीमंत बाजीराव पेशवा हैं। अमित शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विकास और विरासत' का सूत्र दिया है। हमारी हजारों साल पुरानी संस्कृति में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं, जो आज भी हमें प्रेरित करते हैं। उनका इतिहास आज के युवाओं को बताने की जरूरत है। बाजीराव कभी अपने लिए नहीं लड़े। वह देश और स्वराज्य के लिए लड़े। अंग्रेजों ने इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। इतनी शक्ति और सामर्थ्य के बावजूद बाजीराव जीवनभर पेशवा बने रहे और स्वराज्य के लिए लड़ते रहे। अपने 40 साल के जीवन में उन्होंने एक अमर इतिहास लिखा, जिसे आने वाले कई सदियों तक कोई दोहरा नहीं सकेगा। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा, युद्ध की कला के कुछ नियम कभी खत्म नहीं होते हैं। युद्ध में व्यूह रचना और तेजी के महत्व के अलावा समर्पण, देशभक्ति और बलिदान का भाव महत्वपूर्ण हैं। यही सेनाओं को विजय दिलाते हैं, बस हथियार बदलते रहते हैं। 500 साल के भारतीय इतिहास में इन सभी गुणों का सबसे अनुकरणीय उदाहरण श्रीमंत बाजीराव पेशवा में ही मिलता है।

देहरादून में नागरिक उड्डयन सम्मेलनः उड़ान योजना और ड्रोन नीति पर जोर

एजेंसी

देहरादून। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू की उपस्थिति में शुक्रवार को देहरादून में मिनिस्टर कॉन्फ्रेंस ऑन सिविल एविएशन (नॉर्दर्न रीजन) का आयोजन हुआ। मसूरी रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित इस सत्र में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में राज्यों के लिए अवसरों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने हवाई कनेक्टिविटी, ड्रोन नीति और प्रशिक्षण संस्थानों की आवश्यकता पर प्रस्तुतियां दीं।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव (एसीए) असांगबा चुबा ने बताया कि उड़ान योजना के तहत विभिन्न राज्यों के साथ हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है, साथ ही नए मार्गों में हवाई संचालन के लिए नई संभावनाओं पर भी कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया देश में अब तक उड़ान योजना के तहत 625 आरसीएस रूट कनेक्ट किए जा चुके हैं। इस योजना का लाभ अब तक 1.53 करोड़ से अधिक यात्री ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगले 10 साल में 4 करोड़ यात्रियों को हवाई सेवा का लाभ देने के लिए मॉडिफाइड उड़ान स्कीम शुरू की जाएगी। इस स्कीम के जरिए 120 गंतव्यों को आपस में जोड़ा जाएगा।केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव (एमएसएस) मधु सूदन शंकर ने बताया कि हवाई कनेक्टिविटी के संचालन के लिए हमारे पास आवश्यकता के अनुसार मानव संसाधन भी होने चाहिए। पायलट, तकनीशियन, ग्राउंड स्टाफ से लेकर एयर ट्रैफिक कंट्रोल तक हर स्तर पर मानव संसाधन की आवश्यकता होती है।

कोई भी नेता संविधान से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्दों को नहीं हटा सकता : मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

हैदराबाद। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने मजबूती के साथ काम किया, जिससे राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी। इसका श्रेय सभी कार्यकर्ताओं को जाता है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि तेलंगाना में ऐसी सरकार थी, जिसके पास बहुत सारा पैसा था। वे कहते थे कि राज्य में केसीआर के अलावा किसी और की सरकार नहीं बनेगी। आपने ऐसे लोगों को हराकर कांग्रेस की सरकार बनाई और तेलंगाना में पार्टी को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हैदराबाद में बहुत सारे पब्लिक इंस्टिट्यूशन बनाए। केंद्र सरकार ने 50 इंस्टिट्यूशन और बड़े-बड़े कारखाने यहां बनाए। ये सभी कांग्रेस की देन हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने लोगों से 15-15 लाख रुपए देने, हर साल दो करोड़ लोगों को नौकरी और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन कुछ भी नहीं किया, सिर्फ झूठ बोला। जनता को झूठ बोलकर भाजपा सत्ता में आई।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कहा था कि पाकिस्तान को बर्बाद कर देंगे, जिसमें विपक्ष ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन

इन्होंने कुछ भी नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने पाकिस्तान और हिंदुस्तान का युद्ध खत्म किया, लेकिन पीएम मोदी इस बात पर चुप हैं। हमें ट्रंप की जरूरत नहीं है। हम मजबूत हैं और लड़ने के लिए तैयार हैं। जैसे इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए थे, हम भी कर सकते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री बड़ी-बड़ी बातों के अलावा कुछ नहीं करते। खड़गे ने कहा, आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले कहते हैं कि हमें संविधान से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटा देना चाहिए। मैं पीएम मोदी, अमित शाह या भाजपा-आरएसएस को चैलेंज करता हूं कि कोई भी नेता इस शब्द को नहीं निकाल सकता। मैं भाजपा के पार्टी के संविधान की चार लाइन सुनाना चाहता हूं - पार्टी भारत को एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के रूप में बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो आधुनिक, प्रगतिशील और प्रबुद्ध दृष्टिकोण वाला हो और जो भारत की प्राचीन संस्कृति, मूल्यों और गर्व से प्रेरणा लेता हो। पार्टी कानून द्वारा स्थापित भारत के संविधान और समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखेगी एवं भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखेगी। पीएम मोदी, अगर आपको सेक्युलरिज्म और सोशलिज्म शब्द से नफरत है तो ये भाजपा के संविधान में क्यों लिखे हैं?

महागठबंधन के नेताओं के साथ राज्य निर्वाचन आयोग पहुंचे तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव शुक्रवार को महागठबंधन के नेताओं के साथ राज्य निर्वाचन आयोग पहुंचे और लिस्ट पुनरीक्षण कार्य पर आपत्ति जताई। इस दौरान तेजस्वी यादव के साथ वीआईपी चीफ मुकेश सहनी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के अलावा महागठबंधन के कई नेता मौजूद रहे। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 को लेकर बिहार की सियासत में नया विवाद छिड़ गया है। एक तरफ जहां सत्ताधारी दल इसका समर्थन कर रहे हैं तो वहीं विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बनाकर सरकार और चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश में लगा है। बिहार में हो रहे मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष लगातार आपत्ति जता रहा है। आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं ने बीते बुधवार

को नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयोग के दफ्तर में पहुंच कर अपना ज्ञापन सौंपा था। इस दौरान राजद, कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई माले, सपा समेत 11 पार्टियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग के समक्ष अपनी बातें रखी। बिहार में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पहले यह आरोप लगा चुके हैं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग गरीबों का नाम मतदाता सूची से हटा रहा है। तेजस्वी यहां तक आरोप लगा चुके हैं कि चुनाव आयोग भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा है और गरीबों का हक मारने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने की 'पर्वतीय विमानन नीति' की मांग, कहा- पहाड़ों की हवाई सेवाएं बनें जीवन रेखा

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय से पर्वतीय राज्यों के लिए एक पृथक 'पर्वतीय विमानन नीति' बनाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस नीति में विशेष वित्तीय सहायता, संचालन के लिए सब्सिडी और पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अनुकूल नियम शामिल किए जाने चाहिए।देहरादून स्थित एक होटल में आयोजित नागर विमानन सम्मेलन-2025 में मुख्यमंत्री धामी ने यह मांग केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू की उपस्थिति में उठाई। सम्मेलन में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के नागर विमानन मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के नागर विमानन क्षेत्र

में आई ऐतिहासिक प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों और दुर्गम क्षेत्रों को हवाई संपर्क से जोड़कर न केवल आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में वर्तमान में 18 हेलीपोर्ट्स का विकास किया जा रहा है, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। हेली सेवाएं उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि जीवन रेखा बन चुकी हैं। चाहे आपदा प्रबंधन हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों या तीर्थयात्रा, हेलीकॉप्टर सेवाओं ने इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुविधा प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने पर्वतीय विमानन की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिया, जिनमें एटीसी नेटवर्क, सटीक मौसम पूर्वानुमान, स्लॉटिंग और आपदा-पूर्व तैयारी जैसे प्रावधान शामिल है। मुख्यमंत्री ने सभी ऑपरेटरों से भी पर्वतीय उड़ानों के लिए विशेष पायलट प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों का कठोर पालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के कैबिनेट मंत्री गौतम कुमार , हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन और संबंधित राज्यों के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड की मीनाक्षी नेगी बेंगलुरु में इमर्जिंग वूमेन टूर्नामेंट की फिजियोथैरेपिस्ट नियुक्त

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की बेटी मीनाक्षी नेगी का बेंगलुरु में होने जा रहे इमर्जिंग वूमेन'स टूर्नामेंट में फिजियोथैरेपिस्ट के लिए चयन किया गया है। वह टूर्नामेंट के टीम डी की फिजियोथैरेपिस्ट के रूप में अपनी सेवा देंगी। बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के क्रिकेट हेड वीवीएस लक्ष्मण ने उनको नियुक्ति पत्र देते हुए 11 जुलाई तक रिपोर्ट करने को कहा है।

गौरतलब है कि बेंगलुरु में 12 जुलाई से 27 जुलाई तक इमर्जिंग वूमेंस टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड के सचिव माहिम वर्मा ने मीनाक्षी नेगी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड के लिए एक उपलब्धि है।

हिमाचल में पांच दिन भारी बारिश की चेतावनी, तीन जिलों में रेड अलर्ट जारी

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून एक बार फिर कहर बनकर टूट सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने राज्य में आगामी पांच दिनों तक भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। खासतौर पर कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों के लिए 6 जुलाई को रेड अलर्ट घोषित किया गया है। विभाग के अनुसार 5 से 9 जुलाई के बीच राज्य के ज्यादातर हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा और कई जिलों में भारी वर्षा के कारण भूस्खलन की आशंका जताई गई है। 6 व 7 जुलाई के बीच बारिश की तीव्रता सबसे अधिक रहने की संभावना है, ऐसे में राज्य सरकार और जिला प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने को कहा गया है। मौसम विभाग के अनुसार 5 जुलाई को राज्य के अधिकतर हिस्सों में येलो

और ऑरेंज अलर्ट रहेगा। 6 जुलाई को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में रेड अलर्ट, जबकि अन्य जिलों (किन्नौर और लाहौल-स्पीति को छोड़कर) में ऑरेंज अलर्ट लागू रहेगा। 7 जुलाई को किन्नौर और लाहौल-स्पीति को छोड़कर बाकी 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट रहेगा। 8 जुलाई को फिर से येलो और ऑरेंज अलर्ट, जबकि 9 व 10 जुलाई को भी प्रदेश में मौसम खराब रहने की संभावना जताई गई है। इस बीच, भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रुक-रुककर वर्षा होती रही। बीते 24 घंटों के भीतर अघ्घर में सर्वाधिक 71 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा सराहन व शिमला में 40-40 मिमी, नगरोटा सूरियां, करसोग व कंडाघाट में 30-30 मिमी, कांगड़ा, पालमपुर व मंडी में 20-20 मिमी और बरठीं, कसौली व बिलासपुर में 10-10 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं, पिछले दिनों की भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से कई स्थानों पर भारी तबाही हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार 20 जून से अब तक वर्षा से जुड़े हादसों में 69 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 37 लोग लापता हैं।

राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी को मजबूत और तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने पर हुआ विचार

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई जबकि कल यानी 5 जुलाई को राजद की राष्ट्रीय परिषद की बैठक होगी। इसमें लालू प्रसाद यादव को 13वीं बार राजद का अध्यक्ष बनाया जाएगा। आज राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य रूप से दो अहम बिन्दुओं पर सबसे अधिक जोर रहा। पहला बिहार विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना और दूसरा पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करना।राजधानी के होटल मौर्या में पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, सांसद, विधायक और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्य शामिल हुए। इसमें बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर रणनीति बनाने और पार्टी को मजबूत करने पर जोर दिया गया। लालू ने भी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनता के बीच जाने और उनकी समस्याओं को उठाने का आह्वान किया तो बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि गठबंधन के तहत सभी सहयोगी दलों के

साथ मिलकर एनडीए का मजबूती से मुकाबला किया जाएगा। इस दौरान राजद के राज्यसभा सदस्य प्रो मनोज झा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह बैठक चुनावी साल में पार्टी की दिशा तय करने के लिए बुलाई गई है। उन्होंने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के प्रस्ताव पर कहा कि अगर मकसद भाजपा की नफरत वाली राजनीति को हराना है, तो कई बार चुनाव न लड़ने का फैसला भी राजनीतिक समझदारी का हिस्सा होता है। उन्होंने कहा कि मैं एक ही बात कहूंगा कि असदुद्दीन ओवैसी का जनाधार हैदराबाद में है। बिहार में उनके चुनाव लड़ने से क्या फर्क पड़ता है, यह वह खुद और उनके सलाहकार जानते हैं। अगर आप सच में भाजपा को हराना चाहते हैं, तो कभी-कभी चुनाव न लड़ने का फैसला भी वैसा ही मजबूत फैसला होता है। मुझे उम्मीद है कि वे इस पर विचार करेंगे। मनोज झा ने कहा कि बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति और प्रचार अभियान की रूपरेखा तय करने के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय करने और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। तेजस्वी ने पहले ही हर बूथ पर कम से कम दो सक्रिय कार्यकर्ताओं की मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

ईडी ने अस्थायी रूप से अटैच की सोना तस्करी के आरोपितों की 3.76 करोड़ की संपत्तियां

एजेंसी

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रायपुर यूनिट ने सोना तस्करी सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आरोपितों सचिन केदार और पुरुषोत्तम कवले की करीब 3.76 करोड़ की संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की है। इनमें बैंक खातों में जमा रकम, फ्लैट्स और जमीनें शामिल हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट 2002 के तहत की गई है।

जांच एजेंसी के अनुसार, इस केस में तस्करी किए गए विदेशी सोना और चांदी के रूप में कुल 260.97 करोड़ की अवैध संपत्ति का अनुमान है। अभी तक ईडी कुल 64.14 करोड़ की संपत्तियां जब्त या अटैच कर चुकी है। यह जांच डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस द्वारा कस्टम्स एक्ट 1962 की धारा 135 के तहत दर्ज अभियोजन शिकायत के आधार पर शुरू की गई थी। तस्करी करके सोना लाने वाले कैरियर्स को डीआरआई ने पकड़ा था। बरामद सोना विदेशी मूल का था, जिसे भारत में अवैध तरीके से लाकर रायपुर में खपत के लिए भेजा गया था। इसका मास्टरमाइंड विजय बैद उर्फ विक्की को बताया गया है। ईडी की जांच में सामने आया कि सचिन केदार ने विजय बैद के निर्देश पर कोलकाता से रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, नागपुर और मुंबई तक विदेशी सोने की तस्करी की। यह सोना भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के जरिए लाया गया था।

खाद्य सुरक्षा में ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता-4 में इंदौर जिला देश में अव्वल

एजेंसी

इंदौर। देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के क्रियान्वयन में भी अग्रणी बन गया है। इंदौर जिला ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता-4 में देश में अव्वल आया है। इसकी अधिकृत घोषणा शीघ्र ही होने वाली है। इंदौर को ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता में 200 में से 180 अंक मिले है। यह जानकारी शुक्रवार को यहां कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक में दी गई। बैठक में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन, खाद्य कारोबारियों के पंजीयन, प्रशिक्षण, निरीक्षण, नमूना संग्रहण, न्यायालयीन कार्रवाई और जनजागरूकता से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता की गतिविधियों में उल्लेखनीय सहयोग देने वाले संस्थानों और प्रतिष्ठानों को सम्मानित किया। बैठक में अपर कलेक्टर गौरव बेनल, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और संस्थाओं के सदस्य मौजूद थे। गत वित्तीय वर्ष एक अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक 869 लीगल और 2481 सर्विलेंस नमूने लिए गए। जबकि जारी वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल से 30 जून, 2025 तक 315 लीगल और 490 सर्विलेंस नमूने संग्रहित किए गए। वर्ष 2024-25 में 110 न्यायालयीन प्रकरण दायर किए गए। जिनमें 193 मामलों में निर्णय होकर एक करोड़ 88 लाख का अर्थदंड लगाया गया और 82.38 लाख की वसूली हुई। पंजीयन से 2.45 करोड़ (2024-25) और जारी वर्ष में 41.30 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। ईट राईट चैलेंज-4 के तहत इंदौर को 200 में से 180 अंक प्राप्त हुए। जिले में दो ईट राईट स्टेशन, दो स्ट्रीट फूड हब, 9 कैंपस, 5 स्कूल चिन्हित किए गए। 702 फूड हैंडलर्स को स्नश्स्ज्ञ्ड्डष्ट प्रशिक्षण दिया गया, चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला (एमएफटीएल) के माध्यम से 2100 से अधिक खाद्य उत्पादों का परीक्षण हुआ और 85 जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बैठक में कलेक्टर ने ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता की गतिविधियों में उल्लेखनीय सहयोग देने पर फतेहाबाद- चंद्रावती गंज एवं गौतमपुरा रोड रेलवे स्टेशन, अन्नपूर्णा मंदिर एवं रंजीत हनुमान मंदिर, ग्रैंड शेरटन, रेडिसन, मैरियट होटल, गीता भवन हॉस्पिटल, रजत जयंती कॉम्प्लेक्स, द हब चौपाटी और चोइथराम नॉर्थ कैंपस, शासकीय सांदीपनि नवीन कन्या विद्यालय, शासकीय मिडिल स्कूल सुभाष नगर और शासकीय मिडिल स्कूल चितावद को ÷ईट राईट÷ गतिविधियों में सक्रिय सहयोग के लिए सम्मानित किया। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि खाद्य मिलावट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।
कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है।
अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है

यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस फ्रेंचाइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।

वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।
मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफकिट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है।
एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।
एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।

फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

केबिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालंकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।

शनाया कपूर के लिए विक्रांत को-स्टार ही नहीं मेंटर भी

शनाया कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के प्रमोशन में जुटी हैं। उनके अपोजिट विक्रांत मैसी हैं। इस फिल्म से डेब्यू को तैयार अभिनेत्री ने कहा कि अपने को-स्टार से उन्होंने बहुत कुछ सीखा। शनाया कपूर ने बातचीत के दौरान विक्रांत मैसी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि, विक्रांत का स्वभाव बहुत अच्छा है, वो मदद को तैयार रहते हैं। उनके इस नेचर ने मुझे सेट पर काफी सहज महसूस कराया। वह सेट पर मेरे को-स्टार होने के साथ-साथ मेंटर भी थे, जिसने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की।
अभिनेत्री ने आगे बताया कि, मुझे लगता है कि पहली चीज जो मैंने उनसे सीखी है वह यह है कि एक इंसान के तौर पर वह बहुत उदार हैं, जो उनके काम में भी दिखता है, और मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, क्योंकि वह सच में एक समर्पित अभिनेता हैं। एक अभिनेता के तौर पर हम बस अपनी लाइन, किरदार और कॉस्टयूम के बारे में सोचते रहते हैं।
मैंने एक अभिनेता के तौर पर सीखा कि सबसे पहले आपको एक समर्पित अभिनेता बनना पड़ेगा और पूरे सीन के बारे में सोचना

पड़ेगा। आप बस अपने बारे में नहीं सोच सकते हैं। लेकिन इससे भी अच्छी जो उनकी खासियत थी, वह यह कि उन्होंने मुझे सेट पर सहज महसूस करवाया। उन्होंने सेट पर कभी मुझे यह महसूस नहीं होने दिया कि मैं नई कलाकार हूं, और यह एक अनुभवी अभिनेता की निशानी है यह अविश्वसनीय है क्योंकि उन्हें मेरे लिए ऐसा करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया।
अभिनेत्री ने याद करते हुए बताया कि कैसे विक्रांत अक्सर सीन पर उनसे इनपुट मांगते थे, जैसे कि, तुम मुझे भी बताओ, तुम्हें कैसा लग रहा है? तुम्हें क्या लगता है? क्या हमें इसे इस तरह से करना चाहिए या उस तरह से? अभिनेत्री ने प्रशंसा की कि एक नए व्यक्ति के लिए, ऐसा माहौल आश्चर्यजनक और आरामदायक दोनों था।

अजय देवगन और मेरे बीच फिल्मों को लेकर कभी झगड़ा नहीं हुआ

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने अपने पति अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि जब भी वे फिल्मों को लेकर साथ काम करते हैं, तो उनके बीच कभी कोई लड़ाई या झगड़ा नहीं होता। इंटरव्यू में काजोल ने बताया कि दोनों के बीच एक-दूसरे के लिए बहुत इज्जत और समझदारी है, चाहे वो काम से जुड़ी बात हो या घर की। वह अजय के वित्तीय फैसलों में दखल नहीं देतीं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि अजय के पास इस काम के लिए बेहतर सलाहकार हैं।
काजोल ने कहा, पैसों के मामलों में अजय के पास सलाह देने वाले कई लोग हैं, जो उन्हें बताते हैं कि क्या करना है और क्या नहीं। मैं उस मामले में दखल नहीं देती। जहां तक फिल्म मां का सवाल है, तो हां, हमने इस पर काफी लंबी बातचीत की थी। हमें फिल्म का क्लाइमेक्स भी फिर से शूट करना पड़ा, क्योंकि उसमें वीएफएक्स और एक्शन जैसे कुछ काम बाकी थे। कुल मिलाकर हम दोनों की सोच इस फिल्म को लेकर मिलती-जुलती रही। हमारे बीच कोई बड़ी बहस या झगड़ा नहीं हुआ। काजोल ने अजय देवगन के प्रोड्यूसर बनने के सफर के बारे में बात करते हुए कहा, वह बहुत ही अच्छे प्रोड्यूसर हैं। स्क्रिप्ट से लेकर वीएफएक्स तक, वह हर चीज में खुद शामिल रहते हैं। यहां तक कि फिल्म की मार्केटिंग भी उन्होंने अपनी देखरेख में की। वह ध्यान रखते हैं कि सब कुछ अच्छे से हो और सही तरीके से काम हो। मैं कह सकती हूं कि वह एक बेहतरीन प्रोड्यूसर हैं।
काजोल ने कहा, मैं मानती हूं कि अजय एक ऐसे प्रोड्यूसर हैं, जो साफ सोच रखते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उनकी कंपनी से जो भी फिल्म निकले, वो अच्छी हो, ऐसी हो जिस पर वह गर्व कर सकें और कह सकें कि यह उनकी फिल्म है। कई बार पैसे बचाने के लिए क्वालिटी से समझौता करना आसान होता है, लेकिन अजय ने कभी ऐसा नहीं किया। एक प्रोड्यूसर के तौर पर यह बहुत बड़ी बात है। इसके लिए मैं उनकी तारीफ करती हूं।

दीपिका को मिला हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान

दीपिका पादुकोण को 2026 हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान के लिए चुना गया है। यह सम्मान पाने वाली वो पहली भारतीय हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान मिलने के बाद दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में इसे लेकर रिएक्शन दिया है। उन्होंने ने अपनी स्टोरी में इसके लिए आभार जताया है। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम को मैनेज करने वाली आधिकारिक संगठन 'हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स' की तरफ से 2 जुलाई को इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की गई है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- 'मोशन पिक्चर्स, टेलीविजन, लाइव थियेटर/लाइव परफॉरमेंस, रेडियो, रिकॉर्डिंग और स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट कैटेगरी में एंटरटेनमेंट प्रोफेशनल के एक नए ग्रुप को हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स के वॉक ऑफ फेम चयन पैनल द्वारा हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार प्राप्त करने के लिए चुना गया है। हमें 2026 के वॉक ऑफ फेम क्लास में आपका स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है!'इसके साथ ही उन्होंने हर कैटेगरी के लिए चुन गए आर्टिस्ट का नाम शेयर किया है। दीपिका को मोशन पिक्चर्स कैटेगरी में सम्मान के लिए चुना गया है। इस लिस्ट में दीपिका के अलावा टिमोथी चालमेट, रेचल मैकएडम्स, डेमी मूर, स्टेनली टुची, रामी मालेक और एमिली ब्लंट जैसे इंटरनेशनल आर्टिस्ट शामिल हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम कैलिफोर्निया का फेमस टूरिस्ट लोकेशन है।

प्रियंका ने 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रीमियर पर काम को लेकर की बात

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट के लंदन प्रीमियर में रेड कार्पेट पर शानदार मौजूदगी दर्ज की। उन्होंने बताया कि वह ऐसी भूमिकाएं चुनती हैं, जो हल्की न हों, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाएं। एक इंटरव्यू के दौरान. प्रियंका चोपड़ा ने कहा, मैं अपने काम पर गर्व करना चाहती हूं।

इस फिल्म में वह नोएल बिसेट नाम की एक तेज-तर्रार MI6 एजेंट की भूमिका में हैं, जो हमेशा दस कदम आगे सोचती है। उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसी महिलाओं के किरदार निभाना पसंद है, जो कहानी का हिस्सा बनें, न कि सिर्फ सजावट हों। इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म में उनकी बुद्धिमानी, कॉमेडी और एक्शन का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है।

फिल्म और सह-कलाकार

इल्या नैशुल्लर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इदरीस एल्बा और जॉन सीना जैसे बड़े सितारे हैं, जो विश्व नेताओं की भूमिका में हैं, जबकि प्रियंका की किरदार कहानी को जोड़े रखती है। फिल्म में पैडी कॉन्सिडाइन, कार्ला गुगिनो और जैक क्वैड जैसे कलाकार भी हैं। प्रीमियर में प्रियंका के पति निक जोनस के अलावा कई सेलेब्स ने शिरकत की।

प्रियंका की सलाह

प्रियंका ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा, अभ्यास से ही पूर्णता आती है। असफलता मिले तो हार मत मानो। उन्होंने सलाह दी कि अपने लक्ष्यों पर ध्यान दो और नकारात्मक लोगों की बातों को नजरअंदाज करो। जो लोग आपसे प्यार करते हैं, उन पर ध्यान दो, बाकी लोग मायने नहीं रखते।

मुझे प्रभावित करती है केके मेनन की शैली

मोस्टअवेटेड जासूसी-थ्रिलर स्पेशल ऑप्स 2, 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज में एक्टर ताहिर राज भसीन खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। ताहिर ने अपने को-एक्टर केके मेनन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। ताहिर ने केके मेनन के साथ एक्टिंग को एक बड़ी उपलब्धि और चुनौती बताया। उन्होंने कहा, केके मेनन जैसे दिग्गज एक्टर के सामने काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने उनके हीरो और विलेन दोनों किरदारों को देखकर बहुत कुछ सीखा है। हिम्मत सिंह के रूप में उनकी एक्टिंग, गंभीरता दर्शकों को बेहद पसंद है। हालांकि, मेरा किरदार ऐसा है, जो कहानी में तनाव को और बढ़ाता है, जिसमें सहजता और चतुराई दोनों का तड़का है। ताहिर ने मेनन से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, केके सर से मैंने सेट पर और बाहर दोनों जगह बहुत कुछ सीखा। उनकी धैर्यपूर्ण और सादगी भरी शैली मुझे बहुत प्रभावित करती है। जिंदगी के अनुभवों से भरी बातचीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। स्पेशल ऑप्स 2 में केके मेनन एक बार फिर अधिकारी हिम्मत सिंह की भूमिका में दिखेंगे। इस बार हिम्मत एक ऐसी जंग लड़ते हैं, जो दिखाई नहीं देती। मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, हिम्मत सिंह हमेशा बुद्धि, साहस और जज्बे के साथ लड़ता है। इस बार चुनौती और भी जटिल है। यह सीजन न केवल देश की सुरक्षा के मुद्दों को उठाता है, बल्कि हिम्मत के निजी जीवन, एक पिता और देशभक्त की भावनाओं को भी उजागर करता है। शिवम नायर के निर्देशन में तैयार इस सीरीज में ताहिर राज भसीन, केके मेनन के साथ एक्टर प्रकाश राज, विनय पाठक, सयामी खेर, इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं। स्पेशल ऑप्स 2 साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा की पृष्ठभूमि में एक रोमांचक कहानी पेश करती है। सीरीज का प्रीमियर 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर होगा।

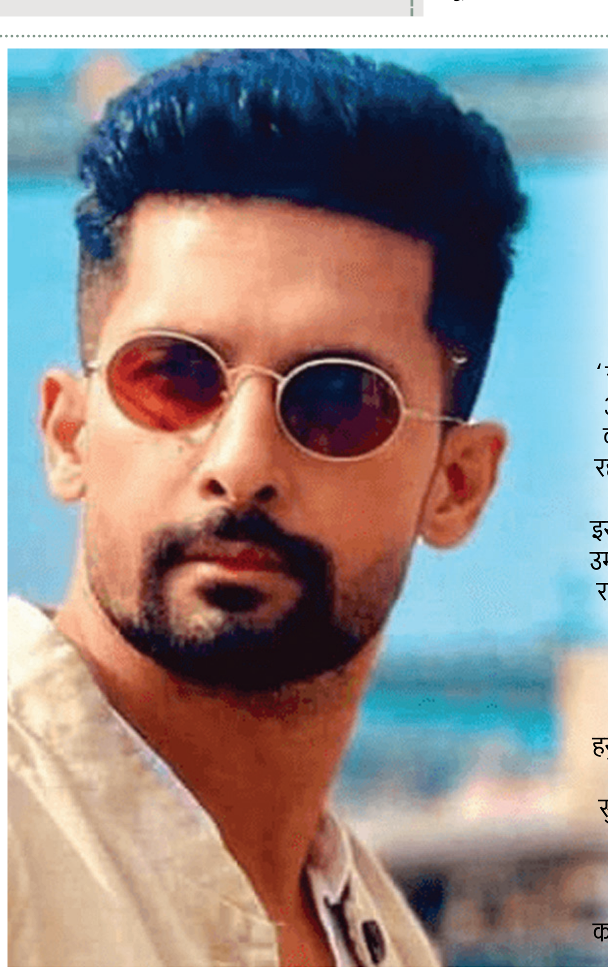

रणबीर के साथ 'रामायण' में मुख्य किरदार निभा रहे हैं रवि दुबे

रणबीर कपूर की आगामी फिल्म 'रामायण' आने वाली बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'रामायाण' की पहली झलक कल यानी 3 जुलाई को आने वाली है। इसको लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। उम्मीद है कि इस दिन फिल्म से राम और रावण के लुक सामने आ सकते हैं। भारी भरकम स्टारकास्ट वाली इस फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि सुपरस्टार्स से भरी इस फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे कौन हैं? हाल ही में रामायण के सेट से एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें रणबीर कपूर रवि दुबे को गले लगाते दिखे थे। ये वीडियो फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद का बताया जाता है। आइए जानते हैं लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे के बारे में।

टेलीकॉम इंजीनियरिंग में हासिल की डिग्री

रवि दुबे का जन्म उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 23 दिसंबर 1983 को हुआ था। रवि के पिता एक सिविल इंजीनियर हैं। हालांकि, रवि दुबे के जन्म के बाद ही उनका परिवार दिल्ली चला आया था। रवि दुबे ने मुंबई के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से टेलीकॉम इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही शुरू की मॉडलिंग रवि दुबे ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। उन्होंने अपने कॉलेज के दौरान ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद वो कई विज्ञापनों में नजर आए। यही नहीं रवि ने एक्टिंग में अपना पहला ब्रेक मिलने से पहले ही अलग-अलग ब्रांड्स के लिए तकरीबन 40 से ज्यादा विज्ञापन कर लिए थे।

टीवी से की करियर की शुरुआत

इसके बाद उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2006 में आए डीडी नेशनल के शो 'स्त्री तेरी कहानी' से की। इस शो को दिलीप कुमार और सायरा बानो ने प्रोड्यूस किया था। इसके बाद रवि 'यहां के हम सिकंदर', 'रणबीर रानो', '12/24 करोल बाग' और 'सास बिना ससुराल' जैसे कई डेली सोप में नजर आए। हालांकि, रवि को टीवी सीरियल्स की दुनिया में सफलता 2014 में आए डेली सोप 'जमाई राजा' से मिली।

कई रियलटी शो में आए नजर और किए होस्ट

कई डेली सोप में काम करने के बाद रवि कई रियलटी शो में भी नजर आए। इनमें 'कॉमेडी सर्कस', 'कहानी कॉमेडी सर्कस की', 'नच बलिये 5', 'फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी', 'लिप सिंग बैटल' जैसे रियलटी शो शामिल हैं। नच बलिये में रवि सरगुन मेहता के साथ नजर आए थे। जो अब उनकी पत्नी हैं। इसके बाद रवि ने कई रियलटी शोज को होस्ट भी किया। इनमें इंडियाज डांसिंग सुपरस्टार, फैशन का जलवा, सबसे स्मार्ट कौन और सा रे गा मा लिटिल चैंप्स शामिल हैं।
सरगुन मेहता से की शादी, बाद में साथ मिलकर खोला खुद का प्रोडक्शन हाउस अगर पर्सनल लाइफ की बात करें तो रवि दुबे ने साल 2013 में अभिनेत्री सरगुन मेहता से शादी कर ली। रवि ने सरगुन को रियलटी शो में ही प्रपोज किया था। 2019 में रवि दुबे ने पत्नी सरगुन के साथ ड्रीमियाता एंटरटेनमेंट के नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। जिसके अंतर्गत उन्होंने कई पंजाबी फिल्में, म्यूजिक एल्बम और सिंगल सॉन्ग प्रोड्यूस किए हैं।
रवि दुबे ने फिल्मों में अपनी शुरुआत साल 2011 में आई फिल्म 'यू आर माय जान' से की थी। इस फिल्म में रवि छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म को अभिनेता अरुण गोविल ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया था। हालांकि, रवि दुबे को पहचान टीवी शो 'जमाई राजा' और रियलटी शोज से ही मिली। इसके अलावा उनके अभिनय की तारीफ 2021 में 'मत्स्य कांड' में काफी हुई थी। इसमें पीयूष मिश्रा और रवि किशन जैसे अभिनातओं के सामने रवि ने अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी थी। इसके अलावा रवि कुछ एक और वेब सीरीज में भी नजर आए हैं। साथ ही 'वे हानिया' जैसे सुपरहिट सिंगल सॉन्ग में भी रवि दुबे दिखाई दिए हैं।

'रामायण' से बदलेगा रवि का करियर !

अब 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार निभाना रवि दुबे के करियर के लिए टर्निंग प्वाइंट हो सकता है। क्योंकि नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक से बढ़कर एक दिग्गज सुपरस्टार नजर आने वाले हैं। वहीं इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज क्रिएट है और ये भारतीय सिनेमा की एक बड़ी फिल्म बन सकती है।

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: भारत ने लंच तक बनाये तीन विकेट पर 177, कुल बढ़त 357

बर्मिंघम (एजेंसी)। केएल राहुल (55) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को भोजनकाल तक तीन विकेट पर 177 रन बना लिये और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है।

भारत ने कल के एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत को दूसरा झटका करूण नायर के रूप में लगा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने विकेटकीपर स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। उस समय भारत का स्कोर 96 रन था। जॉश टंग ने भोजनकाल से पहले के एल राहुल को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। के एल राहुल ने 84 गेंदों में 10 चौकों की मदद से (55) रनों की जुझारू पारी खेली।

भोजनकाल तक भारत ने तीन विकेट पर 177 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 24) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) बनाकर क्रीज पर है।

पहले सत्र में भारत ने दो विकेट गंवाए और कुल 111 रन बटोरे। भारत के पास अब 357 रनों की बढ़त और उसके हाथ में सात विकेट शेष हैं। पहले घंटे में गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही थी और करुण नायर कार्स का शिकार बन गए। इसके बाद राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन वह टंग की अंदर आती गेंद पर गच्चा खा गए। हालांकि गिल दूसरे छोर पर डटे रहे और पंत ने आते ही आक्रमण चालू कर दिया। पंत को दो जीवनदान जरूर मिले लेकिन उन्होंने 35 गेंदों पर तेजी से पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बना लिए हैं। अब अगले सत्र में भारत की नजर इस बढ़त को और आगे ले जाने पर होगी तो वहीं इंग्लैंड जल्द वापसी करने के इरादे से उतरेगा। इंग्लैंड की ओर से जॉश टंग ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे।

भारत के खिलाफ इंग्लैंड की महिला टीम को लगा झटका, इंग्लिश कप्तान सिवर-ब्रंट चोट के कारण सीरीज से बाहर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मौजूदा समय में इंग्लैंड दौरे पर हैं। जहां वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के बीच में इंग्लिश टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम की कप्तान चोट के कारण बाकी बचे हुए मैचों से बाहर हो गई है।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में बड़ा झटका लगा है। टीम की कप्तान नैट सिवर ब्रंट चोट के चलते सीरीज से बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह हैम्पशर की प्रतिभाशाली बल्लेबाज माइया बाउचर को टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सिवर- ब्रंट की कमर में चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो गई हैं। हालांकि, उम्मीद है कि वह आगामी वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट हो जाएंगी।

सीरीज में 2-1 से पीछे चल रही इंग्लिश टीम के लिए ये खबर किसी बड़े झटके से कम नहीं है। सिवर-ब्रंट ने पहले दो टी20 मैचों में कप्तानी की थी लेकिन भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया हालांकि, तीसरे मैच में भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी। ब्रंट तीसरे टी20 मैच में भी नहीं खेली थी उनकी जगह टैमी ब्यूमोंट ने टीम की अगुवाई की थी। अब बाकी बचे दो मैचों में भी टैमी ब्यूमोंट ही कप्तानी संभालेंगी।

वैभव सूर्यवंशी बल्ले से मचा रहे कहर, इंग्लैंड के खिलाफ इतनी कम गेंदों में शतक ठोक कर रच दिया इतिहास

लंदन (एजेंसी)। वॉर्सेस्टर में भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के बीच वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारत के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने महज 52 गेंदों में 10 चौकों और 7 छक्कों की मदद से शतक पूरा किया। ये अंडर-19 क्रिकेट के इतिहास में अब तक का सबसे तेज शतक है।

वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों में पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक 52 गेंदों में लगाया। अपनी शतकीय पारी के दौरान वैभव के बल्ले से 8 छक्के और 10 चौके निकले। वैभव यूथ वनडे में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में वैभव 86 रन पर आउट हो गए थे। शतक से चूक गए थे, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने इस कसर को पूरा कर लिया और अपना शतक जड़ा। 14 वर्षी वैभव का यूथ वनडे मैचों में ये करियर का पहला शतक रहा। वैभव ने इस मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 10 छक्के और 13 चौके लगाए। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

भारत आखिरी ओवर में चूका, इंग्लैंड ने 5 रन से जीता तीसरा टी20

लंदन (एजेंसी)। केनिंग्टन ओवल में शुक्रवार रात भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पास ऐतिहासिक सीरीज जीतने का मौका था, मगर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजों के लड़खड़ाने से भारत 5 रन से हार गया। भारत अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। खेले गए तीसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) की तूफानी साझेदारी से 137 रन जोड़े। इस जबरदस्त शुरुआत के बावजूद इंग्लैंड की पारी 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन पर सिमट गई। 25 गेंदों में 31 रन के भीतर नौ विकेट गिरने से उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3/27 और अरुंधति रेड्डी ने 3/32 के आंकड़े दर्ज किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत भी धमाकेदार रही। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने कई जीवनदानों का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। शेफाली ने 25 गेंदों में सात चौके जड़े और मंधाना ने 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत पावरप्ले में 61 रन बना चुका था और 16वें ओवर तक मुकाबला पूरी तरह उसकी पकड़ में था। मगर लॉरेन फाइलर ने 16वें ओवर में मंधाना को आउट कर भारत की गति तोड़ी। इसके बाद इंग्लैंड की गेंदबाजों ने वापसी की। सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने दबाव बनाए रखा। भारत को आखिरी गेंद पर 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गईं और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड के लिए फाइलर ने 2/30 का शानदार स्पेल किया और अंतिम ओवरों में बेल ने अहम विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि 16वें ओवर तक मैच उनके हाथ में था, लेकिन ओस के असर और रणनीति में कमी से टीम चूक गई। उन्होंने गेंदबाजों और फील्डर्स की तारीफ की और माना कि विपक्ष की अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम ने शानदार वापसी की। इंग्लैंड की पारी में डंकले ने सात चौके और एक छक्का लगाया जबकि व्याट-हॉज ने सात चौके और तीन छक्के जड़े। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार वापसी कर इंग्लैंड को संभलने नहीं दिया। अब भारत की नजर मैनचेस्टर में बुधवार को होने वाले चौथे मुकाबले पर होगी, जहां जीत हासिल कर वह ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम करना चाहेगा।

अस्ताना में विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत की पदक झोली में बढ़ोतरी

-नूपुर फाइनल में, अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

अस्ताना । कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत ने अपने पदकों की संख्या बढ़ा ली है और मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। महिलाओं के 80 किलोग्राम वर्ग में भारत की नूपुर ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। उनके इस जीत के साथ भारत को कम से कम एक रजत पदक सुनिश्चित हो गया है। नूपुर के आत्मविश्वास और आक्रामक रणनीति ने पूरे मुकाबले में विरोधी को कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने जजों से सर्वसम्मत फैसला हासिल किया। इससे पहले शुक्रवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में अविनाश जामवाल ने भी अपने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। उन्होंने अमेरिका के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अविनाश का मुकाबला भी पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहा और उनकी सटीक पंचों और बेहतरीन डिफेंस का प्रतिद्वंद्वी के पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि कुछ भारतीय मुक्केबाज़ों का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) अपने-अपने मुकाबलों में हार गए। नीरज ने कड़े मुकाबले में शानदार संघर्ष किया लेकिन विभाजित निर्णय में 3-2 से पराजित हो गए, जिससे उनका अभियान समाप्त हो गया।

लंबे समय से इस दिन का इंतजार था : सिराज

नई दिल्ली । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपने करियर का यादगार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 6 विकेट लेकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। यह खास उपलब्धि सिराज के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उन्होंने 548 दिन बाद टेस्ट क्रिकेट की किसी एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट चटकाए। अपने इस प्रदर्शन को उन्होंने 'अविश्वसनीय' करार देते हुए कहा कि वे लंबे समय से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। सिराज इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया है। सिराज ने तीसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले सत्र में ही इंग्लैंड की आधी टीम को महज 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया।

उन्होंने दिन के दूसरे ओवर में लगातार दो विकेट झटके और मैच का रुख पलट दिया। हालांकि इसके बाद इंग्लैंड के बल्लेबाज जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रूक (158) ने 303 रन की जबरदस्त साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया और स्कोर को 407 रन तक पहुंचा दिया। सिराज ने कहा कि इस पिच पर गेंदबाजी करना आसान नहीं था क्योंकि विकेट धीमी थी। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है क्योंकि मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। मैं लगातार अच्छी गेंदबाजी कर रहा था, लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे। यहां छह विकेट लेना मेरे लिए बहुत खास है। विकेट काफी धीमी थी, इसलिए अनुशासन बनाए रखना जरूरी था। मेरा ध्यान कसी हुई लाइन लेंथ के साथ गेंदबाजी करने और रन रोकने पर था।

6 विकेट सिराज की मेहनत का इनाम हैं : सचिन

-शिराज की घातक गेंदबाज़ी पर फिदा हुए तेंदुलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाज़ी करके मैच का पूरा नक्शा बदल दिया। मोहम्मद सिराज ने 70 रन देकर छह विकेट चटकाकर इंग्लैंड की मजबूत पारी की कमर तोड़ दी, जबकि आकाश दीप ने 88 रन देकर चार विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली।

सिराज के इस धमाकेदार प्रदर्शन पर महान बल्लेबाज मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷सिराज में मैंने जो सबसे बड़ा बदलाव देखा है, वह है गेंद को सही जगह पर पहुंचाने में उनकी सटीकता और निरंतरता। उनकी मेहनत का इनाम उन्हें 6 विकेट के रूप में मिला। आकाश दीप ने भी उनका बहुत अच्छा साथ दिया। शाबाश !÷ सचिन ने इंग्लैंड की पारी में ब्रुक और स्मिथ की साझेदारी की भी तारीफ की, जिन्होंने दबाव में रहते हुए बेहतरीन जवाबी हमला किया और अपनी टीम को भारत के स्कोर के करीब पहुंचा दिया, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी।

मैच की बात करें तो तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी में उतार-चढ़ाव खूब देखने को मिले। इंग्लैंड के ब्रुक और स्मिथ ने मुश्किल हालात में शानदार बल्लेबाज़ी की और भारतीय गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। लेकिन सिराज और आकाश दीप ने लगातार सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाज़ी करते हुए इंग्लैंड के मिडिल और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते हुए दिखा दिया कि भारतीय गेंदबाजी सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उनकी अगुआई में गेंदबाजों ने मिलकर इंग्लैंड की पूरी पारी 407 रन पर समेट दी।

दूसरी पारी में भारत ने ठोस शुरुआत की और पहले दिन के खेल के खत्म होने तक एक विकेट पर 64 रन बना लिए थे। इससे भारत ने मैच में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारत चौथे दिन अपनी बढ़त को कितनी मजबूती दे पाता है और क्या सिराज दूसरी पारी में भी इसी तरह का शानदार प्रदर्शन दोहरा पाएंगे। भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि सिराज की अगुवाई में गेंदबाज फिर से कमाल दिखाएंगे और टीम को जीत दिलाएंगे।

पाक टीम के कोच की मैकडरमॉट संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी शेन मैकडरमॉट को पाकिस्तान ने अपनी राष्ट्रीय टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। पाकिस्तान के नए व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन की सिफारिश पर उन्हें चुना गया है। वह सभी प्रारूपों में यह जिम्मेदारी निभाएंगे और उनके दौरे से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है। इस सप्ताह के अंत तक उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। 44 वर्षीय मैकडरमॉट के पास अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में कोचिंग का लंबा अनुभव है। वह हाई परफॉर्मेंस लेवल थ्री कोचिंग सर्टिफिकेट धारक हैं और बांग्लादेश, श्रीलंका, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन और क्रिकेट तस्मानिया जैसी टीमों के साथ काम कर चुके हैं। 2022-23 में वह बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के सहायक फील्डिंग कोच रहे लेकिन तत्कालीन हेड कोच चंदिका हथुरूसिंघे के साथ मतभेदों के चलते उनका कार्यकाल खत्म हो गया। इससे पहले मैकडरमॉट ने श्रीलंका की सीनियर पुरुष टीम के साथ तीन साल तक फील्डिंग कोच की भूमिका निभाई और वहां श्रीलंका ए टीम की कमान भी संभाली। बांग्लादेश के बाद वह अफगानिस्तान के कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए और हाल ही में जून 2024 में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की ऐतिहासिक सेमीफाइनल यात्रा में उनके योगदान की काफी सराहना हुई। अपने करियर के शुरुआती दौर में वह 2012 से 2019 तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के नेशनल क्रिकेट सेंटर में कई भूमिकाओं में सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के अंतरिम सहायक/ फील्डिंग कोच और विश्लेषक की भूमिका भी निभाई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए बांग्लादेश दौरे से व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद टीम वेस्टइंडीज में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी। इस सप्ताह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच नियुक्त किया है। साथ ही बोर्ड सलमान आगा को सभी प्रारूपों का कप्तान बनाए जाने की तैयारी कर रहा है, जिससे शान मसूद (टेस्ट) और मोहम्मद रिजवान (वनडे) की कप्तानी समाप्त हो जाएगी।

भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम यूरोप दौरे के लिए हुई नीदरलैंड रवाना

बेंगलुरु । कप्तान संजय और उप-कप्तान मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह की अगुवाई में भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम आठ से 20 जुलाई तक चलने वाले यूरोप दौरे के लिए शनिवार सुबह नीदरलैंड के लिए रवाना हो गई। भारत 'ए' टीम यूरोप के तीन शहरों में कुल आठ मैच खेलेगा। भारतीय 'ए' टीम आइंडहोवन (नीदरलैंड) में आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच तथा एम्स्टेलवीन (नीदरलैंड), एंटवर्पेन (बेल्जियम) में इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगा। यूरोपीय दौरे पर रवाना होने से पहले भारत 'ए' के कप्तान संजय ने कहा, 卐यह दौरा हमारे लिए अपनी ताकत और कमजोरियों को जानने का एक अच्छा परीक्षण मैदान होगा। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। यह दौरा हमें यह आकलन करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा प्रदान करेगा कि हम कहाँ खड़े हैं। इस तरह के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन से हमें भविष्य में अपनी मुख्य टीम को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।' उप-कप्तान मोइरंगथेम ने कहा, 卐यह दौरा टीम को शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलने की विभिन्न गतिशीलता और तीव्रता को समझने में मदद करेगा। यहां कुछ युवा खिलाड़ियों को भारत में उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली गति से बहुत अलग गति से हॉकी का अनुभव प्रदान करेगा। हमें उम्मीद है कि यह प्रदर्शन हमें और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करेगा।'

विराट ने बताया किस प्रकार अनुष्का के परिवार का हिस्सा बन गए

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के अपनी पत्नी अनुष्का के परिवार वालों के साथ भी काफी अच्छे संबंध हैं। विराट और अनुष्का की शादी साल 2017 को हुई थी। उसके बाद से ही कई बार, अनुष्का के माता-पिता को उनके साथ या बच्चों के साथ खास समय बिताते उन्हें देखा गया है। वहीं एक साक्षात्कार में विराट ने कहा था कि कैसे वह आसानी से अनुष्का के परिवार का हिस्सा बन गए। इस बातचीत में साथी क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'आपने अनुष्का के माता-पिता को अपने माता-पिता की तरह अपना लिया है।' इसपर विराट ने जवाब दिया, 'यह बहुत खास है। पहले दिन से ही ये रिश्ता काफी खूबसूरत था। पहले ही दिन से, जब भी अनुष्का से से मिला या मिलने गया, मुझे कभी अलग महसूस नहीं हुआ। ' विराट ने अनुष्का के पिता और पूर्व सेना अधिकारी अजय कुमार शर्मा के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की थी। उन्होंने बताया किया, 'अब भी, मेरे ससुर और मैं दोस्त की तरह हैं। मैं उनसे सब कुछ साझा कर सकता हूं। वह सेना अधिकारी रहे हैं इस कारण उनका रवैया बहुत निडर और स्पष्ट है। जब मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात करता हूं, तो वो पल खास होता है।' विराट ने अनुष्का की मां और भाई की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मेरी सासू मां और मेरे साले भी बहुत अच्छे इंसान हैं। सब इतने प्यारे और दिल से अपनाने वाले हैं कि कभी लगा ही नहीं कि मैं अलग हूं।'' विराट ने आगे कहा, 'वे सभी इतने दिल से स्वीकार करने वाले और स्वागत करने वाले हैं। आप उनके साथ रहेंगे तो आप महसूस करेंगे कि जब आप इतने स्वाभाविक रूप से उन लोगों के साथ मिल जाते हैं, जो आपको इतनी जल्दी स्वीकार करते हैं कि रिश्ते केवल आपसी सम्मान और समझ और बिना शर्त प्यार पर आधारित होते हैं।'

डी. गुकेश का कमाल, 19 साल की उम्र में रैपिड खिताब जीतकर रचा इतिहास

ज़ाग्रेब (एजेंसी)। क्रोएशिया के शहर ज़ाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारत के 19 वर्षीय विश्व शतरंज चैम्पियन डी. गुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रैपिड खिताब जीत लिया। ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा रहे इस टूर्नामेंट में गुकेश ने रैपिड प्रारूप में 18 में से 14 अंक हासिल किए। उनकी जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब विश्व स्तर पर एक बेहद मजबूत और खतरनाक खिलाड़ी बन चुके हैं।

प्रतियोगिता की शुरुआत गुकेश के लिए आसान नहीं रही। पहले ही राउंड में उन्हें पोलैंड के जान-क्ज़ीष्टॉफ़ डूडा से हार झेलनी पड़ी। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच मुकाबले जीत लिए। इनमें सबसे अहम जीत विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ चौथे राउंड में आई। इस जीत ने उन्हें टूर्नामेंट की बढ़त दिलाई और बाकी खिलाड़ियों पर दबाव बना दिया। फाइनल राउंड में गुकेश ने अमेरिका के अनुभवी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर खिताब पर निर्णायक मुहर लगा दी। इस मुकाबले में उन्होंने विरोधी की एक मामूली गलती को बेहद कुशलता से भुनाया। उनका रैपिड रिकॉर्ड 6 जीत, 2 ड्रॉ और 1 हार रहा, जो उनकी लगातार स्थिरता और रणनीतिक गहराई का प्रमाण है। तीसरे दिन के खेल में भी गुकेश ने अपना संयम और तैयारी दिखाई।

डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों का लंबा मैच खेला। इसमें उन्होंने मार्शल गैम्बिट का इस्तेमाल किया और यह भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन इससे उनकी लड़ाकू मानसिकता और जीत के जज्बे की झलक साफ दिखी। टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन ने अंतिम दिन फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रॉ खेलने के चलते वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के एक और युवा खिलाड़ी आर. प्रग्गनानंद का प्रदर्शन अपेक्षाकृत धीमा रहा। उन्होंने 9 मैचों में एक जीत और 7 ड्रॉ खेले और कुल 9 अंक बनाए। हालांकि ज़ाग्रेब में उनका प्रदर्शन कमजोर रहा, लेकिन ग्रैंड चेस टूर के अन्य चरणों में शानदार नतीजों के कारण वह समग्र रैंकिंग में मजबूत दावेदार बने हुए हैं। अब इस टूर्नामेंट का

ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को समाप्त होगा, जिसके बाद रैपिड और ब्लिट्ज दोनों के संयुक्त अंकों से कुल विजेता का फैसला होगा।